# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष–3, अंक–05 मई, 2024


## सोशल मीडिया पर युवाओं की सकारात्मक भूमिका का एक समीक्षात्मक विश्लेषण

सोशल मीडिया, जिसकी अक्सर इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों के लिए आलोचना की जाती है, सकारात्मक बदलाव के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में भी काम कर सकता है, खासकर जब युवाओं द्वारा इसका लाभ उठाया जाता है। आज के युवा केवल डिजिटल सामग्री के निष्क्रिय उपभोक्ता नहीं हैं, वे सक्रिय निर्माता और प्रभावशाली व्यक्ति हैं जो विभिन्न लाभकारी उद्देश्यों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं। यह लेख उन कई तरीकों की खोज करता है जिनसे युवा सोशल मीडिया पर सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं और निभाते भी हैं।

**अभियान और आंदोलनः** युवा कार्यकर्ता ग्रेटा थुनबर्ग द्वारा संचालित फ्राइडेज़ फ़ॉर फ्यूचर जैसे आंदोलनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है, जो तत्काल जलवायु कार्रवाई की वकालत करते हैं। सोशल मीडिया के ज़रिये विश्व में इतिहास में बड़े बदलाव आए हैं, जब ये सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म्स सिर्फ़ लोगों द्वारा अपनी फ़ीलिंग्स आदि शेयर करने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बड़े आंदोलन लाने में भी सक्षम रहा। इसमें अरब स्प्रिंग, मिस्त्र विद्रोह, इंडिया अगेंस्ट करप्शन जैसे बहुत बड़े आंदोलन शामिल हैं।

**जागरूकता अभियानः** इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता और नस्लीय न्याय जैसे मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया जाता है। युवा लोग अपने साथियों को सूचित करने और उनसे जुड़ने के लिए व्यक्तिगत कहानियाँ, शैक्षिक सामग्री और संसाधन साझा करते हैं।

**शैक्षिक सामग्रीः** यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम और टेलिग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर शैक्षिक चौनल और खाते हैं जहाँ युवा विज्ञान और प्रौद्योगिकी से लेकर कला और मानविकी तक विभिन्न विषयों के बारे में सीख सकते हैं।

**ऑनलाइन समुदायः** छात्र ज्ञान साझा करने, परियोजनाओं पर सहयोग करने और अकादमिक रूप से एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए रेडिफ और फेसबुक जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर अध्ययन समूह और समुदाय बनाते हैं।

**राजनीतिक जुड़ावः** युवा राजनीतिक मुद्दों के बारे में जानकारी रखने, चर्चाओं में शामिल होने और अपनी राय व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। वे राजनीतिक अभियान, रैलियाँ और याचिकाएँ भी आयोजित कर सकते हैं और उनमें भाग ले सकते हैं।

**स्वयंसेवा और सामुदायिक सेवाः** लिंक्डइन और फेसबुक जैसे प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग स्वयंसेवी गतिविधियों और सामुदायिक सेवा परियोजनाओं के समन्वय के लिए किया जाता है, जिससे युवा समाज में सकारात्मक योगदान दे पाते हैं।

**रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देनाः**

सोशल मीडिया रचनात्मक अभिव्यक्ति और नवाचार का केंद्र है, जो युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और नए विचारों का पता लगाने की अनुमति देता है।

**सामग्री निर्माणः** युवा निर्माता वीडियो, संगीत, कला और लेखन सहित मूल सामग्री साझा करने के लिए युट्युब टेलिग्राम और इंस्टाग्राम जैसे संभावित रूप से अपनी प्रतिभा का मुद्रीकरण करने की अनुमति भी देता है।

**सहयोगात्मक परियोजनाएँः** सोशल मीडिया डिजिटल कला से लेकर सहयोगात्मक लेखन और संगीत निर्माण तक रचनात्मक परियोजनाओं पर सहयोग की सुविधा प्रदान करता है, जो विविध पृष्ठभूमि और भौगोलिक क्षेत्रों से व्यक्तियों को एक साथ लाता है।

**पीयर सपोर्टः** रेडिट और डिस्कॉर्ड जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर ऑनलाइन समुदाय और सहायता समूह युवाओं को अनुभव साझा करने, सलाह लेने और मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक तनाव और व्यक्तिगत चुनौतियों जैसे मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए सुरक्षित स्थान प्रदान करते हैं।

**वैश्विक संबंधः** सोशल मीडिया युवाओं को दुनिया भर के साथियों से जुड़ने में सक्षम बनाता है, जिससे क्रॉस-कल्चरल समझ और दोस्ती को बढ़ावा मिलता है।


**प्रकाशक :**

**महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर**

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

## मई माह विशेष

# अक्षय तृतीयाः अनंत समृद्धि का पर्व

अक्षय तृतीया, जिसे अक्ती या अखा तीज के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू और जैन समुदायों में एक अत्यंत शुभ त्योहार है, जिसे बहुत उत्साह और भक्ति के साथ मनाया जाता है। हिंदू महीने वैशाख (अप्रैल-मई) के शुक्ल पक्ष के तीसरे चंद्र दिवस पर पड़ने वाला यह दिन अनंत समृद्धि, सौभाग्य और सफलता का पर्याय है। संस्कृत में 'अक्षय' का अर्थ है 'कभी कम न होने वाला', जो इस दिन शुरू किए गए किसी भी अच्छे काम या उपक्रम के स्थायी लाभ को दर्शाता है।

**पञ्चाङ् के दृष्टि से अक्षय तृतीया का महत्वः**

अक्षय तृतीया का सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में भी विशेष महत्त्व है। मान्यता है कि इस दिन बिना कोई पंचांग देखे कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह-प्रवेश, वस्त्र-आभूषणों की खरीददारी या घर, भूखण्ड, वाहन आदि की खरीददारी से सम्बन्धित कार्य किए जा सकते हैं। नवीन वस्त्र, आभूषण आदि धारण करने और नई संस्था, समाज आदि की स्थापना या उदघाटन का कार्य श्रेष्ठ माना जाता है। यह तिथि यदि सोमवार तथा रोहिणी नक्षत्र के दिन आए तो इस दिन किए गए दानए जप-तप का फल बहुत अधिक बढ़ जाता हैं।

**ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व :**

अक्षय तृतीया हिंदू पौराणिक कथाओं और धार्मिक परंपराओं में एक विशेष स्थान रखती है, भविष्य पुराण के अनुसार इस तिथि की युगादि तिथियों में गणना होती है, सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ इसी तिथि से हुआ है।

1. **भगवान परशुराम का जन्मः** स्कंद पुराण और भविष्य पुराण में उल्लेख है कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को रेणुका के गर्भ से भगवान विष्णु ने परशुराम रूप में जन्म लिया जिन्हें वीरता और भक्ति के प्रतीक के रूप में सम्मानित किया जाता है।

2. **गंगा का अवतरणः** ऐसा माना जाता है कि इस शुभ दिन पर पवित्र नदी गंगा स्वर्ग से धरती पर उतरी थी, जो आध्यात्मिक गतिविधियों और पवित्र स्नान के लिए एक आदर्श समय है।

3. **त्रेता युगः** यह त्यौहार हिंदू ब्रह्मंड विज्ञान में चार युगों (युगों) में से दूसरे युग त्रेता युग की शुरुआत से भी जुड़ा हुआ है, जो भगवान राम और भगवान कृष्ण जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों के आगमन के लिए जाना जाता है।

**जैन परंपराएँ :**

जैन धर्म में अक्षय तृतीया को पहले तीर्थंकर, ऋषभनाथ के जीवन की एक महत्वपूर्ण घटना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। जैन ग्रंथों के अनुसार, ऋषभनाथ ने इस दिन राजा श्रेयांश द्वारा दिए गए गन्ने के रस का सेवन करके अपना साल भर का उपवास तोड़ा था। उपवास तोड़ने का यह कार्य एक महत्वपूर्ण क्षण है और जैन लोग इसे विभिन्न अनुष्ठानों और समारोहों के साथ मनाते हैं।

**रीति-रिवाज़ और परंपराएँ :**

अक्षय तृतीया कई तरह के रीति-रिवाज़ों और रीति-रिवाज़ों का पर्याय है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे सौभाग्य और अनंत समृद्धि लाते हैं।

## हमारी विरासत

# भगवान ऋषभदेव

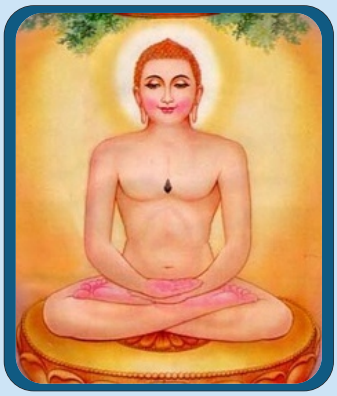

भगवान ऋषभदेव जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर हैं। उन्हें आदिनाथ भी कहा जाता है। तीर्थंकर का अर्थ होता है जो तीर्थ की रचना करें। जो संसार सागर (जन्म मरण के चक्र) से मोक्ष तक के तीर्थ की रचना करें, वह तीर्थंकर कहलाते हैं। तीर्थंकर के पांच कल्याणक होते हैं। जैन धर्म में, तीर्थंकरों के जन्म, तप, ज्ञान, मोक्ष, और मोक्ष की भूमिकाओं को 'कल्याणक' कहा जाता है। जैन पुराणों के अनुसार अन्तिम कुलकर राजा नाभिराज और महारानी मरुदेवी के पुत्र भगवान ऋषभदेव का जन्म चैत्र कृष्ण नवमी को अयोध्या में एक इक्ष्वाकुवंशी क्षत्रिय परिवार में हुआ था। वह वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर थे। भगवान ऋषभदेव का विवाह नन्दा और सुनन्दा से हुआ। ऋषभदेव के 100 पुत्र और दो पुत्रियाँ थी। उनमें भरत चक्रवर्ती सबसे बड़े एवं प्रथम चक्रवर्ती सम्राट हुए जिनके नाम पर इस देश का नाम भारतवर्ष पड़ा। दूसरे पुत्र बाहुबली भी एक महान राजा एवं कामदेव पद से बिभूषित थे। इसी कुल में आगे चलकर इक्ष्वाकु हुए और इक्ष्वाकु के कुल में भगवान राम हुए। जैन ग्रंथो के अनुसार लगभग 1,000 वर्षो तक तप करने के पश्चात् ऋषभदेव को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उन्होंने कृषि, शिल्प, असि (सैन्य शक्ति), मसि (परिश्रम), वाणिज्य और विद्या। इन 6 आजीविका के साधनों की विशेष रूप से व्यवस्था की तथा देश व नगरों एवं वर्ण व जातियों आदि का सुविभाजन किया। ऋषभदेव की मानव मनोविज्ञान में गहरी रुचि थी। उन्होंने शारीरिक और मानसिक क्षमताओं के साथ लोगों को श्रम करना सिखाया। इससे पूर्व लोग प्रकृति पर ही निर्भर थे। वृक्ष को ही अपने भोजन और अन्य सुविधाओं का साधन मानते थे और समूह में रहते थे। ऋषभदेव ने पहली दफा कृषि उपज को सिखाया। उन्होंने भाषा का सुव्यवस्थीकरण कर लिखने के उपकरण के साथ संख्याओं का आविष्कार किया। नगरों का निर्माण किया। उन्होंने बर्तन बनाना, स्थापत्य कला, शिल्प, संगीत, नृत्य और आत्मरक्षा के लिए शरीर को मजबूत करने के गुर सिखाए साथ ही सामाजिक सुरक्षा और दंड संहिता की प्रणाली की स्थापना की। उन्होंने दान और सेवा का महत्व समझाया। जब तक राजा थे उन्होंने गरीब जनता, संन्यासियों और बीमार लोगों का ध्यान रखा। उन्होंने चिकित्सा की खोज में भी लोगों की मदद की। नई-नई विद्याओं को खोजने के प्रति लोगों को प्रोत्साहित किया। भगवान ऋषभदेव ने मानव समाज को सभ्य और संपन्न बनाने में जो योगदान दिया है, उसके महत्व को सभी धर्मों के लोगों को समझने की आवश्यकता है। अपनी आयु के 14 दिन शेष रहने पर भगवान ऋषभनाथ हिमालय पर्वत के कैलाश शिखर पर समाधिलीन हो गए और वहीं माघ कृष्ण चतुर्दशी के दिन उन्होंने निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त किया।

## ड्रोन प्रशिक्षण — कृषि संकाय

ड्रोन प्रशिक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई अधिष्ठाता डॉ. विमल दुबे, प्राध्यापकगण, ड्रोनियर एविगेंशन के पदाधिकारीगण एवं विद्यार्थी

**दिनांक 01 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है और इसे चरितार्थ करने के लिए विश्वविद्यालय समस्त आधारभूत सुविधाओं के साथ पठन–पाठन से सम्बन्धित प्रौद्योगिक उन्नति और नवाचार से अपने विद्यार्थियों को समय–समय पर अवगत कराता रहता है। इस क्रम में गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित कृषि संकाय में कृषि ड्रोन द्वारा कृषि स्नातक के विद्यार्थियों को नवाचार से अवगत कराने व प्रशिक्षण हेतु ड्रोनियर एविगेंशन के सौजन्य से कृषि ड्रोन मंगवाया गया है। कृषि ड्रोन के द्वारा भूमि परीक्षण, स्थलाकृति और सीमाओं का सर्वेक्षण, मृदा परीक्षण, उर्वरक व कीटनाशकों का छिड़काव इत्यादि कुशलतापूर्वक कम व्यय और कम समय में किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय में इस तकनीकी का स्वागत करते हुए कुलपति डॉ. अतुल बाजपेइ ने कहा कि ग्रामीण भारत अब नवाचार और अविष्कार को आत्मसात करते हुए स्वर्णिम भविष्य की ओर अग्रसर है, सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ही कृषि ड्रोन आधारित प्रशिक्षण इस बात का द्योतक है कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के अकादमिक उन्नयन के लिए शत–प्रतिशत पूरे मनोयोग से जुड़ा हुआ है। ड्रोन प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को रोजगार का अवसर मिलेगा और वे कृषि क्षेत्र मे हो रहे नये–नये अविष्कारों से परिचित होंगे। निकट भविष्य में विश्वविद्यालय ने ड्रोन आधारित प्रशिक्षण व पाठ्यक्रम संचातिल करने की योजना बनाई है।

ड्रोन प्रशिक्षण के समय कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, कृषि संकाय के समस्त प्रध्यापकगण, ड्रोनियर एविगेंशन के पदाधिकारी व विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

## परिसर भ्रमण

परिसर भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, डॉ. डी.सी. ठाकुर, कर्नल राजेश बहल मेदांता के डायरेक्टर लोकंद्र गुप्ता व अन्य

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

**दिनांक 03 मई, 2024**। गोरखपुर समेत आसपास के जिलों के लोगों को चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सुविधा मिलने जा रही है। कई मामलों में लखनऊ की दौड़ लगाने वाले मरीजों को चिकित्सा क्षेत्र के ख्यातिलब्ध संस्थान मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञों की सेवा यहीं उपलब्ध कराने के लिए इस संस्थान और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार ने साझा पहल की है। इसके परिणाम स्वरूप जल्द ही मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टेली आईसीयू व अन्य कई सेवाएं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मिलने लगेंगी।

मेदांता अस्पताल लखनऊ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जल्द ही एमओयू करके इस पहल को अमलीजामा पहना देंगे। एमओयू के पूर्व गुरुवार को मेदांता आईसीयू ग्रुप के डायरेक्टर एंड हेड डॉ. दिलीप दूबे और मेदांता इमरजेंसी सर्विसेज के एसोसिएट डायरेक्टर लोकेंद्र गुप्ता ने बालापार स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चिकित्सालय का दौरा किया।

इस दौरान उन्होनें चिकित्सालय का भ्रमण कर उपलब्ध सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इसके बाद मेदांता से आए वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के डायरेक्टर ब्रिगेडियर डीसी ठाकुर, विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के डायरेक्टर कर्नल राजेश बहल के साथ बैठक की। यह तय किया गया कि महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मरीजों को 24X7 सुपरस्पेशलिटी आईसीयू सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक मेदांता टेली–आईसीयू की सेवाओं से खुद को जोड़ेंगे। यहां के दोनों चिकित्सालयों में मरीजों को मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सक ऑनलाइन देखेंगे। इसके लिए कई सुपरस्पेशलिटी सेवाओं को चयनित किया जाएगा।

दोनों संस्थानों के बीच आईसीयू डॉक्टरों और नर्सिंग स्टॉफ के प्रशिक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। मेदांता यहां पर वेंटिलेटर मशीन और सीपीआर का भी अत्याधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा। एक अहम चर्चा किडनी के रोगियों की डायलिसिस और किडनी प्रत्यारोपण को लेकर भी हुई। इसके लिए मेदांता की किडनी ट्रांसप्लांट टीम यहां आकर ओपीडी सेवा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के आईसीयू प्रभारी डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव भी मौजूद रहें।

मेदांता अस्पताल लखनऊ की टीम के दौरे के बाद गुरुवार शाम को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव की मेदांता समूह के संस्थापक डॉ. नरेश त्रेहन से दूरभाष पर वार्ता भी हुई। डॉ. त्रेहन ने महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मेदांता की तरफ से टेली आईसीयू और अन्य सेवाओं को लेकर उत्सुकता व्यक्त की। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. राव ने बताया कि जल्द ही चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और मेदांता अस्पताल लखनऊ के बीच एमओयू (समझौता करार) किया जाएगा।

## मेंटर ट्रेनिंग मीटिंग

## गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

मेंटर ट्रेनिंग मीटिंग में उपस्थित नर्सिंग कॉलेज की शिक्षिकाएं

**दिनांक 04 मई, 2024**। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में एनईएसई कक्ष में मेंटर ट्रेनिंग मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें ट्रेनिंग के शुरुआत श्रीमती जेनी डी. ने सारी फैकल्टी का स्वागत किया।

सुश्री सोसन डैन ने आज के सेशन का ओवरव्यू दिया। आज के इस सत्र में श्रीमती सोमा रानी दास द्वारा सभी शिक्षकों को अनुभाग–3 के बारे में विस्तार से बताया गया और सुश्री नैना द्वारा किए गए प्रत्येक मानक अनुभाग 4 के सारे विविधता के मानकों के बारे में विस्तार से बताया गया। उसमें OSCE को बहुत अच्छी तरह से समझाया गया था और निर्देश दिया गया कि छात्रों के व्यावहारिक कौशल का मूल्यांकन करते समय सभी संकाय को इसका अभ्यास करना चाहिए। उसके बाद अनुभाग 6 को सुश्री निधि मिश्रा द्वारा समझाया गया था और उन्होंने इस अनुभाग के तहत विस्तृत जानकारी दी और प्रत्येक भिन्नता मानदंडों को देखा गया और इस अनुभाग में अंतराल को सभी संकायों के साथ संवाद किया गया और भविष्य में इस अंतर से बचने के लिए हर उचित तरीके से सलाह दी गई थी। ट्रेनिंग के अंत में सुश्री सिमरन ने सत्र का समापन किया और सारी फैकल्टी ने अपना अपना विचार बताया।

## स्टूडेंट नर्सेज दिवस समारोह

## गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

**दिनांक 08 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु से गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में स्टूडेंट नर्सेज दिवस समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई, विशेष अतिथि अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. राजेन्द्र भारती एवं नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा उपस्थिति रहें। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। कार्यक्रम में पूजा, कृति, शिवांगी, ब्यूटी द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया। जी.एन.एम. तृतीय वर्ष की छात्रा अलका चौधरी द्वारा हिंदी भाषण तथा बीएससी नर्सिंग सेकंड सेमेस्टर की छात्रा द्वारा

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति जी

अंग्रेजी भाषण प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई ने कहा कि नर्सों के बिना चिकित्सा तंत्र अपूर्ण है उन्होंने स्टूडेंट को नई चीज को सीखने के साथ–साथ नर्स की समर्पित सेवा भावना और सहृदयता से मरीज को जल्द से जल्द आरोग्यता प्राप्त करने में बड़ी भूमिका को भी बताया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी के अधिष्ठाता डॉ. राजेन्द्र भारती जी ने स्टूडेंट नर्सिंग सेवा की महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नर्स का काम बहुत पवित्र है क्योंकि उन्हें लोगों की सेवा करने का अवसर मिलता है और उन्होंने 18 पुराणों की व्याख्यान करते हुए बताया कि सेवा परमो धर्मा : अर्थात सेवा सबसे बड़ा धर्म है व्यावहारिक रूप से नर्स की महता चिकित्सक के समांतर होती है।

कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज नर्सिंग की अध्यापिका सुश्री स्वेता अल्बर्ट ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्टूडेंट नर्स दिवस के बारे में उल्लेख किया। एस.एन.ए. एडवाइजर स्वेता अल्बर्ट और नैंसी मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न कराई गई।

## प्रमाण-पत्र वितरण

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

एन.सी.सी. कैडेट्स को प्रमाण–पत्र वितरित करते हुए डॉ. राजेन्द्र भारती जी

**दिनांक 06 मई, 2024** को राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बनें स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है ।

कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल जी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्वविद्यालय का नाम भी रोशन किया है। मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे ।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102 यू.पी. बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा, धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया। शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया।

शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया।

शिविर में बैनेट फाइटिंग प्रतियोगिता में कैडेट प्रीति शर्मा, श्रद्धा उपाध्याय, आंचल पाठक,, अनुष्का, फ्लैग एरिया में लांस नायक ह्रस्व साहनी, आदर्श मौर्या, निकिता गौंड, शिवम सिंह, साक्षी प्रजापति, अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा, अमृता कनौजिया, दरख़्सा बानो, अंशिका सिंह, क्वॉर्टर गार्ड में कृष्णा त्रिपाठी, टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में डेल्टा कंपनी ब्याज ने प्रथम स्थान ग्रहण किया। जिसमें डेल्टा कंपनी के अंडर आफिसर मोती लाल, सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, आशुतोष मणि त्रिपाठी, सागर यादव, भानु प्रताप सिंह, अमित चौधरी, आदर्श ने आपसी सूझबूझ खिचतान से प्रतिद्वंदियों को मैदान में पठखनी दिया। वहीं डेल्टा कंपनी की गर्ल्स द्वितीय स्थान पर रहीं जिसमें प्रमुख रूप से श्रद्धा उपाध्याय, पूजा सिंह, प्रीति शर्मा, खुशी गुप्ता, साक्षी प्रजापति, दरख़्सा बानो, गौरी कुशवाहा ने प्रतिद्वंदी टीम को सीमा रेखा से पार कर दिया।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने सर्जिकल स्ट्राइक, देशभक्ति को केंद्र में रखकर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। संस्कृति प्रतियोगिता को निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान से अलंकृत किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति में अंडर आफिसर अंशिका सिंह, आंचल पाठक, सागर जायसवाल, पूजा सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। क्विज; (प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता) में कैडेट अनुभव, पूजा सिंह, अमृता कनौजिया ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कैडेट अनुभव ने और द्वितीय स्थान श्रद्धा उपाध्याय विजेता रहीं। वाद विवाद समूह प्रतियोगिता में कैडेट अनुभव, खुशी गुप्ता, श्रद्धा उपाध्याय ने पक्ष और विपक्ष में प्रतिद्वंदियों को अपने बेबाक शब्द भावो से पटखनी दिया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स के उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत जी, प्राचार्य डॉ. एन.एस. मंजूनाथ, प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, अधिष्ठता प्रो सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल दूबे, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. विन्नम शर्मा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, श्री साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ. कुलदीप सिंह सहित शिक्षकगणों ने शुभाशीष दिया।

## अत्याधुनिक उपकरण स्थापना संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

**दिनांक 10 मई, 2024**। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, में अत्याधुनिक शिमदजू यूवी.विज़ डबल बीम स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की स्थापना की गयी। यह अत्याधुनिक उपकरण विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर नवाचार और शैक्षिक अवसरों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण निवेश है। शिमदजू यूवी.विज़ डबल बीम स्पेक्ट्रोफोटोमीटर अपनी असाधारण सटीकता के साथ कई नमूनों का एक साथ विश्लेषण करने के लिए प्रसिद्ध है। स्पेक्ट्रोफोटोमीटर से विशिष्ट क्षेत्रों में अन्वेषण की अनंत संभावनाएं है जिससे चिकित्सा जैव रसायन, चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी से उद्योग–मानक उपकरणों के छात्र लाभांवित होंगे। शिमदजू यूवी.विज़डबल बीम स्पेक्ट्रो फोटोमीटर की स्थापना से छात्रों मेंउन्नत तकनीकों के व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ अन्वेषण दृष्टि विकसित होगी। अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा शिमदजू यूवी.विज़ डबल बीम स्पेक्ट्रो फोटोमीटर हमारे विश्वविद्यालय के लिए एक अत्याधुनिक उपकरण है। जिससे छात्र पाठ्यक्रम और अनुसंधान प्रयासों में एकीकृत करने के लिए

स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की स्थापना करते हुए शिक्षकगण

रोमांचित हैं।

स्पेक्ट्रोफोटोमीटर मशीन के स्थापना के समय डॉ. अमित दुबे. डॉ. अनुपमा ओझा. डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. अवेधनाथ सिंह, डॉ. किरण कुमार, अनिल मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव उपस्थित रहें।

## ज्ञापन समझौता एवं अतिथि व्याख्यान

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

समझौता ज्ञापन के दौरान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, श्री आशीष सिन्हा एवं बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी जी

**दिनांक 10 मई, 2024**। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयागराज के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के लिये दोनों संस्थाओं के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

इस ज्ञापन पर गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई एवं वैधनाथ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री तेजेंदर खुराना ने हस्ताक्षर कर दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य, आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने एवं कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र, संकाय और तकनीकी विनिमय आदि विषयों पर समझौता करार किया। इसके अतिरिक्त दोनों संस्थानों का लक्ष्य इस साझेदारी के माध्यम से कार्यशाला, सामाजिक उन्नयन, और विकास परियोजना को विकसित और कार्यान्वित करना है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि इस समझौते से आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार प्रसार को एक नई दिशा मिलेगी।

इसके उपरांत वैद्यनाथ के श्री प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद संकाय के द्वितीय व्यावसायिक (सत्र 2021–22) को संबोधित करते हुए कहा कि वैद्यनाथ आपको हर तरह के सहयोग का आश्वासन देती हैं। आयुर्वेद के क्षेत्र में बैधनाथ एक प्रसिद्ध नाम है, हमारे बहुत से उत्पाद अपनी गुणवत्ता के कारण जनमानस मे लोकप्रिय है।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के समय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, समझौता समन्वयक व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्री श्रीकान्त, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस., आचार्य डॉ. गिरिधर वेंदान्त, आचार्य डॉ. गोपी कृष्ण, सह आचार्य डॉ. विन्नम शर्मा व वैद्यनाथ के क्षेत्र महाप्रबंधक श्री आशीष सिन्हा आदि की उपस्थिति रहीं।

## निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर

मरीज की जांच करते हुए डॉ. जी.एस. तोमर जी

**दिनांक 13 मई, 2024**। को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ. जी.एस. तोमर ने ओपीडी की शुरुआत किया गया।

जिसमें डॉ. जी.एस. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आज के समय में दुनिया आयुर्वेद चिकित्सा का तेजी से अनुसरण कर रहे हैं। आयुर्वेद में जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा, और आहार पर ध्यान दिया जाए तो जटिल और गंभीर रोग का उपचार शत–प्रतिशत संभव है। योग, प्राणायाम और ध्यान के साथ नियमित चिकित्सीय परामर्श से रोगी निरोग रहकर स्वस्थ जीवन जी सकते है। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ. जी.एस. तोमर ने शिविर में 108 रोगियों को उपचार परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल स्पाइन की समस्याएं आयुर्वेद में 'ग्रीवासंधिगत वात' के रूप में जानी जाती हैं। इसमें गर्दन में दर्द, गर्दन की अकड़न, ऊपरी बाहु, कंधे और बाजू में दर्द और स्थायी अस्वस्थता शामिल हो सकती है। उपचार के लिए आयुर्वेद में जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा और आहार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। योग, प्राणायाम और ध्यान से जटिल रोगों को नियंत्रित किया जा सकता है। निःशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन डॉ. जी.एस तोमर, आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मंजुनाथ एस. एन., गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल एवं प्रबंधक जी.के. मिश्रा ने गुरु गोरखनाथ जी के मूर्ति पर पूजा अर्चना कर किया।

शिविर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा के साथ चिकित्सा क्षेत्र में भी जन मानस की सेवा करने का पूनीत कार्य कर रहा है। डॉ. जी.एस. तोमर जी आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में प्रतिष्ठत है। आज के समय में हर मानव मानसिक तनाव और दर्द से जूझ रहे है ऐसे में सही समय पर कुशल चिकित्सक की सलाह और उपचार स्वयं की स्वस्थ रखा जा सकता है।

आयुर्वेद चिकित्सा में व्यायाम, दवाओं का प्रयोग, चिकित्सा फिजिओथेरेपी, योग, या चिकित्सा आसन से चिकित्सा में सुधार हो रहा है। ओपीडी में आए मरीजों से बात करते हुए डॉक्टर तोमर ने कहा कि आजकल लोगों का आयुर्वेद की तरफ रुझान बढ़ रहा हस क्योंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है और आसपास की जड़ी बूटियां से और खानपान में सुधार करके हम अपना स्वस्थ जीवन जी सकते हैं कैंप में 108 मरीज का इलाज किया गया जांच की गई जिसमें शुगर ब्लड प्रेशर थायराइड अंगों का सुन्न हो जाना यह क्या कहते हैं सर्वाइकल हुआ कई तरह के मरीजों की जांच की तथा 35 मरीजों का निःशुल्क हीमोग्लोबिन और ब्लड शुगर की भी जांच किया गया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

## अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

**दिनांक 13 मई, 2024**। को गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सा विज्ञान संस्थानए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में अतिथि वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामहर्षण चिकित्सा निलयम के प्रबंध निदेशक प्रो. (डॉ.) जी. एस. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद वांग्मय में डायबिटीज़ (मधुमेह) का वर्णन हज़ारों वर्ष पहले से उपलब्ध है। वैदिक क़ालीन पैपिल्यादि संहिता में 'प्रमेहणां तां विदुर उभयोरमेहनश्च' कहकर इसके अस्तित्व को स्वीकार किया है। उसके बाद उपनिषद काल, पुराणकाल तथा संहिता काल में प्रमेह एवं मधुमेह का निदान, लक्षण एवं चिकित्सा का विस्तृत वर्णन मिलता है। यही नहीं हमारे प्राचीन महर्षियों ने अपनी दिव्य दृष्टि रूपी उपकरणों से इसके सरलतम निदान का तरीक़ा भी सुझाया है। जब आधुनिक लैब परीक्षणों में रोगी के मूत्र में बैनिडिक्ट सोल्यूसन शर्करा को अनुपस्थित बताता है उसी समय रोगी मूत्र में चींटियाँ लगने की बात कहकर डायबिटीज़ की सबसे प्रथम अवस्था मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम की तरफ़ इशारा करता है। यही आयुर्वेद चिकित्सा का प्रथम पायदान है। इस अवस्था में न तो रोगी की रक्त शर्करा ही बढ़ी होती है और न ही उसके मूत्र के साथ शर्करा निकलती है। केवल रोगी को डिसलिपिडीमिया

बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. जी.एस. तोमर जी

अर्थात् हानिकारक कॉलेस्ट्रोल की वृद्धि तथा लाभदायक कॉलेस्ट्रोल की कमी मिलती है साथ ही साथ सेन्ट्रल ओबेसिटी अर्थात् पेट बढ़ा हुआ मिलता है। इस अवस्था में आयुर्वेद चिकित्सक के परामर्श से चन्द्रप्रभा वटी, मेदोहर गुग्गुल एवं फलत्रिकादि क्वाथ का प्रयोग श्रेयस्कर है। इससे डायबिटीज़ अपनी दूसरी अवस्था प्री डायबिटीज़ तक नहीं पहुँच पाता। प्री डायबिटीज़ की स्थिति में पहुँचे हुए मरीज़ों को जिनकी फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मिण्ग्राण् से कम हो तथा पी.पी. ब्लड शुगर 200 मिण्ग्राण् से कम हो उनमें डायबकल्प प्लस एवं बी.जी. आर. 34 जैसी आयुर्वेदीय औषधियों से बहुत उत्साह वर्धक परिणाम मिलते हैं। मेरे व्यावहारिक अनुभव में 75: से अधिक रोगियों को डायबिटीज़ की तीसरी अवस्था तक पहुँचने से रोका जा सकता है। तीसरी अवस्था में जब फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मिण्ग्राण् से अधिक एवं पी.पी. ब्लड शुगर 200 मि.ग्रा. से अधिक हो उस अवस्था में भी बसन्त कुसुमाकर एवं बी.जी. आर. 34 या डायबकल्प के साथ–साथ एम्रीप्लस ग्रेन्यूल्स या मधुरक्षक चूर्ण रात्रि में सेवन कराने से अत्यन्त उत्साह जनक परिणाम मिलते हैं। मेरे स्वयं के चिकित्सा अनुभव में ऐसे रोगियों को मात्र उपर्युक्त आयुर्वेदीय औषधियों से नियंत्रित किया जा सकता है। ध्यान रहे डायबिटीज़ की चिकित्सा में मात्र रक्त शर्करा का नियंत्रण ही लक्ष्य नहीं है अपितु किडनी, रेटिना, हृदय तथा नाड़ियों में होने वाले घातक उपद्रवों से भी शरीर की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। उपर्युक्त आयुर्वेद चिकित्सा इन दोनों ही दृष्टि से अत्यन्त लाभकारी सिद्ध हो रही है। यहाँ यह कहना भी अभीष्ट है कि इन्सुलिन तथा अन्य ओरल हाइपोग्लाइसिमिक दवाओं के साथ इनका प्रयोग न केवल पाश्चात्य औषधियों से रजिस्टेन्ट होने से बचाती हैं अपितु इनकी कार्यकारिता में भी वृद्धि करने के साथ–साथ हमारे महत्वपूर्ण अंगों को इसके घातक उपद्रवों से रक्षा करती हैं। अतः इस अवसर पर मेरा यही संदेश है कि संयमित जीवनशैली, नियंत्रित आहार, मिलेट्स का आहार में प्रयोग, नियमित बलार्ध व्यायाम, शवासन, निष्पंदभाव जैसे विश्रांतिकर योगासन के साथ–साथ आयुर्वेदीय औषधियों का प्रयोग हमें इस व्याधि के नियंत्रण हेतु अत्यन्त प्रभावी है। अतिथि व्याख्यान के पूर्व भगवान धन्वंतरि वंदना के उपरांत संस्थान के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ ने डॉ. तोमर का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा सिंह ने किया।

## अतिथि व्याख्यान

## भेषजिक विज्ञान संकाय

भेषजिक विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. जी.एस. तोमर जी

**दिनांक 13 मई, 2024**। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के भेषजिक विज्ञान संकाय और आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के सयुक्त तत्वधान मेंएक व्याख्यान बी. फार्मा और डी. फार्मा के विद्यार्थियों के बीच 'स्वस्थ्य जीवन शैली' पर आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में प्रो. डॉ. गिरेंद्र सिंह तोमर (पूर्व प्रधानाचार्य लाल बहादुर शास्त्री गवर्नमेंट आयुर्वेद कॉलेज इंडिया प्रयागराज) जी ने विद्यार्थियों को आहार–विहार, सुबह जल्दी उठने, शाम को जल्दी खाना खाने और निद्रा के महत्व के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. तोमर ने विद्यार्थियों को बताया आयुर्वेद प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। जैसे स्वस्थ व्रत, दिनचर्या ऋतुचर्या का वर्णन मिलता है जिसके पालन करने से बहुत से रोगों से बच सकते हैं। डायबिटीज एक लाइफ स्टाइल से संबंधित रोग है। आयुर्वेद में डायबिटीज को मधुमेह के नाम से जाना जाता है। यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाले रोगों में से एक है। खून में ग्लूकोज की मात्रा जरूरत से ज्यादा बढ़ने पर डायबिटीज की बीमारी उपन्न होती है। रोगी व्यक्ति का पेशाब कसैला और मीठा पाया जाता है। जिससे रोगी के मूत्र में चीटियां लगने लगती है। डायबिटीज पैदा करने वाले कारणों से बचकर, जीवनशैली में उचित बदलाव कर के जैसे कि नियमित एक्सरसाइज, योग, संतुलित आहार से इसे नियंत्रित कर सकते है। फार्मेसी संकाय के सभी अध्यापक उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में सुश्री पूजा जायसवाल जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

## प्रोत्साहन

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

एन.सी.सी. कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए माननीय कुलपति जी

**दिनांक 16 मई, 2024**। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यूपी बटालियन यूनिट की कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा ने महाराजगंज में चले शिविर में कैडेट पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और कैडेट प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपई जी ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा पूजा सिंह और प्रीति शर्मा ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के राष्ट्रीय शिविर में अपने अदम्य साहस और अनुशासन से

श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर गौरव की अनुभूति कराया है। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण कर शस्त्र सलामी लिया। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने निरंतर अपने प्रदर्शन से नए नवाचार कर शिविर में सभी को प्रभावित किया हैं। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा विश्वविद्यालय के कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा ने शिविर में प्रतिभाग कर सभी कैडेट्स को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है। विश्वविद्यालय में अन्य विद्यार्थियों को भी अपने रचनात्मक साहसिक कार्यों से सृजनात्मक कार्य के लिए तत्पर रहना चाहिए।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों, संवाद, सैन्य प्रदर्शन प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मक साहसिक कार्यों से शिविर को समृद्ध किया है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने नए नवाचारो से स्वयं में नई ऊर्जा का संचार किया है। इनके अनुभवों से अन्य कैडेट्स को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगा। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर से वापस लौटी कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, सभी प्राचार्य, अधिष्ठता और शिक्षकगण ने बधाई व शुभकामनाएं दिया।

## अतिथि व्याख्यान

## संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

विद्यार्थियों को संवाद स्थापित करते हुए डॉ. कपिल गुप्ता जी

**दिनांक 17 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में माइक्रोबियल इंजीनियरिंग ऑफ एंटी बायोटिक बायोसाइंथेसिस पाथवे विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. कपिल गुप्ता, सहायक आचार्य, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

डॉ. कपिल गुप्ता ने कहा कि कपिल गुप्ता ने कहा कि किस प्रकार से एंटीबॉयोटिक्स के औद्योगिक स्तर में नए नवाचार से उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है। माइक्रोबियल इंजीनियरिंग एक विज्ञान है जो जीवाणुओं का उपयोग करके विभिन्न उत्पादों की उत्पत्ति और उनके प्रकार में सुधार करने का काम करता है। इसका एक प्रमुख क्षेत्र एंटीबायोटिक उत्पादन है। जिसमें जीवाणुओं को उपयोग करके ऐसे औषधियों के उत्पादन की प्रक्रिया को समझने और सुधारने का प्रयास किया जाता है जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। यह अध्ययन और अनुसंधान क्षेत्र सामान्यतः रसायनिक, जैव रसायनिक, जन्तु और माइक्रोबियल रसायन तकनीकों का संगम है।

विद्यार्थियों को विषय पर केंद्रित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें माइक्रोबियल इंजीनियरिंग के मौलिक सिद्धांतों, एंटीबायोटिक्स के बायोसिंथेसिस पाथवे के समझ, उनके बॉयोसिंथेटिक उत्पादों के अनुप्रयोग और इसके प्रयोजनों के बारे में अन्वेषकीय ज्ञान को समृद्ध करने की आवश्यकता है।

माइक्रोबियल इंजीनियरिंग द्वारा एंटीबायोटिक उत्पादन की क्षमता को संशोधित करने के लिए सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक संरचना में हेर फेर करना ए बायोसिंथेटिक मार्ग में प्रमुख एंजाइम को इनकोड करने वाले जिनकी क्लोनिंग करके नए उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

व्याख्यान में प्रमुख रूप से बॉयोटेक्लोजी के विभाग अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दुबे, बॉयोकेमिस्ट्री की विभाग अध्यक्ष डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. अवैधनाथ, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, श्री धनंजय पांडेय, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. के. के. यादव, डॉ. प्रेरणा अदिती, डॉ. अंकिता मिश्रा, अनिल मिश्रा, एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

## प्रवेश समिति : बैठक

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय में आयोजित की गई प्रवेश समिति की बैठक

**दिनांक 18 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विविध विषयों में प्रवेश परीक्षा 19 मई से शुरू होगी। प्रवेश समिति के समन्यव्यक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठत संस्थान है। 19 मई को बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा बृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा। प्रथम दिन कुल तीन हजार पांच सौ प्रवेश परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मलित होंगे।

21 मई को जी.एन.एम., बीएससी हानर्स, बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजीए मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी

फार्मा एलोपैथी की परीक्षा सुनिश्चित है।

26 मई को ए.एन.एम., डिप्लोमा लैब तकनीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर तकनीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर तकनीशियन, डायलीसिस तकनीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर तकनीशियन, और बी.बी.ए.हॉनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के शैक्षिक गुणवत्ता को देखते हुए सत्र 2024–25 में कुल आठ हजार पांच सौ आवेदकों ने प्रवेश के लिए आवेदन किया है। वृहद स्तर पर आयोजित होने वाले प्रवेश परीक्षा की गतिविधियों की समीक्षा बैठक कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने लिया।

कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने कहा कि वृहद स्तर पर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा एक चुनौती है। जिसे पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन तैयार है। बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए भी विश्वविद्यालय प्रवेश समिति सतर्क रहेंगे।

गर्मी के मौसम को देखते हुए परीक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए प्याऊ की व्यवस्था की जा रही है साथ ही प्रतीक्षा कर रहे अभिभावकों के लिए विश्राम स्थल पर पानी की व्यवस्था सुनिश्चित रहेगी।

## प्रवेश परीक्षा (प्रथम दिवस) महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

बीएससी नर्सिंग एवं पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के दौरान औचक निरीक्षण करते माननीय कुलपति एवं परीक्षा पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी

**दिनांक 19 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के परीक्षा की शुरूआत 19 मई (रविवार) को बीएससी नर्सिंग एवं पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग से हुई। दो चरणों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्रथम दिन प्रवेश समिति के समन्यव्यक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में आज बीएससी नर्सिंग एवं पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग में प्रथम एवं द्वितीय चरण में कुल 3211 (92 प्रतिशत) परीक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रवेश समिति के समन्यव्यक डॉ. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि प्रथम दिन नर्सिंग विषय के लिए प्रवेश परीक्षार्थियों में उत्सुकता और उमंग देखने को मिला। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में प्रवेश परीक्षा के लिए पूर्वांचल के बिहार, महाराजगंज, देवरिया, बस्ती, कुशीनगर के अलावा बनारस, आजमगढ, खालीलाबाद, सिद्धार्थनगर, बहराइच आदि के विद्यार्थियो की भारी संख्या रही। साथ ही अन्य राज्यों से भी परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मलित हुए हैं।

भोर से ही परीक्षार्थियो और अभिभावकों की भारी भीड़ विशविद्यालय में एकत्र होनी शुरू हो गई, परीक्षार्थियो को विश्वविद्यालय में कोई असुविधा न हो इसके लिए कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल बाजपेई जी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने स्वयं सभी स्थलों का निरीक्षण किया। अभ्यार्थियों और अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में पानी और गुड की व्यवस्था किया गया, परीक्षा स्थल के आसपास ट्रैफिक नियंत्रण के लिए प्रशासनिक दल, शिक्षक और गाड्र्स लगातार सभी अभ्यार्थियों का मार्गदर्शन करते रहे। साथ ही बाहरी अभ्यार्थियों केलिए विश्वविद्यालय की छोटी गाड़ियों को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया साथ ही चाक–चौबंद व्यवस्था में हर जगह पथ मार्गदर्शिका पोस्टर बैनर से भी परीक्षा स्थल तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया गया।

40 डिग्री सेल्सियस पर भी परीक्षार्थियो का हौसला सूर्य देव डिगा नहीं पाए, भयंकर चिलचिलाती धूप में भी अभिभावक अपने पालको का इंतजार किया। गर्मी को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जरूरत के सभी इंतजाम किए गए थे।

परीक्षा नियंत्रक श्री अमित सिंह ने कहा कि भोर से ही परीक्षार्थियों की भीड़ आनी शुरू हो गई है, परीक्षा में छात्रों को कोई असुविधा न हो इसके लिए प्रवेश समिति द्वारा हेल्प डेस्क, ट्रैफिक नियंत्रण, गर्मी से बचने के लिए प्याऊ, आपात स्थिति के लिए स्वास्थ्य शिविर की भी व्यवस्था किया गया है।

गर्मी में अभिभावकों को भी कोई असुविधा न हो इसके लिए उन्हें विश्वविद्यालय परिसर में महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था किया गया, जहां विश्वविद्यालय कर्मी हर समय पानी और गुड के साथ आतिथ्य सेवा भाव करते रहें।

गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. राजेश बहल ने बताया कि महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में अभिभावकों ने बी.पी., शुगर, ब्लड प्रेशर के साथ अन्य बीमारियों की निःशुल्क जांच कराके चिकित्सीय परामर्श लिया।

प्रवेश समिति के समन्यव्यक डॉ. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि विविध अन्य पाठयक्रमों 21 और 26 मई को भी प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। प्रवेश परीक्षाओं को सकुशल संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने परीक्षा समिति के साथ समीक्षा बैठक की और जरूरी निर्देश दिया है।

19 को होने वाली प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न होने के बाद समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 21 और 26 मई की परीक्षा की भी तैयारी पूरी है।

प्रवेश परीक्षा 21 मई को जी.एन.एम, बी.एस.सी. ऑनर्स, बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी, बीएससी हानर्स, ग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होनी है।

26 मई को ए.एन.एम., डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बी.बी.ए. ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा।

## वृहद मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मतदाता जागरूकता के सेल्फी प्वाइंट के दौरान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं अन्य प्राध्यापकगण

**दिनांक 20 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान मेआयोजित मतदाता जागरूकता अभियान, 'लोकतंत्र को मजबूत करे, चले वोट करें' सेल्फी पॉइंट और वृहद मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान पर हस्ताक्षर करके कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने अभियान की शुरुआत किया।

सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान कर मतदाताओं को जागरूक करते हुए कुलपति जी ने कहा की लोकतंत्र में वोट की शक्ति मतदाता का शत–प्रतिशत अधिकार होता है। सही मत के अधिकार से सशक्त सरकार के निर्माण बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। लोकतंत्र के महापर्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर जन–जन को मतदान करने के लिए प्रेरित कर मतदाता जागरूकता अभियान से वोट के प्रति निरंतर संकल्पित कर रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग के पहल पर शिक्षा मंत्रालय द्वारा निरंतर नवाचारों के माध्यम से युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा की लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अछूण्य बनाए रखने के लिए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। हस्ताक्षर अभियान में उपस्थित आयुर्वेद विभाग के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने कहा कि 18 वे लोकसभा चुनाव में शत– प्रतिशत मतदान के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के युवा मतदाता तैयार है 1 जून की अपने बूथ पर पहला वोट डालकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपना अहम योगदान देंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में लोकतंत्र के महायज्ञ में युवा मतदाताओं को निरंतर नूतन नवाचारों से वोट की शक्ति पहचानने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पूर्ण विश्वास है इस लोकतंत्र में युवा मतदाता अपने साथ–साथ आसपास के लोगों को भी वोट के प्रति जागरूक कर वोट प्रतिशत की समृद्ध करेंगे। मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की भारत के नवनिर्माण में शसक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट जरूरी है। मतदान के सही सदुप्रयोग वोट की शक्ति से सशक्त राष्ट्र सशक्त सरकार का चयन किया जा सकता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शत–प्रतिशत मतदाता पंजीकरण कराने में सफल रहा है।

विश्वविद्यालय में मतदाता पहचान पत्र के पंजीकरण के लिए शिविर लगाकर शत–प्रतिशत मतदाता पंजीकरण रिकॉर्ड को पूरा किया गया। विश्वविद्यालय में युवा विद्यार्थियों का मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

मतदाता जागरूकता अभियान के सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान के शुभारंभ में उपकुलसचिव प्रशासन श्री श्रीकांत जी, प्राचार्य मंजूनाथ एन.

एस, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. कुलदीप सिंह, श्री धनंजय पांडेय, निर्वाचक योद्धा, शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, मतदाता जागरूकता अभियान के निर्वाचक योद्धा सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, हर्षव साहनी, भानु प्रताप सिंह, अमित चौधरी, आदर्श मौर्या, शिवम सिंह, शुभम मौर्य, अस्मिता सिंह, अमृता कनौजिया, अमित कुमार चौधरी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

## प्रवेश परीक्षा (द्वितीय दिवस) महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु आयोहित प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होते परीक्षार्थी

**दिनांक 21 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में दो पालियों में जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी, बीएससी हानर्स, ग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा, एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न हुई।

प्रवेश समिति के समन्यवयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि द्वितीय दिन दोनों पालियों को मिलाकर 2580 (90 प्रतिशत) परीक्षार्थी सम्मलित हुए है। प्रश्न पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को सम्मलित कर नवाचार का प्रयोग किया गया है। प्रश्नोत्तरी सवालों से उत्साहित परीक्षार्थीयों ने सहजता से भारतीय वैदिक संस्कृति के प्रश्नोंका उत्तर दिया है।

समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, त्रिपुरा, नागालैंड, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल के भी परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर प्रवेश समिति की सराहना किया।

द्वितीय दिन प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों हेतु विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी। हेल्प डेस्क, पार्किंग व्यवस्था के साथ ही आपात स्थिति में चिकित्सा के लिए भी डेस्क गठित किया गया था।

परीक्षा स्थल पर अभ्यर्थियों के अभिभावकों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था की गई। वहां उन्हें गुड़ और शीतल जल उपलब्ध कराया गया, साथ ही हेल्थ कैम्प लगाकर उन्हें चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई। जहां बड़ी संख्या में अभिभावकों का रक्तचाप, शुगर व अन्य बीमारियों को मुफ्त जांच की गई और जरूरी परामर्श दिया गया।

विश्वविद्यालय में लोकतंत्र के महापर्व 'चलो वोट करें' सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान पर सभी परीक्षार्थियों और अभिभावकों ने सेल्फी लेकर मतदान का प्रण लिया। सेल्फी पॉइंट पर उत्साहित युवा मतदाताओं ने राष्ट्र हित में मतदान का संकल्प लिया।

26 मई को होगी बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स और एएनएम सहित विविध विषयों की प्रवेश परीक्षा 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

## अतिथि व्याख्यान

## सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

व्याख्यान में विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते डॉ. राजीव सिंह जी

**दिनांक 22 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग में मेजर हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स (एमएचसी), एंटीजन प्रोसेसिंग और ऑटोइम्यून रोग पर व्याख्यान देते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजीव सिंह, क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ने कहा कि मेजर हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स (MHC) एंटीजन प्रोसेसिंग और ऑटोइम्यून रोग विशेष रूप से चिकित्सा एवं वैज्ञानिक दृष्टि से रोचक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। MHC, जिसे पूरी तरह से मेजर हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स के रूप में भी जाना जाता है, एक व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बाहरी तथा स्वयं के अंगों को पहचानने और प्रतिक्रिया करने की क्षमता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एंटीजन प्रसंस्करण एक प्रतिरक्षा विज्ञानी प्रक्रिया है जिससे एमएचसी के क्रियान्वयन को बल मिलता है तथा अंगो के प्रतिरोपण में महत्वपूर्ण में भी भूमिका निभाता है।

एमएचसी में त्रुटी हो जाने पर विभिन्न तरह की स्व–प्रतिरक्षा रोग जैसे की गठिया, पीठ में अकड़न व टाइप वन डायबिटीज प्रमुख है।

ऑटोइम्यून पर विस्तार से चर्चा करते हुए वैज्ञानिक डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि ऑटोइम्यून बीमारी तब होती है जब शरीर की प्राकृतिक रक्षा कोशिकाओं के बीच अंतर नहीं कर पाती है, जिससे 80 से अधिक प्रकार की ऑटोइम्यून बीमारियाँ शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करती हैं। सही समय पर चिकित्सीय परामर्श लेकर मरीज स्वयं को स्वस्थ रख सकता है।

एमएचसी अणुओं का मुख्य कार्य बहिर्जात एंटीजन, जैसे कि बाह्य कोशिकीय रोगजनकों (बैक्टीरिया, कवक, परजीवी) या घुलनशील प्रोटीन से प्राप्त एंटीजन को सीडी 4 सहायक टी लिम्फोसाइट्स (टीएच कोशिकाओं) में प्रस्तुत करना है। यह इंटरैक्शन विभिन्न प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को सक्रिय करने और विनियमित करने के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें बी कोशिकाओं द्वारा एंटीबॉडी का उत्पादन, साइटोटॉक्सिक टी कोशिकाओं की सक्रियता और जन्मजात प्रतिरक्षा तंत्र का आयोजन शामिल है।

व्याख्यान में वैज्ञानिक डॉ. राजीव सिंह को संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सुनील कुमार सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

व्याख्यान का संचालन डॉ. पवन कुमार कनौजिया ने किया। व्याख्यान में प्रमुख रूप से बॉयोटेक्लोजी के विभाग अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दुबे, बॉयोकेमिस्ट्री की विभाग अध्यक्ष डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. अवैधनाथ, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया. डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, श्री धनंजय पांडेय, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. क. के. यादव, डॉ. प्रेरणा अदिती, डॉ. अंकिता मिश्रा, अनिल मिश्रा, सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

## समझौता ज्ञापन

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

समझौता ज्ञापन में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं जारडस के निदेशक डॉ. दीपक मैंदिस्ता

**दिनांक 23 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं जुबिलेन्ट एग्रीकलचर रूरल डेवलपमेन्ट सोसायटी (जारडस) मुरादाबाद ने शैक्षणिक एवं कृषि अनुसंधान क्रियाकलापां को बढ़ावा देने के लिये दोनों संस्थाओं के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

इस ज्ञापन पर गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं जारडस के निदेशक डॉ. दीपक मैंदिस्ता ने हस्ताक्षर कर दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य, कृषि के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने एवं कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र, संकाय और तकनीकी विनिमय आदि विषयों पर समझौता करार किया। इसके

अतिरिक्त दोनों संस्थानों का लक्ष्य इस साझेदारी के माध्यम से कार्यशाला, सामाजिक उन्नयन, और विकास परियोजना को विकसित और कार्यान्वित करना है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि इस समझौते से कृषि के क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार–प्रसार को एक नई दिशा मिलेगी। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने समझौता पत्र पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर छात्रों के व्यक्तित्व विकास, उच्च शिक्षा में अनुसंधान दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। कृषि उद्यमिता में नित नए नवाचार हो रहे है। उत्कृष्ट तकनीक से कृषि क्षेत्र में भी भारत का किसान नई चुनौतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर कृषि को समृद्ध कर रहा है ।

जुबिलेन्ट एग्रीकलचर रूरल डेवलपमेन्ट सोसायटी (जारडस) मुरादाबाद के निदेशक दीपक मैंदिस्ता ने कहा कि वर्ष 2005 में कृषि क्षेत्र में नवाचार के उद्देश्य से स्थापना हुई जिसका उद्देश्य कृषि में उद्यमिता का अनुसंधान एवं विकास करना हो। कृषि के प्रति जागरूक एवं शिक्षित समृद्ध लोगों के समूह का नेतृत्व कर रहें डॉ. दीपक मैंदिस्ता ने कहा कि परम्परागत कृषि के साथ आज वर्तमान में उत्पादन में नए नवाचारों से छोटी भूमि पर कम लगात से भी किसान अच्छी आमदनी कर सकते है। संस्थान को कृषि प्रबंधन के लिए 2010 में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान हैदराबाद द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की योजना एग्रीक्लिनिक एग्रीबिजनेस सेन्टर के लिए मान्यता दिया गया। 2013 में संस्थान के द्वारा आगरा केन्द्र, 2014 में गोरखपुर में कृषि उद्यमिता का प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया। संस्थान द्वारा प्रशिक्षित कृषि स्नातकों में 5000 से अधिक सफल उद्यमी आज समृद्ध किसान के रूप में स्थापित हुए है। संस्थान का मुरादाबाद कैम्पस सभी तरह के कृषि उद्यमों से सुसजित प्रशिक्षण केन्द्र है। पूर्ण विश्वास है जारडस एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर मिलकर कृषि अनुसंधान एवं उद्यमिता के क्षेत्र में काम करेंगे। कुशल प्रशिक्षण लेकर प्रशिक्षक किसानों तक नई समृद्ध योजना से लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय के कृषि छात्र, छात्राओं को उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रसर करने के लिए जारडेस संस्थान काम करेगा और विश्वविद्यालय में कृषि उद्यमों के मॉडल स्थापित करने में भी संस्थान की अहम भूमिका होगी।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के समय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, समझौता समन्वयक व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्री श्रीकान्त, जारडस गोरखपुर केन्द्र के नोडल अधिकारी सी. रंजीत यादव, कृषि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहें।

## भूमि पूजन : मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

**दिनांक 24 मई, 2024 गोरखपुर।** गोरखपुर को इस साल एक नए मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल जाएगी। तीन चरणों में तैयार होने वाले कॉलेज के 1800 बेड (पहले, दूसरे और तीसरे चरण 600–600 बेड) के अस्पताल का भूमि पूजन 27 मई को होने जा रहा है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित होने वाला यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर सीएम योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (सेवानिवृत्ता) डॉ. अतुल वाजपेई 27 मई को इसकी नींव रखेंगे। 100 सीटों से शुरू हो रहे इस मेडिकल कॉलेज को दूसरे चरण में 150 और तीसरे में 250 सीटों तक विस्तार देने की योजना है। इसके शुरू हो जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिशाली छात्र–छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि पूर्वी यूपी से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस एक और अस्पताल भी मिल जाएगा।

महायोगी गुरू गोरखनाथ विवि के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना और विकास के लिए राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय स्तर की दो कमेटियां सहायोगी दे रही हैं।

सीएम योगी का सपना साकारः मेडिकल कॉलेज का सपना योगी ने सांसद रहते तक देखा जब इंसेफेलाटिस जैसी बीमारी से लड़ने में पूर्वांचल के चिकित्सा संस्थान और वहां उपलब्ध सुविधाएं बुरी तरह फेल और नाकाफी साबित हो रही थीं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई से बड़ी संख्या में मरीज सीधे बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचते थे जहां एक–एक बेड पर तीन–तीन, चार–चार बच्चों को भर्ती करना पड़ता था। ऐसे हालात में योगी ने बालापार में विश्वविद्यालय की नींव डाली और एक बड़े अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की स्थापना करने में जुट गए। करीब 130 एकड़ जमीन खरीदी गई।

महायोगी गुरू गोरखनाथ विवि का उद्घाटन 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। अब मेडिल कॉलेज और 1800 बेड के अत्याधुनिक अस्पताल का सपना भी साकार होने जा रहा है। पहले सत्र में 100 सीटों के साथ शुरू हो रहे मेडिकल कॉलेज के पास 450 बेड का गोरखनाथ चिकित्सालय पहले से है।

**विश्वविद्यालय में वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रम और सीटें:** : बीएएमएस–100 सीट, नर्सिंग (एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेस्कि बीएससी नर्सिंग) 1100 सीटें, पैरामेडिकल –600 सीटें, बीएससी (एग्रिकल्चर)–100 सीट, बीएससी बॉयोटेक्नोलॉजी–60 सीट, बीएससी, माइक्रो बॉयोलाजी–60 सीट, बीएससी बॉयोकेमेस्ट्री–60 सीट, बी.फार्मा–60 सीट, डी फार्मा–60 सीट।

**विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज की खासियत :** कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज की दो बड़ी विशेषताएं हैं। एक तो यहां 'ऑफ द रिकॉर्ड' कुछ नहीं होता है। प्रवेश से लेकर पढ़ाई और परिणाम तक सब कुछ पारदर्शी और शुचितापूर्ण ढंग से संचालित किया जाता है। दूसरे, किसी प्रतिभाशाली किन्तु गरीब छात्र या छात्रा की पढ़ाई धनाभाव के चलते बाधिक नहीं होती है।

## प्रवेश परीक्षा (तृतीय दिवस)

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होते परीक्षार्थी

**दिनांक 26 मई, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन की परीक्षा सकुशल संपन्न हुई।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को 2709 प्रवेश परीक्षार्थियों ने बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, सहित 7 अन्य विषयों की परीक्षा भव्य स्तर पर हुआ।

बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स विषय में अभ्यार्थियों का उत्साह देखने को मिला है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शिक्षा ग्रहण करने के विद्यार्थियों में उत्साह और उमंग की एक नई उत्सुकता देखने को मिल रहा है। प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए अभ्यर्थियों के साथ

अभिभावक भी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक संगठन की मुक्त कंठ से सराहना कर रहे हैं। ट्रैफिक नियंत्रण, प्रतीक्षारत अभिभावकों के लिए छाव, गुड, शीतल जल और निःशुल्क चिकित्सा शिविर की व्यवस्था, परीक्षार्थियों के समान रखने के लिए क्लार्क रूम, मुख्य चौराहे से परीक्षा स्थल तक निःशुल्क ई रिक्शा और विकलांगजनों के लिए विशेष सेवा व्यवस्था किया गया है।

प्रश्न पत्रों को रोचक बनाने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को सम्मलित कर नवाचार का प्रयोग किया गया। परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा देश के कई राज्यों के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए।

कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा में संचालित सभी विषयों में प्रोफेशनल और जॉब ओरिएंटेब्ट कोर्स में शत–प्रतिशत जॉब की अनंत संभावनाएं है। विश्वविद्यालय में संचालित आयुर्वेद, नर्सिंग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, कृषि, पैरामेडिकल, फार्मेसी विषयों में प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश के लिए देश के विभिन्न राज्यों से कुल 8500; (आठ हजार पांच सौ) विद्यार्थियों ने आवेदन किया था।

बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स विषय के बारे में प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि फैकल्टी ऑफ कॉमर्स को लॉजिस्टिक्स स्किल काउंसिल से संबद्ध कर अप्रेंटिस शिप बेस्ड बीबीए डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए छात्रों में उत्सुकता देखने को मिला है। इस कोर्स से विद्यार्थी शैक्षणिक सत्र के साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण ग्रहण कर शत–प्रतिशत नौकरी से सृजन की ओर उन्मुख होंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए प्रवेश परीक्षा के लिए कई चुनौतियां आयीं पर छात्र हित में परीक्षार्थियों को परीक्षा में सम्मलित होने का अवसर दिया गया है।

परीक्षार्थियों की भारी संख्या को देखते हुए प्रवेश समिति की समीक्षा बैठक में कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपई जी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने सकुशल प्रवेश परीक्षा कराने के लिए प्रवेश समिति को निर्देशन दिया की परीक्षार्थियों, अभिभावकों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो। तीन दिनों तक चले प्रवेश परीक्षा पूर्ण अनुशासन, शांति व्यवस्था के साथ सकुशल संपन्न हुई है।

विश्वविद्यालय में 'चलो वोट करें' सेल्फी पॉइंट पर अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने सेल्फी लेकर मतदान का संकल्प लिया।

## हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर : भूमि पूजन

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

भूमि पूजन के दौरान योगी कमलनाथ जी माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव डॉ. जी.एन. सिंह, महंत रविंद्रदास व अन्य

**दिनांक 27 मई, 2024।** गोरखपुर की उपलब्धियों में एक और मेडिकल कॉलेज का नाम जुड़ गया है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे इस मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) का भूमि पूजन सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी.एन. सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास एवं के. के. कंस्ट्रक्शन के निदेशक जगदीश आनंद की उपस्थिति में किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन के बाद योगी कमलनाथ ने हॉस्पिटल का शिलान्यास किया।

भूमि पूजन एवं शिलान्यास के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वाजपेयी एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह मेडिकल कॉलेज तीन चरणों में बनकर तैयार होगा। पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600–600 यानी कुल मिलाकर 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सीएम योगी इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सौ सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इसे दूसरे चरण में 150 और तीसरे चरण में 250 सीटों तक विस्तार किया जाएगा। इस मेडिकल कॉलेज के शुरू हो जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र–छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर–बस्ती– आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को 1800 बेड का अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला एक नया अस्पताल भी मिल जाएगा। कुलपति डॉ. वाजपेयी ने बताया कि यह वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कॉलेज होगा। साथ ही एम्स गोरखपुर और बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाद शहर का यह तीसरा बड़ा चिकित्सा संस्थान होगा।

कुलसचिव डॉ. राव ने उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना और रोल मॉडल के रूप में इसके विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की दो कमेटियां सहयोग दे रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की कमेटी प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संजय महेश्वरी की अध्यक्षता में बनाई गई है। इसमें एम्स नई दिल्ली के डॉ. संजीव सिन्हा, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी. एन. सिंह, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के डॉ. राघवेंद्र राव, डॉ. असिथ मैली पिट्सबर्ग और डॉ. केशव दास सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह कमेटी मुख्य रूप से देश के भीतर और बाहर स्थित समक्ष संस्थाओं के साथ अकादमिक सहयोग स्थापित करने के लिए काम करेगी। इस समिति में कुलसचिव सदस्य सचिव के रूप में रहेंगे। इसके साथ ही बनाई गई प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट में कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी अध्यक्ष, कर्नल (डॉ.) राजेंद्र चतुर्वेदी संयोजक, डॉ. आर चंद्रशेखर प्रिंसिपल आर्किटेक्ट, जी. एन. सिंह, डॉ. संजय माहेश्वरी, ब्रिगेडियर दीप ठाकुर, आर्किटेक्ट आशीष श्रीवास्तव, आरडी पटेल, वरुण भार्गव, राजेश सिंह, एसके सिंह, एके श्रीवास्तव शामिल हैं।

भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रामजन्म सिंह, राजेन्द्र भारती, प्रमथनाथ मिश्र, डॉ. अरुण कुमार सिंह, मनीष कुमार दूबे, पंकज कुमार, विश्वविद्यालय के मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, आर्किटेक्ट जसदीप लाम्बा, मुख्य अभियंता विद्युत अभिषेक मिश्रा, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. डी.सी. ठाकुर, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश कुमार अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल कुमार सिंह, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद संकाय के प्रिंसिपल डॉ. मंजूनाथ एनएसए कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, सहायक अभियंता आशीष कुमार सिंह, अरुण कुमार अग्रवाल आदि मौजूद रहें।

उल्लेखनीय है कि महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय का उद्घाटन 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। अब मेडिकल कॉलेज और 1800 बेड के अत्याधुनिक अस्पताल का सपना भी साकार होने जा रहा है। पहले सत्र में 100 सीटों के साथ शुरू हो रहे मेडिकल कॉलेज के पास 450 बेड का गोरखनाथ चिकित्सालय पहले से है। जल्द ही इसमें 1800 बेड का नया अस्पताल भी जुड़ जाएगा जिसके आधार पर मेडिकल कॉलेज में सीटों का विस्तार होगा।

## आओ राजनीति करें : वाद-विवाद

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दैनिक समाचारपत्र हिन्दुस्तान द्वारा विश्वविद्यालय में युवा संसद का आयोजन

**दिनांक 28 मई, 2024**। को दैनिक समाचार पत्र हिंदुस्तान के आओ राजनीति करें अभियान के तहत मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर में दसवीं युवा संसद का आयोजन किया गया। रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन पॉलिटिक्स विषय पर सांसदों के रूप में बैठे बायोटेक्नोलॉजी बायोकेमेस्ट्रीए माइक्रोबायोलॉजी, फार्मेसी और एग्रीकल्चर के छात्र .छात्राओं ने बहुत ही तार्किक रूप में अपनी बात रखीं। विद्यार्थियों ने अपने तर्कों से युवा संसद को जीवंत बना दिया। पक्ष में बैठे छात्राओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को राजनीति समेत सभी क्षेत्र के लिए नया क्रांति बताया। वहीं विपक्ष में बैठे सदस्यों ने उदाहरणों के माध्यम से एआई को घेरने की कोशिश की। पक्ष में बैठे छात्र.छात्राओं ने एआई के फायदे बनाते हुए देश दुनिया में हुए तरक्की को देखने की सलाह दी वहीं विपक्ष में बैठे विद्यार्थी ने सिखाया कि इसका दुरुपयोग देश–दुनिया में सामाजिक और राजनीतिक संतुलन को बिगाड़ सकता है। संसद में सभी युवा मतदाताओं को मतदान करने की शपथ भी दिलाई गयी ।

## समझौता ज्ञापन

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव व अन्य

**दिनांक 30 मई, 2024**। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार गया ने शैक्षणिक, अनुसंधान और क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के लिये दोनों संस्थाओं के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस ज्ञापन पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी एवं सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार गया के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने हस्ताक्षर कर दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में शोध आधारित उत्पाद,संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य, के साथ वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने एवं कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र, संकाय और तकनीकी विनिमय आदि विषयों पर समझौता करार किया। इसके अतिरिक्त दोनों संस्थानों का लक्ष्य इस सांझेदारी के माध्यम से कार्यशाला, सामाजिक उन्नयन, और विकास परियोजना को विकसित और कार्यान्वित करना है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ठ पहचान स्थापित किया है। शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ जी की कृपा से विश्वविद्यालय निरंतर नए नवाचारों से नए कीर्तिमान की ओर अग्रसर है। निश्चय ही इस समझौते से दोनों विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार–प्रसार को एक नई दिशा मिलेगी। जिससे भविष्य में नए नवाचारों से नए आयामों के द्वार खुलेंगे। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार गया के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने समझौता पत्र पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों विश्वविद्यालय ने आज अकादमिक स्तर पर नई शुरुवात किया है पूर्व विश्वास है अकादमिक गुणवत्ता में दोनों संस्थान एक दूसरे का सहयोग कर शिक्षा के क्षेत्र में नए नवाचारों से नया अध्याय लिखेंगे। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने समझौता पत्र पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर छात्रों के व्यक्तित्व विकास, उच्च शिक्षा में अनुसंधान दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। उद्यमिता में नित नए नवाचार हो रहे है।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के समय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, समझौता समन्वयक व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.

## प्रवेश परीक्षा परिणाम

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

**दिनांक 30 मई, 2024** । को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठत संस्थान है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विविध विषयों में हुई प्रवेश परीक्षा का परिणाम आज विश्वविद्यालय को वेबसाइड पर जारी कर दिया गया है। यह जानकारी प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दिया। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने अपने निश्चित समय से पूर्व प्रवेश परीक्षा के परिणाम को जारी करने का रिकॉर्ड बनाया है। सभी चयनित अहर्य अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के बेब साइड पर परिणाम को देख सकते है। चयनित अहर्य अभ्यर्थी काउंसलिंग समय सारणी के अनुसार विश्वविद्यालय प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थिति हो कर शैक्षणिक दस्तावेजों का प्रमाण करवाकर विश्वविद्यालय में पंजीकृत हो सकते है। प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के तहत पाठ्यक्रम फीस शत–प्रतिशत ऑनलाइन जमा कराया जाएगा। सभी अहर्य अभ्यर्थी अपना प्रवेश शुल्क जमा कर काउंसलिंग करा सकते है।

प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि 19 मई को बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, की प्रवेश परीक्षा बृहद स्तर पर आयोजित किया गया था। 21 मई को जी.एन.एम. बीएससी हानर्स, बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्र, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्र, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा, एलोपैथी की परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। 26 मई को ए.एन.एम., डिप्लोमा लैब तकनीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर तकनीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर तकनीशियन, डायलीसिस तकनीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर तकनीशियन, और बी.बी.ए. हॉनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हुई। वृहद स्तर पर आयोजित हुए प्रवेश परीक्षा की गतिविधियों की समीक्षा बैठक कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के मार्गदर्शन में हुई थी। निश्चित समय सीमा से पूर्व प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी करने पर कुलपति और कुलसचिव जी ने प्रवेश समिति के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दिया।

25 जून को होगी पीजी और पीएचडी की प्रवेश परीक्षा प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पीजी और पीएचडी अभ्यार्थियों के लिए 15 जून तक पंजीकरण की तिथि बढ़ा दिया गया है। जिसकी प्रवेश परीक्षा 25 जून को सुनिश्चित किया गया है।

## मई माह की मुख्य बैठकें

| | |
|---|---|
| 03 मई 2024 | मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक में छात्रावास में कीटनाशक दवाओं के छिडकाव हेतु, छात्रावास टूटे हुए शीशे को प्राथमिकता के आधार लगवाए जाने हेतु अवर अभियंता श्री पंकज कुमार त्रिपाठी से अपेक्षा की गयी। |
| 08 मई 2024 | निदेशक, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की अध्यक्षता में स्टाफ नर्स पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 08 मई 2024 | प्राचार्य, आयुर्वेद कॉलेज की अध्यक्षता में लैब टेक्निशियन पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 09 मई 2024 | अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की अध्यक्षता में लैब टेक्निशियन पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक हुई। |
| 09 मई 2024 | निदेशक, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की अध्यक्षता में वार्ड व्वाय पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 10 मई 2024 | मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक में छात्रावास के मेस की रंगाई–पुताई हेतु निर्देशित किया गया एवं छात्राओं के अनुरोध पर छात्रावास में वाई–फाई की सुविधा दिये जाने हेतु प्रभारी आईटी सेल से वार्ता कर कार्यवाही करना सुनिश्चित किया गया |
| 10 मई 2024 | माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 11 मई 2024 | माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की बैठक में तय हुआ कि 25 मई, 2024 तक सभी विभागाध्यक्ष/अधिष्ठाता/प्रधानाचार्य अपने कॉलेज/संकाय के कार्यक्रम अधिकारी का नाम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना को उपलब्ध करा दें, सत्र 2024–25 हेतु पाठ्यक्रमवार इकाईयों का आवंटन, समन्वयक, रा.से.यो. द्वारा तैयार नियमावली को अनुमोदन, विशेष शिविर हेतु तिथियों का निर्धारण किया गया। |
| 14 मई 2024 | निदेशक, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की अध्यक्षता में फार्मासिस्ट पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 17 मई 2024 | माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित प्रवेश परीक्षा समिति के बैठक में विश्वविद्यालय परिसर में परिक्षार्थी अभ्यर्थी को परीक्षा में सम्मिलित करने हेतु आदेशित किया गया जिनके आवेदन में त्रुटियां भी हो, बिजली, पंखा एवं पानी की समुचित व्यवस्था, कक्ष निरीक्षक परीक्षा में अभ्यर्थी का सहयोग करते पाए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही, उत्तर–पुस्तिका पर अनुक्रमांक त्रुटिपूर्ण न भरा जाए, पर्यवेक्षक की नियुक्त आदि का निर्णय लिया गया। |
| 17 मई 2024 | माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित प्रवेश परीक्षा समिति के बैठक में परिसर के सम्पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी, अभ्यर्थियों या उनके अभिभावकों हेतु ई–रिक्शा की व्यवस्था, गार्ड रुम में अस्थाई क्लाक रुम की व्यवस्था तथा एनाउंसमेंट हेतु एक पीए सिस्टम की व्यवस्था, चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था, चिकित्सालय के बेसमेंट में पार्किंग व्यवस्था, अभ्यर्थी के अवस्था होने की दशा में न्यूनतम समय में उसके इलाज हेतु चिकित्सालय में आरएमओ की डियूटी निर्धारित आदि पर निर्णय लिया गया। |
| 23 मई 2024 | माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में निम्न विषयों पर प्रवेश परीक्षा समिति के बैठक में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त पत्र संख्या 1144/सत्तर–3–2024 में उल्लिखित समर्थ पोर्टल के सम्बन्ध में यह तय किया गया कि दिनांक 24 मई, 2024 को प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में आहूत ऑनलाईन बैठक में सभी पदाधिकारी भाग लेंगे तथा समर्थ पोर्टल की विशेषता के बारे में पूर्ण जानकारी होने के उपरान्त आगे की कार्यवाही पर विचार किया जाय। |
| 24 मई 2024 | छात्रावास अभिरक्षिका की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में छात्रावास में छात्राओं द्वारा भोजन के अपव्यय पर रोक लगाने हेतु छात्राओं को निर्देशित किया गया, छात्राओं के अनुरोध पर छात्रावास में वाई–फाई की सुविधा दिये जाने हेतु प्रभारी आईटी सेल से वार्ता कर कार्यवाही किए जाने का निर्णय लिया गया। |

| | |
|---|---|
| 18 मई 2024 | निदेशक, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की अध्यक्षता में ओ.टी. टेक्निशियन एवं आई.सी.यू. टेक्निशियन पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 20 मई 2024 | माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 23 मई 2024 | निदेशक, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की अध्यक्षता में डाटा इण्टी आपरेटर व आयुष्मान मित्र के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |
| 28 मई 2024 | माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के परीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। |

## मई माह के प्रमुख आयोजन

### राष्ट्रीय कैडेट कोर

| | |
|---|---|
| 02 मई 2024 | समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा महाराजगंज में राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू.पी. बटालियन के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन। |
| 05 से 14 मई 2024 | राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में कैडेट पूजा सिंह और प्रीति शर्मा का चयन और प्रतिभाग किया। |
| 06 मई 2024 | संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण पत्र वितरण सम्मान समारोह। |
| 16 मई 2024 | राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह (गार्ड क्वाटर कमांडर) और प्रीति शर्मा (अंडर गार्ड क्वाटर कमांडर) के लिए कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई जी ने सम्मानित किया। |
| 20 मई 2024 | लोकतंत्र के महापर्व 'चलो वोट करे सेल्फी पॉइंट' हस्ताक्षर अभियान में एनसीसी कैडेट्स ने जिम्मेदारी संभाली |

### राष्ट्रीय सेवा योजना

| | |
|---|---|
| 20 मई 2024 | मतदाता जागरूकता अभियान : हस्ताक्षर एवं सेल्फी |

## जून, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

### राष्ट्रीय कैडेट कोर

| | |
|---|---|
| 03 जून 2024 | वर्ल्ड बाईसाइकिल डे |
| 05 जून 2024 | विश्व पर्यावरण दिवस |
| 08 जून 2024 | विश्व मित्रता दिवस |
| 12 जून 2024 | विश्व बाल मजदूर दिवस पर याख्यान |
| 21 जून 2024 | विश्व योग दिवस |

### राष्ट्रीय सेवा योजना

| | |
|---|---|
| 05 जून 2024 | विश्व पर्यावरण दिवस : भाषण, संगोष्ठी, पौधरोपण |
| 14 जून 2024 | विश्व रक्तदान दिवस रक्तदान : संगोष्ठी, जागरूकता कार्यक्रम |
| 21 जून 2024 | अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : योग कार्यक्रम |

# जून, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

## विभागीय आयोजन

### गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

| | |
|---|---|
| 22 जून, 2024 | विश्वविद्यालय परीक्षा सुश्रुत बैच (सत्र–2022–23) |
| 21 जून, 2024 | राष्ट्रीय योग दिवस |
| 22 जून, 2024 | अतिथि व्याख्यान |

### सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

| | |
|---|---|
| 16 से 30 जून, 2024 | अध्ययन बोर्ड की बैठक |
| 20 से 30 जून, 2024 | अंतिम सेमेस्टर सैद्धांतिक परीक्षा |
| 15 जून से 15 जुलाई, 2024 | बी.एस.सी. चतुर्थ एवं एम.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर के गर्मियों में प्रशिक्षण |

### कृषि संकाय

| | |
|---|---|
| 20 जून, 2024 | द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा |

### महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

| | |
|---|---|
| 04 जून, 2024 | आंतरिक प्रायोगिक परीक्षा |
| 05 जून, 2024 | आंतरिक परीक्षा प्रथम प्रश्न पत्र |
| 06 जून, 2024 | आंतरिक परीक्षा द्वितीय प्रश्न पत्र |
| 11 से 14 जून, 2024 | मुख्य परीक्षा (यूपीएसएमएफ) |

### फॉर्मेसी संकाय

| | |
|---|---|
| 28 जून, 2024 | द्वितीय सेमेस्टर बी.फार्म एवं प्रथम वर्ष डी.फार्म परीक्षा |

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

| | |
|---|---|
| 21 जून, 2024 | अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह |

# समाचार दर्पण

**पहल** | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने ड्रोनियर एविगेंशन के सौजन्य से की पहल

## कृषि स्नातकों को ड्रोन से प्रशिक्षण की शुरुआत

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। जिले में पहली बार कृषि स्नातकों के लिए ड्रोन आधारित प्रशिक्षण की शुरुआत की गई है। यह पहल की है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने। विश्वविद्यालय ने ड्रोन द्वारा कृषि स्नातक के विद्यार्थियों को नवाचार से अवगत कराने और प्रशिक्षण के लिए ड्रोनियर एविगेंशन के सौजन्य से कृषि ड्रोन मंगवाया है।

ड्रोन के द्वारा भूमि परीक्षण, सीमाओं का सर्वेक्षण, मृदा परीक्षण, उर्वरक व कीटनाशकों का छिड़काव कुशलतापूर्वक व कम समय में किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि प्रदेश में गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ही कृषि ड्रोन आधारित प्रशिक्षण हो रहा है।

यह इस बात का द्योतक है कि यह विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के अकादमिक उन्नयन के लिए पूरे मनोयोग से जुड़ा हुआ है। ड्रोन प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को रोजगार का अवसर मिलेगा। वे कृषि क्षेत्र मे हो रहे नये-नये अविष्कारों से परिचित होंगे। निकट भविष्य में विश्वविद्यालय ने ड्रोन आधारित प्रशिक्षण व पाठ्यक्रम संचातिल करने की योजना बनाई है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय समस्त आधारभूत सुविधाओं के साथ पठन-पाठन से सम्बन्धित प्रौद्योगिक उन्नति और नवाचार से अपने विद्यार्थियों को समय-समय पर अवगत कराता रहता है। ड्रोन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, शिक्षक, ड्रोनियर एविगेंशन के पदाधिकारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में कृषि में ड्रोन का हुआ प्रदर्शन। • हिन्दुस्तान

## गोरखपुर क्षेत्र में पहली बार कृषि स्नातकों को ड्रोन आधारित प्रशिक्षण देने की शुरुआत

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने ड्रोनियर एविगेंशन के सौजन्य से की पहल
- ड्रोन प्रशिक्षण से कृषि क्षेत्र में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : डॉ. वाजपेयी



गोरखपुर (विधान केसरी)। गोरखपुर क्षेत्र में पहली बार कृषि स्नातकों के लिए ड्रोन आधारित प्रशिक्षण की शुरुआत की गई है। यह पहल की है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने। विश्वविद्यालय ने ड्रोन द्वारा कृषि स्नातक के विद्यार्थियों को नवाचार से अवगत कराने और प्रशिक्षण हेतु ड्रोनियर एविगेंशन के सौजन्य से कृषि ड्रोन मंगवाया है।

कृषि ड्रोन के द्वारा भूमि परीक्षण, स्थलाकृति और सीमाओं का सर्वेक्षण, मृदा परीक्षण, उर्वरक व कीटनाशकों का छिड़काव आदि कार्य कुशलतापूर्वक कम व्यय और कम समय में किया जा सकता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में इस तकनीकी का स्वागत करते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि ग्रामीण भारत अब नवाचार और अविष्कार को आत्मसात करते हुए स्वर्णिम भविष्य की ओर अग्रसर है। सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ही कृषि ड्रोन आधारित प्रशिक्षण इस बात का द्योतक है कि यह विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के अकादमिक उन्नयन के लिए शतप्रतिशत पूरे मनोयोग से जुड़ा हुआ है। ड्रोन प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को रोजगार का अवसर मिलेगा और वे कृषि क्षेत्र मे हो रहे नये.नये अविष्कारों से परिचित होंगे। निकट भविष्य में विश्वविद्यालय ने ड्रोन आधारित प्रशिक्षण व पाठ्यक्रम संचातिल करने की योजना बनाई है। कुलपति ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है और इसे चरितार्थ करने के लिए विश्वविद्यालय समस्त आधारभूत सुविधाओं के साथ पठन-पाठन से सम्बन्धित प्रौद्योगिक उन्नति और नवाचार से अपने विद्यार्थियों को समय-समय पर अवगत कराता रहता है। ड्रोन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉण् विमल कुमार दूबे, कृषि संकाय के समस्त प्रध्यापकगण, ड्रोनियर एविगेंशन के पदाधिकारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

**सुविधा** | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को मिला मेदांता हॉस्पिटल का साथ

## गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अब नहीं लगानी पड़ेगी लखनऊ की दौड़

विश्ववार्ता संवाददाता

» महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार और गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की आईसीयू समेत सभी क्रिटिकल मामलों में मिलेगी





मेदांता प्रमुख से कुलसचिव की वार्ता, एमओयू शीघ्र

लिए इस संस्थान और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार ने साझा पहल की है। इसके परिणामस्वरूप जल्द ही मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टेली आईसीयू व अन्य कई सेवाएं महायोगी ...

## महायोगी गोरखनाथ विवि व मेदांता हॉस्पिटल के बीच होगा एमओयू

गोरखपुर (एसएनबी)। गोरखपुर व आसपास के जिलों के लोगों को चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सुविधा मिलने जा रही है। मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञों की सेवा यहीं उपलब्ध कराने के लिए इस संस्थान और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार ने साझा पहल की है। मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टेली आईसीयू व अन्य कई सेवाएं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मिलने लगेंगी। मेदांता अस्पताल लखनऊ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जल्द ही एमओयू करके इस पहल को अमलीजामा पहना देंगे।

एमओयू के पूर्व गुरुवार को मेदांता आईसीयू ग्रुप के डायरेक्टर एंड हेड डा. दिलीप दूबे और मेदांता इमरजेंसी सर्विसेज के एसोसिएट डायरेक्टर लोकेंद्र गुप्ता ने बालापार स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय-चिकित्सालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय का भ्रमण कर उपलब्ध सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मेदांता से आए वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के डायरेक्टर ब्रिगेडियर डीसी ठाकुर, विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के डायरेक्टर कर्नल राजेश बहल के साथ बैठक की। यह तय किया गया कि महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मरीजों को चौबीस घंटे सुपरस्पेशलिटी आईसीयू सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक मेदांता टेली-आईसीयू की सेवाओं से खुद को जोड़ेंगे। यहां के दोनों चिकित्सालयों में मरीजों को मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सक ऑनलाइन देखेंगे। इसके लिए कई सुपरस्पेशलिटी सेवाओं को चयनित किया जाएगा। इसके लिए मेदांता की किडनी ट्रांसप्लांट टीम यहां आकर ओपीडी सेवा उपलब्ध कराएगी। मेदांता अस्पताल लखनऊ की टीम के दौरे के बाद गुरुवार शाम को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव की मेदांता समूह के संस्थापक डा. नरेश त्रेहन से दूरभाष पर वार्ता भी हुई। डा. त्रेहन ने महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मेदांता की तरफ से टेली आईसीयू और अन्य सेवाओं को लेकर उत्सुकता व्यक्त की।

■ महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की आईसीयू समेत सभी क्रिटिकल मामलों में मिलेगी मेदांता के विशेषज्ञों की सेवा



महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के साथ मेदांता के चिकित्सक।

गंभीर मरीजों को अब नहीं लगानी पड़ेगी लखनऊ की दौड़

## गोरखनाथ विवि में मिलेंगी मेदांता के डॉक्टरों की सेवाएं

**सुविधा**

- मेदांता समूह और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की पहल, जल्द होगा एमओयू
- मेदांता ग्रुप के डायरेक्टर ने गोरखनाथ चिकित्सालय का भी भ्रमण कर लिया जायजा



गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। पूर्वांचलवासियों को चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सुविधा मिलने जा रही है। सुपर स्पेशियलिटी संस्थान मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञों की सेवाएं महानगर में मिलेंगी। यहां आईसीयू के साथ ही किडनी प्रत्यारोपण की ओपीडी संचालित होगी। इसके लिए मेदांता समूह और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने साझा पहल की है। जल्द ही मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टेली-आईसीयू व अन्य कई सेवाएं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय में मिलने लगेंगी।

मेदांता अस्पताल लखनऊ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जल्द ही एमओयू करके इस पहल को अमलीजामा पहना देंगे। एमओयू के पूर्व गुरुवार को मेदांता आईसीयू ग्रुप के डायरेक्टर एंड हेड डॉ. दिलीप दूबे और इमरजेंसी सर्विसेज के एसोसिएट डायरेक्टर लोकेंद्र गुप्ता ने विश्वविद्यालय व चिकित्सालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय का भ्रमण कर उपलब्ध सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मेदांता से आए प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के डायरेक्टर ब्रिगेडियर डीसी ठाकुर, विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के डायरेक्टर कर्नल राजेश बहल के साथ बैठक की। यह तय किया गया कि गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मरीजों को 24 घंटे व सात दिन सुपरस्पेशलिटी आईसीयू सेवाएं प्रदान करने के लिए टेली-आईसीयू की सेवाओं से जोड़ेंगे। यहां के दोनों संस्थानों में मरीजों को मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सक ऑनलाइन देखेंगे। इसके लिए कई सुपरस्पेशलिटी सेवाओं को चयनित किया जाएगा।

दोनों संस्थानों के बीच आईसीयू डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के प्रशिक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। मेदांता यहां पर वेंटिलेटर मशीन और सीपीआर का भी अत्याधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा। एक अहम चर्चा किडनी के रोगियों की डायलिसिस और किडनी प्रत्यारोपण को लेकर भी हुई। इसके लिए मेदांता की किडनी ट्रांसप्लांट टीम यहां आकर ओपीडी सेवा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के आईसीयू प्रभारी डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

### मेदांता प्रमुख से कुलसचिव ने की वार्ता, एमओयू जल्द

गुरुवार शाम को विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव की मेदांता समूह के संस्थापक डॉ नरेश त्रेहन से दूरभाष पर वार्ता की। डॉ त्रेहन ने मेदांता की तरफ से टेली आईसीयू और अन्य सेवाओं को लेकर उत्सुकता व्यक्त की। कुलसचिव ने बताया कि जल्द ही चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और मेदांता अस्पताल लखनऊ के बीच एमओयू (समझौता करार) किया जाएगा।

## महायोगी गोरखनाथ विवि को मिला मेदांता हॉस्पिटल का साथ

**गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अब नहीं लगानी पडेगी लखनऊ की दौड**

**महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की आईसीयू समेत सभी क्रिटिकल मामलों में मिलेगी मेदांता के विशेषज्ञों की सेवा**

ग्राम स्वराज्य

गोरखपुर । गोरखपुर समेत आसपास के जिलों के लोगों को चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सुविधा मिलने जा रही है। कई मामलों में लखनऊ की दौड़ लगाने वाले मरीजों को चिकित्सा क्षेत्र के ख्यातिलब्ध संस्थान मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञों की सेवा यहीं उपलब्ध कराने के लिए इस संस्थान और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार ने साझा पहल की है। इसके परिणामस्वरूप जल्द ही मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टेली आईसीयू व अन्य कई सेवाएं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मिलने लगेंगी।



मेदांता अस्पताल लखनऊ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जल्द ही एमओयू करके इस पहल को अमलीजामा पहना देंगे। एमओयू के पूर्व गुरुवार को मेदांता आईसीयू ग्रुप के डायरेक्टर एंड हेड डॉ. दिलीप दूबे और मेदांता इमरजेंसी सर्विसेज के एसोसिएट डायरेक्टर लोकेंद्र गुप्ता ने बालापार स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय/चिकित्सालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालयका भ्रमण कर उपलब्ध सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद मेदांता से आए वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के डायरेक्टर ब्रिगेडियर डीसी ठाकुर, विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के डायरेक्टर कर्नल राजेश बहल के साथ बैठक की। यह तय किया गया कि महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मरीजों को 24/7 सुपरस्पेशलिटी आईसीयू सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक मेदांता टेली-आईसीयू की सेवाओं से खुद को जोड़ेंगे। यहां के दोनों चिकित्सालयों में मरीजों को मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सक ऑनलाइन देखेंगे। इसके लिए कई सुपरस्पेशलिटी सेवाओं को चयनित किया जाएगा। दोनों संस्थानों के बीच आईसीयू डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के प्रशिक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। मेदांता यहां पर वेंटिलेटर मशीन और सीपीआर का भी अत्याधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा। एक अहम चर्चा किडनी के रोगियों की डायलिसिस और किडनी प्रत्यारोपण को लेकर भी हुई। इसके लिए मेदांता की किडनी ट्रांसप्लांट टीम यहां आकर ओपीडी सेवा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के आईसीयू प्रभारी डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

मेदांता प्रमुख से कुलसचिव की वार्ता, एमओयू शीघ्र

मेदांता अस्पताल लखनऊ की टीम के दौरे के बाद गुरुवार शाम को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव की मेदांता समूह के संस्थापक डॉ नरेश त्रेहन से दूरभाष पर वार्ता भी हुई। डॉ त्रेहन ने महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मेदांता की तरफ से टेली आईसीयू और अन्य सेवाओं को लेकर उत्सुकता व्यक्त की। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ राव ने बताया कि जल्द ही चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और मेदांता अस्पताल लखनऊ के बीच एमओयू (समझौता करार) किया जाएगा।

## मेदांता के विशेषज्ञ करेंगे गंभीर मरीजों का इलाज

**गोरखनाथ चिकित्सालय**

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर समेत आसपास के जिलों के लोगों को चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सुविधा मिलने जा रही है। गंभीर मामलों में लखनऊ की दौड़ लगाने वाले मरीजों को चिकित्सा क्षेत्र के ख्यातिलब्ध संस्थान मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञों की सेवा यहीं उपलब्ध कराने के लिए इस संस्थान और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार ने साझा पहल की है। इसके परिणामस्वरूप जल्द ही मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टोली आइसीयू व अन्य कई सेवाएं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मिलने लगेंगी।

मेदांता अस्पताल लखनऊ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जल्द ही इसे लेकर अनुबंध करेंगे। अनुबंध के पहले गुरुवार को मेदांता आइसीयू ग्रुप के डायरेक्टर डा. दिलीप दुबे और मेदांता इमरजेंसी सर्विसेज के एसोसिएट डायरेक्टर लोकेंद्र गुप्ता ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय व चिकित्सालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय का भ्रमण कर उपलब्ध सेवा और व्यवस्था का जायजा लिया। इसी क्रम में मेदांता से आए वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के डायरेक्टर ब्रिगेडियर डीसी ठाकुर, विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के डायरेक्टर कर्नल राजेश बहल के साथ बैठक की। यह तय किया गया कि महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, मरीजों को 24/7 सुपरस्पेशलिटी आइसीयू सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक मेदांता टेली-आईसीयू की सेवाओं से खुद को जोड़ेंगे। यहां के दोनों चिकित्सालयों में मरीजों को मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सक आनलाइन देखेंगे। इसके लिए कई सुपरस्पेशलिटी सेवाओं को चयनित किया जाएगा। दोनों संस्थानों के बीच आइसीयू के डाक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के प्रशिक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। किडनी के रोगियों की डायलिसिस और किडनी प्रत्यारोपण को लेकर भी चर्चा हुई। इसके लिए मेदांता की किडनी ट्रांसप्लांट टीम यहां आकर ओपीडी सेवा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के आइसीयू प्रभारी डा. प्रदीप श्रीवास्तव और गोरक्षनाथ चिकित्सालय के आइसीयू प्रभारी डा. राजीव श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

मेदांता आइसीयू ग्रुप के डायरेक्टर डा. दिलीप दुबे का स्वागत करते गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी : सौ. गोवि

### मेदांता प्रमुख डा. त्रेहन से डा. प्रदीप राव ने की बात

गुरुवार की शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव की मेदांता समूह के संस्थापक डा. नरेश त्रेहन से दूरभाष पर वार्ता हुई। डा. त्रेहन ने टेली आइसीयू और अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर उत्सुकता व्यक्त की। डा. राव ने बताया कि जल्द ही चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और मेदांता अस्पताल लखनऊ के बीच अनुबंध किया जाएगा।

**सुविधा** | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को मिला मेदांता हॉस्पिटल का साथ

गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अब नहीं लगानी पड़ेगी लखनऊ की दौड़





लोक भारती

## महायोगी गोरखनाथ विवि को मिला मेदांता हॉस्पिटल का साथ

गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अब नहीं लगानी पड़ेगी लखनऊ की दौड़

## समाचार दर्पण

# राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में हुआ कैडेट पूजा और प्रीति का चयन

**गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा। दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विवि के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है। इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्नम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

# राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में हुआ कैडेट पूजा और प्रीति का चयन

**संदेश वाहक न्यूज**

चयनित कैडेट्स

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

विवि के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विवि के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है । इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्नम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

# राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हुआ पूजा और प्रीति का चयन

**स्वतंत्र भारत संवाददाता**

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है।

विश्वविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है। इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, श्रीकांत, प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्नम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

# राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में हुआ कैडेट पूजा व प्रीति का चयन

**गोरखपुर (एसएनबी)।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैडेट पूजा सिंह और प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर के लिए हुआ है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विवि के एनसीसी अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है । इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कालेज की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा. विमल दूबे, डा. एसके सिंह, डा. रोहित श्रीवास्तव, डा. अमित दुबे, डा. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डा. अखिलेश दुबे, डा. विकास यादव, डा. विन्नम शर्मा, डा. प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय एवं डा. कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

## समाचार दर्पण

# 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

निष्पक्ष प्रतिदिन | गोरखपुर

राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है, महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है।महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने किया।

शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया।

# 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ वि.वि. के एनसीसी कैडेट्स

**☐ राष्ट्र हित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स : प्रो. राजेंद्र भारती**

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है।

कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल जी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है, महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है। मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया। शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया।

# 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

## राष्ट्र हित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स : प्रो. राजेंद्र भारती

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया। प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा, धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया। शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का

सौभाग्य ग्रहण किया। शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत जी, प्राचार्य डॉ एन. एस .मंजूनाथ, प्राचार्या डॉ डी एस अजीठा, अधिष्ठता प्रो सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल दूबे, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे , डॉ. अनुपमा ओझा , धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव , डॉ विक्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, श्री साध्वी नंदन पाण्डेय , डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षक गण ने शुभाशीष दिया।

# 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने विवि के एनसीसी कैडेट्स

सदैव वाहक न्यूज

**● राष्ट्रहित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स : प्रो. राजेंद्र भारती**

**गोरखपुर।** राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है, महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है। मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया। शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया। शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया।

# उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

**गोरखपुर (एसएनबी)।** राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यूपी बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रो. राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विवि के कैडेट्स ने अपना बेहतर प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए संकल्पित करता है। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यूपी बटालियन यूनिट के एएनओ डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

**■ राष्ट्र हित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स: प्रो. राजेंद्र**

शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने किया। शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर अफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर अफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

इस पर विवि के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, प्राचार्य डा. एनएस मंजूनाथ, प्राचार्या डा. डीएस अजीठा, डा. विमल दूबे, डा. एसके सिंह, डा. रोहित श्रीवास्तव, डा. अमित दुबे, डा. अनुपमा ओझा, धनंजय पाण्डेय, डा. अखिलेश दुबे, डा. विकास यादव, डा. विक्रम शर्मा, डा. प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय एवं डा. कुलदीप सिंह समेत सभी शिक्षकगण ने शुभाशीष दिया।

# समाचार दर्पण

## श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ अनुसंधान व नवाचार को बढ़ावा देगा महायोगी गोरखनाथ विवि

**गोरखपुर।** अनुसंधान, नवाचार के सामंजस्य से उद्यमिता विकास के लिए नित नए पहल करने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की अग्रणी कंपनी, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयाग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता करार (एमओयू) किया। इस करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमितापरक क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे।विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों पर आगे बढ़ेंगे। श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ हुए एमओयू का स्वागत करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि इस समझौता करार से आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नया आयाम मिलेगा। इस अवसर पर वैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) के द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वैद्यनाथ आयुर्वेद आपका हर तरह से सहयोग करने को तत्पर है। आयुर्वेद के क्षेत्र में वैद्यनाथ एक ख्यातिलब्ध नाम है और इसके अनेक उत्पाद अपनी गुणवत्ता से आमजन में बेहद लोकप्रिय हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत, डॉ. गोपी कृष्ण, सह आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## वैद्यनाथ और गोरखनाथ विवि में करार

**विस्तार**

- महायोगी गोरखनाथ विवि और आयुर्वेदिक दवा निर्माता कंपनी के बीच हुआ एमओयू
- शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर करेंगे काम

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की कंपनी श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ करार (एमओयू) किया। करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमितापरक क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकि विनिमय जैसे विषयों पर आगे बढ़ेंगे। एमओयू का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि इस करार से आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नया आयाम मिलेगा।

वैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के क्षेत्र में वैद्यनाथ उत्पाद की गुणवत्ता से आमजन में बेहद लोकप्रिय हैं।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विमल कुमार दूबे, श्रीकांत, प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. गिरिधर वेदांत, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ के महाप्रबंधक आशीष सिन्हा उपस्थित रहे।

## श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ अनुसंधान और नवाचार को बढावा देगा महायोगी गोरखनाथ विवि

**महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और आयुर्वेदिक दवाओं की अग्रणी निमार्ता कंपनी के बीच हुआ एमओय**

गोरखपुर। अनुसंधान, नवाचार के सामंजस्य से उद्यमिता विकास के लिए नित नए पहल करने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की अग्रणी कंपनी, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयाग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता करार (एमओयू) किया। इस करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमितापरक क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे।विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे।

साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों पर आगे बढ़ेंगे।

श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ हुए एमओयू का स्वागत करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि इस समझौता करार से आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नया आयाम मिलेगा।

इस अवसर पर वैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) के द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वैद्यनाथ आयुर्वेद आपका हर तरह से सहयोग करने को तत्पर है। आयुर्वेद के क्षेत्र में वैद्यनाथ एक ख्यातिलब्ध नाम है और इसके अनेक उत्पाद अपनी गुणवत्ता से आमजन में बेहद लोकप्रिय हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत, डॉ. गोपी कृष्ण, सह आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## उद्यमितापरक क्रियाकलाप बढ़ाने को करार

**गोरखपुर (एसएनबी)।** महायोगी गोरखनाथ विवि, आरोग्यधाम गोरखपुर ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की अग्रणी कंपनी, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयाग के बीच समझौता करार (एमओयू) हुआ है। इस करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमितापरक क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे।

**महायोगी गोरखनाथ विवि और वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन नवाचार को देंगे बढ़ावा**

कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों पर आगे बढ़ेंगे। वैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) के द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैद्यनाथ आयुर्वेद आपका हर तरह से सहयोग करने को तत्पर है। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, आचार्य डा. गिरिधर वेदांत, डा. गोपी कृष्ण, सह आचार्य डा. विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा उपस्थित रहे।

## आयुर्वेद के साथ अनुसंधान को बढ़ावा देगा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

**आयुर्वेदिक दवाओं की निर्माता कंपनी श्री वैद्यनाथ के बीच हुआ एमओयू**

अमर उजाला ब्यूरो

महायोगी विश्वविद्यालय और आयुर्वेदिक दवा बनाने वाली कंपनी वैद्यनाथ के बीच एमओयू। अमर उजाला

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं की निर्माता कंपनी श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयागराज के साथ महत्वपूर्ण समझौता करार (एमओयू) किया। इस करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमिता परक क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे।

कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों पर आगे बढ़ेंगे।

श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ हुए एमओयू का स्वागत करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि इस समझौता करार से आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) के द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित किया।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे आदि उपस्थित रहे।

## आयुर्वेद को बढावा देगा महायोगी गोरखनाथ विवि

वॉयस ऑफ लखनऊ

**गोरखपुर।** अनुसंधान, नवाचार के सामंजस्य से उद्यमिता विकास के लिए नित नए पहल करने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की अग्रणी कंपनी, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयाग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता करार (एमओयू) किया। इस करार के तहत विश्वविद्यालयऔर श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमितापरक क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों पर आगे बढ़ेंगे। श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ हुए एमओयू का स्वागत करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि इस समझौता करार से आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नया आयाम मिलेगा।

इस अवसर पर वैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) के द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वैद्यनाथ आयुर्वेद आपका हर तरह से सहयोग करने को तत्पर है। आयुर्वेद के क्षेत्र में वैद्यनाथ एक ख्यातिलब्ध नाम है और इसके अनेक उत्पाद अपनी गुणवत्ता से आमजन में बेहद लोकप्रिय हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत, डॉ. गोपी कृष्ण, सह आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## समाचार दर्पण

# 'श्रीबैद्यनाथ' के साथ नवाचार को बढ़ावा देगा गोरखनाथ विवि

अनुबंध पत्र दिखाते गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी व 'श्रीवैद्यनाथ' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव व अन्य ● सौ. गोवि

**जागरण संवाददाता, गोरखपुर :** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और आयुर्वेदिक दवा की अग्रणी कंपनी श्रीबैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता क्रिया-कलाप को बढ़ावा देंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय और श्रीबैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी प्रयाग के बीच शुक्रवार को एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डा.अतुल वाजेपयी और 'श्रीबैद्यनाथ' की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया।

दोनों संस्थानों के बीच समझौता हुआ कि वह शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों को लेकर आगे बढ़ेंगे। अनुबंध का स्वागत करते हुए कुलपति डा.वाजपेयी ने कहा कि इस समझौता करार से आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नया आयाम मिलेगा। इस अवसर पर बैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी, विवि के कुलसचिव डा.प्रदीप कुमार राव, डा.विमल कुमार दुबे, डा.मंजूनाथ, डा.गिरिधर, डा.गोपीकृष्ण, बैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा आदि मौजूद रहे।

# श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ अनुसंधान और नवाचार को बढावा देगा महायोगी गोरखनाथ विवि

## 'महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और आयुर्वेदिक दवाओं की अग्रणी निर्माता कंपनी के बीच हुआ एमओयू'

**संवाददाता**

**गोरखपुर।** अनुसंधान, नवाचार के सामंजस्य से उद्यमिता विकास के लिए नित नए पहल करने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की अग्रणी कंपनी, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयाग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता करार (एमओयू) किया। इस करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नया आयाम मिलेगा। इस अवसर पर बैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी, विवि के कुलसचिव डा.प्रदीप कुमार राव, डा.विमल कुमार दुबे, डा.मंजूनाथ, डा.गिरिधर, डा.गोपीकृष्ण, बैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा आदि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) के द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वैद्यनाथ आयुर्वेद आपका हर तरह से सहयोग करने को तत्पर है। आयुर्वेद के क्षेत्र में वैद्यनाथ एक ख्यातिलब्ध नाम है और इसके अनेक उत्पाद अपनी गुणवत्ता से आमजन में बेहद लोकप्रिय हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत, डॉ. गोपी कृष्ण, सह आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और आयुर्वेदिक दवाओं की कंपनी के बीच एमओयू

**गोरखपुर (विधान केसरी)।** अनुसंधान, नवाचार के सामंजस्य से उद्यमिता विकास के लिए नित नए पहल करने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की अग्रणी कंपनी, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयाग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता करार एमओयू किया। इस करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमितापरक क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों पर आगे बढ़ेंगे। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएसए आचार्य डॉ गिरिधर वेदांत, डॉ गोपी कृष्ण, सह आचार्य डॉ विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# 'श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ अनुसंधान को बढावा देगा महायोगी गोरखनाथ विवि'

गोरखपुर 10 मई। अनुसंधान नवाचार के सामंजस्य से उद्यमिता विकास के लिए नित नए पहल करने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की अग्रणी कंपनी, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयाग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता करार; एमओयूद्ध किया। इस करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमितापरक क्रियाकलापों को बढावा देंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पादए संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास छात्र.संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों पर आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर वैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ;आयुर्वेद संकायद्ध के द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वैद्यनाथ आयुर्वेद आपका हर तरह से सहयोग करने को तत्पर है। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएसए आचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत, डॉ. गोपी कृष्ण, सह आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के साथ अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देगा महायोगी गोरखनाथ विवि

**विश्ववार्ता संवाददाता**

**गोरखपुर।** अनुसंधान, नवाचार के सामंजस्य से उद्यमिता विकास के लिए नित नए पहल करने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर ने शुक्रवार को आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण की अग्रणी कंपनी, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड नैनी, प्रयाग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता करार (एमओयू) किया। इस करार के तहत विश्वविद्यालय और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद साझा प्रयास कर शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमितापरक क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेजेंदर खुराना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों के बीच यह तय हुआ है कि वे शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही आयुर्वेद के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने, कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय जैसे विषयों को लेकर आगे बढ़ेंगे। अनुबंध का स्वागत करते हुए कुलपति डा.वाजपेयी ने कहा कि इस समझौता करार से आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नया आयाम मिलेगा। इस अवसर पर वैद्यनाथ आयुर्वेद की टीम में शामिल प्रवीण कुमार मोरिशेट्टी ने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद संकाय) के द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वैद्यनाथ आयुर्वेद आपका हर तरह से सहयोग करने को तत्पर है। आयुर्वेद के क्षेत्र में वैद्यनाथ एक ख्यातिलब्ध नाम है और इसके अनेक उत्पाद अपनी गुणवत्ता से आमजन में बेहद लोकप्रिय हैं।

» महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और आयुर्वेदिक दवाओं की अग्रणी निर्माता कंपनी के बीच हुआ एमओयू

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, एमओयू समन्वयक एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत, डॉ. गोपी कृष्ण, सह आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा और श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद के क्षेत्र महाप्रबंधक आशीष सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# समाचार दर्पण

## दृढ़ संकल्प व अनुशासन से हर लक्ष्य संभवः डॉ. वाजपेयी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र म महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है।

डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही हैं।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वापस लौटीं कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

एनसीसी कैडेट को सम्मानित करते कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी।

## दृढ़ संकल्प व अनुशासन से हर लक्ष्य संभव : डॉ. वाजपेयी

**गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है।

डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट को प्रोत्साहित किया।

## महायोगी गोरखनाथ विवि की एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय शिविर में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

**मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।**

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है। डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं।

कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वापस लौटीं कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

## दृढ़ संकल्प व अनुशासन से हर लक्ष्य संभव : डॉ. वाजपेयी

### 'महायोगी गोरखनाथ विवि की एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय शिविर में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन'

**संवाददाता**

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से

किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है। डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वापस लौटीं कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

## एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में नवाचार का साधन है माइक्रोबियल इंजीनियरिंगः डॉ. गुप्ता

**➲महायोगी गोरखनाथ विवि में माइक्रोबियल इंजीनियरिंग विषय पर व्याख्यान**

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में माइक्रोबियल इंजीनियरिंग ऑफ एंटी बायोटिक बायोसाइंथेसिस पाथवे विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय सिद्धार्थनगर के सहायक आचार्य डॉ. कपिल गुप्ता ने कहा कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग जीवाणुओं का उपयोग करके विभिन्न उत्पादों की उत्पत्ति और उनके सुधार करने का काम करता है। इसका एक प्रमुख क्षेत्र एंटीबायोटिक उत्पादन है।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग से एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में नवाचार के साथ ही इसके उत्पादन के औद्योगिक स्तर में वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने बताया कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग द्वारा एंटीबायोटिक उत्पादन की क्षमता को संशोधित करने के लिए सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक संरचना में बदलाव करने और प्रमुख एंजाइम की क्लोनिंग का काम भी किया जा सकता है।

व्याख्यान में प्रमुख रूप से बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दूबे, बायोकेमिस्ट्री विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. अवेद्यनाथ, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. केके यादव, डॉ. प्रेरणा, डॉ. अंकिता मिश्रा, अनिल मिश्रा सहित सभी छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

## महायोगी गोरखनाथ विवि में माइक्रोबियल इंजीनियरिंग विषय पर व्याख्यान

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में माइक्रोबियल इंजीनियरिंग ऑफ एंटी बायोटिक बायोसाइंथेसिस पाथवे विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय सिद्धार्थनगर के सहायक आचार्य डॉ. कपिल गुप्ता ने कहा कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग जीवाणुओं का उपयोग करके विभिन्न उत्पादों की उत्पत्ति और उनके सुधार करने का काम करता है। इसका एक प्रमुख क्षेत्र एंटीबायोटिक उत्पादन है।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग से एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में नवाचार के साथ ही इसके उत्पादन के औद्योगिक स्तर में वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने बताया कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग द्वारा एंटीबायोटिक उत्पादन की क्षमता को संशोधित करने के लिए सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक संरचना में बदलाव करने और प्रमुख रूप से बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दूबे, बायोकेमिस्ट्री विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. अवेद्यनाथ, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. केके यादव, डॉ. प्रेरणा, डॉ. अंकिता मिश्रा, अनिल मिश्रा सहित सभी छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

## माइक्रोबियल इंजीनियरिंग नवाचार का साधन

**गोरखपुर** : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में शुक्रवार को 'माइक्रोबियल इंजीनियरिंग आफ एंटी बायोटिक बायोसाइंथेसिस पाथवे' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय सिद्धार्थनगर के सहायक आचार्य डा. कपिल गुप्ता ने कहा कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग जीवाणुओं का उपयोग करके विभिन्न उत्पादों की उत्पत्ति और उनके सुधार करने का काम करता है। इसका एक प्रमुख क्षेत्र एंटीबायोटिक उत्पादन है।

डा. गुप्ता ने कहा कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग से एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में नवाचार के साथ ही इसके उत्पादन के औद्योगिक स्तर में वृद्धि की जा सकती है। माइक्रोबियल इंजीनियरिंग द्वारा एंटीबायोटिक उत्पादन की क्षमता को संशोधित करने को सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक संरचना में बदलाव करने और प्रमुख एंजाइम की क्लोनिंग का काम भी किया जा सकता है। इस दौरान डा. अमित दुबे, डा. अनुपमा, डा. पवन कन्नौजिया, डा. आशुतोष आदि थे।

## समाचार दर्पण

# सही उपचार और सावधानी से सर्वाइकल स्पोण्डिलाइटिस को नियंत्रित किया जा सकता - डॉ. जी.एस. तोमर

### गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज बालापार में निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में देखे गए 108 मरीज

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ जी यस तोमर ने ओपीडी की शुरुआत किया।

डॉ जी यस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आज के समय में दुनिया आयुर्वेद चिकित्सा का तेजी से अनुसरण कर रही है। आयुर्वेद में जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा, और आहार पर ध्यान दिया जाए तो जटिल और गंभीर रोग का उपचार शत प्रतिशत संभव है। योग, प्राणायाम, और ध्यान के साथ नियमित चिकित्सीय परामर्श से व्यक्ति निरोग रहकर स्वस्थ जीवन जी सकते है।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ जी यस तोमर ने शिविर में 108 रोगियों को उपचार परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल स्पाइन की समस्याएं आयुर्वेद में 'ग्रीवासंधिगत वात' के रूप में जानी जाती हैं। इसमें गर्दन में दर्द, गर्दन की अकड़न, ऊपरी बाहु, कंधे और बाजू में दर्द और स्थायी अस्वस्थता शामिल हो सकती है।

उपचार के लिए आयुर्वेद में जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा, और आहार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। योग, प्राणायाम, और ध्यान से जटिल रोगों को नियंत्रित किया जा सकता है। निशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन डॉ जी यस तोमर, आयुर्वेद कालेज के प्रधानाचार्य डा. यस एन.मंजुनाथन , गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल एवं प्रबंधक जी .के. मिश्रा ने गुरु गोरखनाथ जी के मूर्ति पर पूजा अर्चना कर किया।

शिविर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा के साथ चिकित्सा क्षेत्र में भी जन मानस की सेवा करने का पुनीत कार्य कर रहा है। डॉ जी यस तोमर जी आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में प्रतिष्ठत है। आज के समय में हर मानव मानसिक तनाव और दर्द से जूझ रहे है ऐसे में सही समय पर कुशल चिकित्सक की सलाह और उपचार स्वयं की स्वस्थ रखा जा सकता है। आयुर्वेद चिकित्सा में व्यायाम, दवाओं का प्रयोग, चिकित्सा फिजिओथेरेपी, योग, या चिकित्सा आसन से चिकित्सा में सुधार हो रहा है।

ओपीडी में आए मरीजों से बात करते हुए डॉक्टर तोमर ने कहा कि आजकल लोगों का आयुर्वेद की तरफ रुझान बढ़ रहा हत क्योंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है और आसपास की जड़ी बूटियां से और खान-पान में सुधार करके हम अपना स्वस्थ जीवन जी सकते हैं कैंप में 108 मरीज का इलाज किया गया जांच की गई जिसमें शुगर ब्लड प्रेशर थायराइड अंगों का सुन्न हो जाना यह क्या कहते हैं सर्वाइकल हुआ कई तरह के मरीजों की जांच की तथा 35 मरीजों का निशुल्क हीमोग्लोबिन और ब्लड शुगर की भी जांच किया गया।

# 'लक्षण से पहचान सकते हैं मधुमेह की प्रथम अवस्था'

**अमर उजाला ब्यूरो**

**गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में व्याख्यान का आयोजन**

**गोरखपुर।** आयुर्वेद में मधुमेह का उपचार प्रथम अवस्था में ही शुरू हो जाता है। इसकी पहचान लैब से नहीं, केवल लक्षण देखकर ही किया जा सकता है। पेशाब पर चीटियां लगने और बढ़ा पेट मधुमेह के प्रथम स्तर को दर्शाता है।

मधुमेह की चिकित्सा में मात्र शर्करा का नियंत्रण ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि किडनी, रेटिना, हृदय तथा नाड़ियों पर पड़ने वाले कुप्रभाव से भी शरीर की रक्षा करना बेहद महत्वपूर्ण है। शर्करा नियंत्रण से लेकर शरीर के अन्य अंगों पर पड़ने वाले प्रभावों से बचाने तक आयुर्वेद दवाएं अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही हैं।

ये बातें विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजकीय आयुर्वेद कॉलेज हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने कहीं। डॉ. तोमर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में विशिष्ट व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद वांग्मय में मधुमेह (डायबिटीज) का वर्णन हजारों वर्षों पहले से है। वैदिक कालीन पैपिल्यादि संहिता में इसके अस्तित्व को स्वीकार किया है । उसके बाद उपनिषद काल, पुराणकाल तथा संहिता काल में मधुमेह के लक्षण व निदान का विस्तृत वर्णन मिलता है। प्राचीन महर्षियों ने अपनी दिव्य दृष्टिरूपी उपकरणों से इसके सरलतम निदान का तरीका भी सुझाया है।

डॉ. तोमर ने कहा कि जब आधुनिक लैब परीक्षणों में रोगी के मूत्र में बैनिडिक्ट सोल्यूशन शर्करा को अनुपस्थित बताता है उसी समय रोगी, मूत्र में चींटियां लगने की बात कहकर मधुमेह की सबसे प्रथम अवस्था मेटाबॉलिक सिंड्रोम की तरफ इशारा करता है। इस अवस्था में न तो रोगी की रक्त शर्करा ही बढ़ी होती है और न ही उसके मूत्र के साथ शर्करा निकलती है।

**आयुर्वेद के नियमों से होगा रोगों से बचाव**

डॉ. जीएस तोमर ने फार्मेसी संकाय में भी व्याख्यान दिया। उन्होंने स्वस्थ जीवन शैली विषय पर विद्यार्थियों को आयुर्वेद के नियमों की जानकारी दी। कहा कि आयुर्वेद में बताए गए नियमों का पालन करके बहुत से रोगों से बचा जा सकता है। डॉ. तोमर ने आयुर्वेद के हिसाब से आहार विहार अपनाने, सुबह जल्दी उठने, शाम को जल्दी भोजन करने तथा समय से और पर्याप्त नींद लेने की सलाह दी।

# डायबिटीज़ में रक्त शर्करा नियंत्रण के साथ साथ घातक उपद्रवों से बचाती हैं आयुर्वेद औषधियाँ - प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सा विज्ञान संस्थान, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में अतिथि वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामहर्षण चिकित्सा निलयम के प्रबंध निदेशक प्रो(डॉ) जी एस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद वांग्मय में डायबिटीज़/ मधुमेह का वर्णन हज़ारों वर्ष पहले से उपलब्ध है। वैदिक कालीन पैपिल्यादि संहिता में 'प्रमेहणां तां विदुर उभयोरमेहनश्च' कहकर इसके अस्तित्व को स्वीकार किया है। उसके बाद उपनिषद काल, पुराणकाल तथा संहिता काल में महर्षियों ने अपनी दिव्य दृष्टि रूपी उपकरणों से इसके सरलतम निदान का तरीका भी सुझाया है। जब आधुनिक लैब परीक्षणों में रोगी के मूत्र में बैनिडिक्ट सोल्यूसन शर्करा को अनुपस्थित बताता है उसी समय रोगी मूत्र में चींटियाँ लगने की बात कहकर डायबिटीज़ की सबसे प्रथम अवस्था मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम की तरफ़ इशारा करता है। यही आयुर्वेद चिकित्सा का प्रथम पायदान है। इस अवस्था में न तो रोगी की रक्त शर्करा ही बढ़ी होती है और न ही उसके मूत्र के साथ शर्करा निकलती है। केवल रोगी को डिसलिपिडीमिया अर्थात् हानिकारक कॉलेस्ट्रोल की वृद्धि तथा लाभदायक कॉलेस्ट्रोल की कमी मिलती है साथ ही साथ सेन्ट्रल ओबेसिटी अर्थात् पेट बढ़ा हुआ मिलता है। इस अवस्था में आयुर्वेद चिकित्सक के परामर्श से चन्द्रप्रभा वटी, मेदोहर गुग्गुल एवं फलत्रिकादि क्वाथ का प्रयोग श्रेयस्कर है। इससे डायबिटीज़ अपनी दूसरी अवस्था प्री डायबिटीज़ तक नहीं पहुँच पाता। प्री डायबिटीज़ की स्थिति में पहुँचे हुए मरीज़ों को जिनकी फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मि.ग्रा. से कम हो तथा पी पी ब्लड शुगर 200 मि.ग्रा. से कम हो उनमें डायबकल्प प्लस एवं बी जी आर -34 जैसी आयुर्वेदीय औषधियों से बहुत उत्साह वर्धक परिणाम मिलते हैं। मेरे व्यावहारिक अनुभव में 75₹ से अधिक रोगियों को डायबिटीज़ की तीसरी अवस्था तक पहुँचने से रोका जा सकता है। तीसरी अवस्था में जब फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मि.ग्रा. से अधिक एवं पी पी ब्लड शुगर 200 मि. ग्रा. से अधिक हो उस अवस्था में भी बसन्त कुसुमाकर एवं बी जी आर -34 या डायबकल्प के साथ साथ एम्प्रीप्लस ग्रेन्यूल्स या मधुरक्षक चूर्ण रात्रि में सेवन कराने से अत्यन्त उत्साह जनक परिणाम मिलते हैं। मेरे स्वयं के चिकित्सा अनुभव में ऐसे रोगियों को मात्र उपर्युक्त आयुर्वेदीय औषधियों से नियंत्रित किया जा सकता है। ध्यान रहे डायबिटीज़ की चिकित्सा में मात्र रक्त शर्करा का नियंत्रण ही लक्ष्य नहीं है अपितु किडनी, रेटिना, हृदय तथा नाड़ियों में होने वाले घातक उपद्रवों से भी शरीर की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। उपर्युक्त आयुर्वेद चिकित्सा इन दोनों ही दृष्टि से अत्यन्त लाभकारी सिद्ध हो रही है। यहाँ यह कहना भी अभीष्ट है कि इन्सुलिन तथा अन्य ओरल हाइपोग्लाइसिमिक दवाओं के साथ इनका प्रयोग न केवल पाश्चात्य औषधियों से रेजिस्टेन्ट होने से बचाती हैं अपितु इनकी कार्यकारिता में भी वृद्धि करने के साथ साथ हमारे महत्वपूर्ण अंगों को इसके घातक उपद्रवों से रक्षा करती हैं। अतः इस अवसर पर मेरा यही संदेश है कि संयमित जीवनशैली, नियंत्रित आहार, मिलेट्स का आहार में प्रयोग, नियमित बलार्ध व्यायाम, शवासन, निषंदभाव जैसे विश्रांतिकर योगासन के साथ साथ आयुर्वेदीय औषधियों का प्रयोग हमें इस व्याधि के नियंत्रण हेतु अत्यन्त प्रभावी है। अतिथि व्याख्यान के पूर्व भगवान धन्वंतरि वंदना के उपरांत संस्थान के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ ने डॉ तोमर का स्वागत किया। संचालन डॉ प्रज्ञा सिंह ने किया।

# डायबिटीज़ में रक्त शर्करा नियंत्रण के साथ साथ घातक उपद्रवों से बचाती हैं आयुर्वेद औषधियाँ - प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर

प्रयागराज। गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सा विज्ञान संस्थान, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में अतिथि वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामहर्षण चिकित्सा निलयम के प्रबंध निदेशक प्रो(डॉ). जी एस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद वांग्मय में डायबिटीज़/ मधुमेह का वर्णन हज़ारों वर्ष पहले से उपलब्ध है। वैदिक कालीन पैपिल्यादि संहिता में 'प्रमेहणां तां विदुर उभयोरमेहनश्च' कहकर इसके अस्तित्व को स्वीकार किया है । उसके बाद उपनिषद काल, पुराणकाल तथा संहिता काल में प्रमेह एवं मधुमेह का निदान, लक्षण एवं चिकित्सा का विस्तृत वर्णन मिलता है। यही नहीं हमारे प्राचीन महर्षियों ने अपनी दिव्य दृष्टि रूपी उपकरणों से इसके सरलतम निदान का तरीका भी सुझाया है। जब आधुनिक लैब परीक्षणों में रोगी के मूत्र में बैनिडिक्ट सोल्यूसन शर्करा को अनुपस्थित बताता है उसी समय रोगी मूत्र में चींटियाँ लगने की बात कहकर डायबिटीज़ की सबसे प्रथम अवस्था मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम की तरफ़ इशारा करता है । यही आयुर्वेद चिकित्सा का प्रथम पायदान है । इस अवस्था में न तो रोगी की रक्त शर्करा ही बढ़ी होती है और न ही उसके मूत्र के साथ शर्करा निकलती है । केवल रोगी को डिसलिपिडीमिया अर्थात् हानिकारक कॉलेस्ट्रोल की वृद्धि तथा लाभदायक कॉलेस्ट्रोल की कमी मिलती है साथ ही साथ सेन्ट्रल ओबेसिटी अर्थात् पेट बढ़ा हुआ मिलता है । इस अवस्था में आयुर्वेद चिकित्सक के परामर्श से चन्द्रप्रभा वटी, मेदोहर गुग्गुल एवं फलत्रिकादि क्वाथ का प्रयोग श्रेयस्कर है । इससे डायबिटीज़ अपनी दूसरी अवस्था प्री डायबिटीज़ तक नहीं पहुँच पाता । प्री डायबिटीज़ की स्थिति में पहुँचे हुए मरीज़ों को जिनकी फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मि.ग्रा. से कम हो तथा पी पी ब्लड शुगर 200 मि.ग्रा. से कम हो उनमें डायबकल्प प्लस एवं बी जी आर -34 जैसी आयुर्वेदीय औषधियों से बहुत उत्साह वर्धक परिणाम मिलते हैं । मेरे व्यावहारिक अनुभव में 75₹ से अधिक रोगियों को डायबिटीज़ की तीसरी अवस्था तक पहुँचने से रोका जा सकता है । तीसरी अवस्था में जब फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मि.ग्रा. से अधिक एवं पी पी ब्लड शुगर 200 मि. ग्रा. से अधिक हो उस अवस्था में भी बसन्त कुसुमाकर एवं बी जी आर -34 या डायबकल्प के साथ साथ एम्प्रीप्लस ग्रेन्यूल्स या मधुरक्षक चूर्ण रात्रि में सेवन कराने से अत्यन्त उत्साह जनक परिणाम मिलते हैं । मेरे स्वयं के चिकित्सा अनुभव में ऐसे रोगियों को मात्र उपर्युक्त आयुर्वेदीय औषधियों से नियंत्रित किया जा सकता है । ध्यान रहे डायबिटीज़ की चिकित्सा में मात्र रक्त शर्करा का नियंत्रण ही लक्ष्य नहीं है अपितु किडनी, रेटिना, हृदय तथा नाड़ियों में होने वाले घातक उपद्रवों से भी शरीर की रक्षा करना महत्वपूर्ण है । उपर्युक्त आयुर्वेद चिकित्सा इन दोनों ही दृष्टि से अत्यन्त लाभकारी सिद्ध हो रही है । यहाँ यह कहना भी अभीष्ट है कि इन्सुलिन तथा अन्य ओरल हाइपोग्लाइसिमिक दवाओं के साथ इनका प्रयोग न केवल पाश्चात्य औषधियों से रजिस्टेन्ट होने से बचाती हैं अपितु इनकी कार्यकारिता में भी वृद्धि करने के साथ साथ हमारे महत्वपूर्ण अंगों को इसके घातक उपद्रवों से रक्षा करती हैं । अतः इस अवसर पर मेरा यही संदेश है कि संयमित जीवनशैली, नियंत्रित आहार, मिलेट्स का आहार में प्रयोग, नियमित बलार्ध व्यायाम, शवासन, निषंदभाव जैसे विश्रांतिकर योगासन के साथ साथ आयुर्वेदीय औषधियों का प्रयोग हमें इस व्याधि के नियंत्रण हेतु अत्यन्त प्रभावी है । अतिथि व्याख्यान के पूर्व भगवान धन्वंतरि वंदना के उपरांत संस्थान के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ ने डॉ तोमर का स्वागत किया । संचालन डॉ प्रज्ञा सिंह ने किया ।

# समाचार दर्पण

कार्यक्रम | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में विशिष्ट व्याख्यान

## मधुमेह के उपचार में शर्करा नियंत्रण के साथ अंगों की रक्षा भी जरूरी

संवाददाता, गोरखपुर

**अमृत विचार।** विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजकीय आयुर्वेद कॉलेज हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने कहा कि मधुमेह की चिकित्सा में मात्र शर्करा का नियंत्रण ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि किडनी, रेटिना, हृदय तथा नाड़ियों पर पड़ने वाले कुप्रभाव से भी शरीर की रक्षा करना भी बेहद महत्वपूर्ण है। शर्करा नियंत्रण से लेकर शरीर के अन्य अंगों पर पड़ने वाले प्रभावों से बचाने तक आयुर्वेद दवाएं अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

डॉ. तोमर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में विशिष्ट व्याख्यान दे रहे थे। कहा कि आयुर्वेद वांग्मय में मधुमेह (डायबिटीज) का वर्णन हजारों वर्षों पहले से है। वैदिक कालीन पैपिल्यादि संहिता में 'प्रमेहणां तां विदुर उभयोरमेहनश्च' कहकर इसके अस्तित्व को स्वीकार किया है। उसके बाद उपनिषद काल, पुराणकाल तथा संहिता काल में मधुमेह के लक्षण व निदान का विस्तृत वर्णन मिलता है। प्राचीन महर्षियों ने अपनी दिव्य दृष्टिरूपी उपकरणों से इसके सरलतम निदान का तरीका भी सुझाया है। डॉ. तोमर ने कहा कि जब आधुनिक लैब परीक्षणों में रोगी के मूत्र में बैनिडिक्ट सोल्यूशन



व्याख्यान देते विशेषज्ञ। अमृत विचार

शर्करा को अनुपस्थित बताता है उसी समय रोगी, मूत्र में चींटियां लगने की बात कहकर मधुमेह की सबसे प्रथम अवस्था मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम की तरफ इशारा करता है। यही आयुर्वेद चिकित्सा का प्रथम पायदान है। इस अवस्था में न तो रोगी की रक्त शर्करा ही बढ़ी होती है और न ही उसके मूत्र के साथ शर्करा निकलती है। केवल रोगी को डिसलिपिडीमिया अर्थात हानिकारक कॉलेस्ट्रोल की वृद्धि तथा लाभदायक कॉलेस्ट्रोल की कमी मिलती है साथ ही सेंट्रल ओबेसिटी यानी पेट बढ़ा हुआ मिलता है। इस अवस्था में आयुर्वेद चिकित्सक के परामर्श से चन्द्रप्रभा वटी, मेदोहर गुग्गुल एवं फलत्रिकादि क्वाथ का प्रयोग श्रेयस्कर है। इससे डायबिटीज अपनी दूसरी अवस्था प्री-डायबिटीज तक नहीं पहुंच पाता है। उन्होंने कहा कि प्री डायबिटीज की स्थिति में पहुंचे मरीजों को जिनकी फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मिग्रा से कम तथा पीपी ब्लड शुगर 200 मिग्रा से कम हो, उनमें डायबकल्प प्लस एवं बीजीआर-34 जैसी आयुर्वेदिक औषधियों से बहुत उत्सावर्धक परिणाम मिलते हैं। इससे पचहत्तर प्रतिशत से अधिक रोगियों को डायबिटीज की तीसरी अवस्था तक पहुंचने से रोका जा सकता है। डॉ. तोमर ने बताया कि तीसरी अवस्था में जब फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मिग्रा से अधिक एवं पी पी ब्लड शुगर 200 मि. ग्रा. से अधिक हो उस अवस्था में बसंत कुसुमाकर, बीजीआर-34 या डायबकल्प के साथ साथ एप्रीप्लस ग्रेन्यूल्स या मधुरक्षक चूर्ण रात्रि में सेवन कराने से अत्यन्त उत्साहजनक परिणाम मिलते हैं। ऐसे रोगियों को मात्र उपयुक्त आयुर्वेदिक औषधियों से नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संयमित जीवनशैली, नियंत्रित आहार, मिलेट्स का आहार में प्रयोग, शवासन जैसे विश्रांतिकर योगासन के साथ आयुर्वेदिक औषधियों के प्रयोग से मधुमेह पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

---

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में देखे गए 108 मरीज

## सही उपचार और सावधानी से सर्वाइकल स्पोण्डिलाइटिस को नियंत्रित किया जा सकता - डॉ. जी. यस. तोमर

### गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज बालापार में निशुक्ल

प्रयागराज। गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ जी यस तोमर ने ओपीडी की शुरुआत किया।
डॉ जी यस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आज के समय में दुनिया आयुर्वेद चिकित्सा का तेजी से अनुसरण कर रही है। आयुर्वेद में जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा, और आहार पर ध्यान दिया जाए तो जटिल और गंभीर रोग का उपचार शत प्रतिशत संभव है। योग, प्राणायाम, और ध्यान के साथ नियमित चिकित्सीय परामर्श से व्यक्ति निरोग रहकर स्वस्थ जीवन जी सकते है।
गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में
डॉ जी यस तोमर ने शिविर में 108 रोगियों को उपचार परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल स्पाइन की समस्याएं आयुर्वेद में 'ग्रीवासंधिगत वात' के रूप में जानी जाती हैं। इसमें गर्दन में दर्द, गर्दन



की अकड़न, ऊपरी बाहु, कंधे और बाजू में दर्द और स्थायी अस्वस्थता शामिल हो सकती है।
उपचार के लिए आयुर्वेद में जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा, और आहार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। योग, प्राणायाम, और ध्यान से जटिल रोगों को नियंत्रित किया जा सकता है। निशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन डॉ जी यस तोमर,
आयुर्वेद कालेज के प्रधानाचार्य डा. यस एन.मंजुनाथन , गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल एवं प्रबंधक जी .के. मिश्रा ने गुरु गोरखनाथ जी के मूर्ति पर पूजा अर्चना कर किया।
शिविर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा के साथ चिकित्सा क्षेत्र में भी जन मानस की सेवा करने का पुनीत कार्य कर रहा है। डॉ जी यस तोमर जी आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में प्रतिष्ठत है। आज के समय में हर मानव मानसिक तनाव और दर्द से जूझ रहे है ऐसे में सही समय पर कुशल चिकित्सक की सलाह और उपचार स्वयं की स्वस्थ रखा जा सकता है।
आयुर्वेद चिकित्सा में व्यायाम, दवाओं का प्रयोग, चिकित्सा फिजिओथेरेपी, योग, या चिकित्सा आसन से चिकित्सा में सुधार हो रहा है।
ओपीडी में आए मरीजों से बात करते हुए डॉक्टर तोमर ने कहा कि आजकल लोगों का आयुर्वेद की तरफ रुझान बढ़ रहा हत क्योंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है और आसपास की जड़ी बूटियां से और खान-पान में सुधार करके हम अपना स्वस्थ जीवन जी सकते हैं कैंप में 108 मरीज का इलाज किया गया जांच की गई जिसमें शुगर ब्लड प्रेशर थायराइड अंगों का सुन्न हो जाना यह क्या कहते हैं सर्वाइकल हुआ कई तरह के मरीजों की जांच की तथा 35 मरीजों का निशुल्क हीमोग्लोबिन और ब्लड शुगर की भी जांच किया गया।

---

## एक व्याख्यान बी फार्मा और डी फार्मा के विद्यार्थियों के बीच 'स्वस्थ्य जीवन शैली' पर आयोजित

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के भेषजिक विज्ञान संकाय और आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के सयुक्त तत्वधान में एक व्याख्यान बी फार्मा और डी फार्मा के विद्यार्थियों के बीच 'स्वस्थ्य जीवन शैली' पर आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में प्रो0 डॉ0 गिरेंद्र सिंह तोमर (पूर्व प्रधानाचार्य लाल बहादुर शास्त्री गवर्नमेंट आयुर्वेद कॉलेज हंडिया प्रयागराज) जी ने विद्यार्थियो को आहार विहार, सुबह जल्दी उठने , शाम को जल्दी खाना खाने और निद्रा के महत्व के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ तोमर ने विद्यार्थियों को बताया आयुर्वेद प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। जैसे स्वस्थ व्रत, दिनचर्या ऋतुचर्या का वर्णन मिलता है जिसके पालन करने से बहुत से रोगों से बच सकते हैं। डायबिटीज एक लाइफ स्टाइल से संबंधित रोग है।आयुर्वेद में



डायबिटीज को मधुमेह के नाम से जाना जाता है। यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाले रोगों में से एक है। खून में ग्लूकोज की मात्रा जरूरत से ज्यादा बढ़ने पर डायबिटीज की बीमारी उपन्न होती है। रोगी व्यक्ति का पेशाब कसैला और मीठा पाया जाता है।जिससे रोगी के मूत्र में चीटियां लगने लगती है। डायबिटीज पैदा करने वाले कारणों से बचकर, जीवनशैली में उचित बदलाव कर के जैसे कि नियमित एक्सरसाइज, योग, संतुलित आहार से इसे नियंत्रित कर सकते है। फार्मेसी संकाय के सभी अध्यापक उपस्थित रहे, श्रुश्री पूजा जायसवाल जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

---

## आयुर्वेद में जटिल रोगों का भी शत प्रतिशत निदानः डॉ. जीएस तोमर

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, आरोग्यधाम बालापार में निशुल्क आयुर्वेदिक शिविर
- शिविर में डॉ तोमर ने दिया 108 मरीजों को परामर्श, मुफ्त जांच भी हुई
- आयुर्वेद में सर्वाइकल की समस्याओं का भी समाधानः डॉ. तोमर

लोक भारती न्यूज ब्यूरो





गोरखपुर। अंतरराष्ट्रीय ख्याति के आयुर्वेदाचार्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आज के समय में दुनिया आयुर्वेद चिकित्सा का तेजी से अनुसरण कर रही है। आयुर्वेद के दृष्टिकोण से जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा और आहार पर ध्यान दिया जाए तो जटिल और गंभीर रोग का उपचार शत प्रतिशत संभव है। योग, प्राणायाम और ध्यान के साथ नियमित चिकित्सीय परामर्श से व्यक्ति निरोग रहकर स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

डॉ. तोमर सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, आरोग्यधाम बालापार में आयुर्वेदिक ओपीडी की शुरुआत करने के बाद यहां आयोजित निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में मरीजों को परामर्श दे रहे थे। शिविर में डॉ. तोमर ने 108 मरीजों को देखा और उपचार संबंधी परामर्श दिया। इस अवसर पर उन्होंने सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस के कुछ मरीजों को समझाया कि सर्वाइकल स्पाइन की समस्याएं आयुर्वेद में %ग्रीवासंधिगत वात% के रूप में जानी जाती हैं। इसमें गर्दन में दर्द, गर्दन की अकड़न, ऊपरी बाहु, कंधे और बाजू में दर्द और स्थायी अस्वस्थता शामिल हो सकती है। सर्वाइकल की समस्या आयुर्वेद के माध्यम से दूर की जा सकती है। इसमें आयुर्वेद के विशेषज्ञ के परामर्श से आहार, औषधि, योग-प्राणायाम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। व्यायाम, दवाओं के प्रयोग, फिजियोथेरेपी, योग या चिकित्सा आसन के सामंजस्य से आयुर्वेद चिकित्सा का महत्व और भी बढ़ रहा है।

ओपीडी में आए मरीजों से बात करते हुए डॉ. तोमर ने कहा कि आजकल लोगों का आयुर्वेद की तरफ रुझान बढ़ रहा है क्योंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है। आसपास की जड़ी बूटियों और खान-पान में सुधार करके हम स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। शिविर में मरीजों की विभिन्न प्रकार की मुफ्त जांच भी की गई। इस अवसर पर डॉ. तोमर का स्वागत करते हुए गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा के साथ चिकित्सा क्षेत्र में भी जन मानस की सेवा करने का पुनीत कार्य कर रहा है। डॉ जीएस तोमर आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में लब्ध प्रतिष्ठत हैं। शिविर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल डॉ. मंजूनाथ एनएस, अस्पताल प्रबंधक जीके मिश्रा आदि भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

---

## शर्करा नियंत्रण के साथ शरीर के अन्य अंगों को बचाती हैं आयुर्वेदिक दवाएं : डॉ. तोमर

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज में व्याख्यान का आयोजन
- विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष ने मधुमेह नियंत्रण के लिए चिकित्सकीय अनुभव साझा किया

रवि प्रकाश गुप्ता

गोरखपुर। विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजकीय आयुर्वेद कॉलेज हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने कहा कि मधुमेह की चिकित्सा में मात्र शर्करा का नियंत्रण ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि किडनी, रेटिना, हृदय तथा नाड़ियों पर पड़ने वाले कुप्रभाव से भी शरीर की रक्षा करना भी बेहद महत्वपूर्ण है। शर्करा नियंत्रण से लेकर शरीर के अन्य अंगों पर पड़ने वाले प्रभावों से बचाने तक आयुर्वेद दवाएं अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। डॉ. तोमर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में विशिष्ट व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद वांग्मय में मधुमेह (डायबिटीज) का वर्णन हजारों वर्षों पहले से है। वैदिक कालीन पैपिल्यादि संहिता में 'प्रमेहणां तां विदुर उभयोरमेहनश्च' कहकर इसके अस्तित्व को स्वीकार किया है। उसके बाद उपनिषद काल, पुराणकाल तथा संहिता काल में मधुमेह के लक्षण व निदान का विस्तृत वर्णन मिलता है। प्राचीन महर्षियों ने अपनी दिव्य दृष्टिरूपी उपकरणों से इसके सरलतम निदान का तरीका भी सुझाया है। डॉ. तोमर ने कहा कि जब आधुनिक लैब परीक्षणों में रोगी के मूत्र में बैनिडिक्ट सोल्यूशन शर्करा को अनुपस्थित बताता है उसी समय रोगी, मूत्र में चींटियां लगने की बात कहकर मधुमेह की सबसे प्रथम अवस्था मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम की तरफ इशारा करता है। यही आयुर्वेद चिकित्सा का प्रथम पायदान है। इस अवस्था में न तो रोगी की रक्त शर्करा ही बढ़ी होती है और न ही उसके मूत्र के साथ शर्करा निकलती है। केवल रोगी को डिसलिपिडीमिया अर्थात हानिकारक कॉलेस्ट्रोल की वृद्धि तथा लाभदायक कॉलेस्ट्रोल की कमी मिलती है साथ ही सेंट्रल ओबेसिटी यानी पेट बढ़ा हुआ मिलता है। इस अवस्था में आयुर्वेद चिकित्सक के परामर्श से चन्द्रप्रभा वटी, मेदोहर गुग्गुल एवं फलत्रिकादि क्वाथ का प्रयोग श्रेयस्कर है। इससे डायबिटीज अपनी दूसरी अवस्था प्री-डायबिटीज तक नहीं पहुंच पाता है। उन्होंने कहा कि प्री डायबिटीज की स्थिति में पहुंचे मरीजों को जिनकी फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मिग्रा से कम तथा पीपी ब्लड शुगर 200 मिग्रा से कम हो, उनमें डायबकल्प प्लस एवं बीजीआर-34 जैसी आयुर्वेदिक औषधियों से बहुत उत्सावर्धक परिणाम मिलते है। इससे पचहत्तर प्रतिशत से अधिक रोगियों को डायबिटीज की तीसरी अवस्था तक पहुंचने से रोका जा सकता है। डॉ. तोमर ने बताया कि तीसरी अवस्था में जब फास्टिंग ब्लड शुगर 126 मिग्रा से अधिक एवं पी पी ब्लड शुगर 200 मि. ग्रा. से अधिक हो उस अवस्था में बसंत कुसुमाकर, बीजीआर-34 या डायबकल्प के साथ साथ एप्रीप्लस ग्रेन्यूल्स या मधुरक्षक चूर्ण रात्रि में सेवन कराने से अत्यन्त उत्साहजनक परिणाम मिलते हैं। ऐसे रोगियों को मात्र उपयुक्त आयुर्वेदिक औषधियों से नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संयमित जीवनशैली, नियंत्रित आहार, मिलेट्स का आहार में प्रयोग, नियमित बलार्ध व्यायाम, शवासन, निष्पंदभाव जैसे विश्रांतिकर योगासन के साथ साथ आयुर्वेदिक औषधियों के प्रयोग से मधुमेह पर नियंत्रण पाया जा सकता है। व्याख्यान से पूर्व गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज



के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने डा. तोमर का स्वाग किया। संचालन डा. प्रज्ञा सिंह ने किया।

**आयुर्वेद के नियमों का पालन कर बच सकते हैं कई रोगों से**

डॉ. जीएस तोमर ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय में भी व्याख्यान दिया। फार्मेसी संकाय और आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस व्याख्यान में उन्होंने स्वस्थ्य जीवन शैली विषय पर विद्यार्थियों को आयुर्वेद के नियमों की जानकारी दी। कहा कि आयुर्वेद में बताए गए नियमों का पालन करके बहुत से रोगों से बचा जा सकता है। डा. तोमर ने आयुर्वेद के हिसाब से आहार विहार अपनाने, सुबह जल्दी उठने, शाम को जल्दी भोजन करने तथा समय से और पर्याप्त नींद लेने की सलाह दी। यहां भी उन्होंने मधुमेह नियंत्रण को लेकर अपने चिकित्सकीय अनुभव को साझा किया। व्याख्यान के समापन पर आभार ज्ञापन पूजा जायसवाल ने किया।

## समाचार दर्पण

# महायोगी गोरखनाथ विवि में 19 से शुरू होगी प्रवेश परीक्षा

- 19 मई को बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे 3500 परीक्षार्थी
- 21 और 26 मई को होगी विविध पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा की शुरूआत 19 मई (रविवार) से होने जा रही है। 19 मई को बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रथम दिन 3500 परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मलित होंगे। इसके अलावा विविध अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 और 26 मई को आयोजित की जाएगी।

प्रवेश परीक्षाओं को सकुशल संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रवेश परीक्षा समिति के साथ समीक्षा बैठक की और जरूरी निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा का आयोजन वृहद स्तर पर हो रहा है, इसे लेकर प्रवेश समिति सतर्क रहे। बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए परीक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए प्याऊ की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही प्रतीक्षा करने वाले अभिभावकों के लिए विश्राम स्थल पर पानी की व्यस्था सुनिश्चित रहेगी।

बैठक में प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 19 को होने वाली प्रवेश परीक्षा के साथ ही 21 और 26 मई की परीक्षा की भी तैयारी पूरी है। 21 मई को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होनी है। जबकि 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी।

## सफलता के लि
## सही प्रबंधनः

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी

# प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे 3500 परीक्षार्थी

**गोरखपुर (एसएनबी)।** महायोगी गोरखनाथ विवि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा की शुरूआत 19 मई (रविवार) से होने जा रही है। 19 मई को बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रथम दिन 3500 परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मलित होंगे। इसके अलावा अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 और 26 मई को आयोजित की जाएगी।

प्रवेश परीक्षाओं को सकुशल संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने प्रवेश परीक्षा समिति के साथ समीक्षा बैठक की और जरूरी निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा का आयोजन वृहद स्तर पर हो रहा है, इसे लेकर प्रवेश समिति सतर्क रहे। बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए परीक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए प्याऊ की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही प्रतीक्षा करने वाले अभिभावकों के लिए विश्राम स्थल पर पानी की व्यस्था भी रहेगी। बैठक में प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 19 को होने वाली प्रवेश परीक्षा के साथ ही 21 और 26 मई की परीक्षा की भी तैयारी पूरी है। 21 मई को जीएनएम, बीएससी अनर्स, बायो टेक्नोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलजी, मेडिकल

- बीएससी नर्सिंग
- प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न कराने को लेकर कुलपति ने की समीक्षा बैठक

बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रो बायोलजी, बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होनी है। जबकि 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, आप्टोमेट्री, अर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन और बीबीए आनर्स लजिस्टिक्स की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी।

# महायोगी गोरखनाथ विवि में इंजीनियरिंग विषय पर व्याख्यान

**स्वतंत्र भारत संवाददाता**

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में माइक्रोबियल इंजीनियरिंग ऑफ एंटी बायोटिक बायोसाइंथेसिस पाथवे विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय सिद्धार्थनगर के सहायक आचार्य डॉ. कपिल गुप्ता ने कहा कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग जीवाणुओं का उपयोग करके विभिन्न उत्पादों की उत्पत्ति और उनके सुधार करने का काम करता है। इसका एक प्रमुख क्षेत्र एंटीबायोटिक उत्पादन है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग से एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में नवाचार के साथ ही इसके उत्पादन के औद्योगिक स्तर में वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने बताया कि माइक्रोबियल इंजीनियरिंग द्वारा एंटीबायोटिक उत्पादन की क्षमता को संशोधित करने के लिए सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक संरचना में बदलाव करने और प्रमुख एंजाइम की क्लोनिंग का काम भी किया जा सकता है। व्याख्यान में प्रमुख रूप से बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दूबे, बायोकेमिस्ट्री विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. अवेद्यनाथ, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. केके यादव, डॉ. प्रेरणा, डॉ. अंकिता मिश्रा, अनिल मिश्रा उपस्थिति रही।

# बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे 3500 परीक्षार्थी

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा 19 मई रविवार से शुरू होगी। रविवार को बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। पहले दिन 3500 परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे।

**महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 19 से शुरू होगी प्रवेश परीक्षा**

इसके अलावा विविध अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 और 26 मई को आयोजित की जाएगी।

शुक्रवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रवेश परीक्षा समिति के साथ समीक्षा बैठक की और जरूरी निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा का आयोजन वृहद स्तर पर हो रहा है। बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 19 को होने वाली प्रवेश परीक्षा के साथ ही 21 और 26 मई की परीक्षा की भी तैयारी पूरी है। 21 मई को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बॉयोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हॉनर्स एग्रीकल्चर, डी. फॉर्मा, बी. फॉर्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होनी है। 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर आदि की परीक्षा होगी। ब्यूरो

# महायोगी गोरखनाथ विवि में प्रवेश परीक्षा 19 से

- 19 मई को बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे 3500 परीक्षार्थी
- 21 और 26 मई को होगी विविध पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा
- प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न कराने को लेकर कुलपति ने की समीक्षा बैठक

**गोरखपुर (विधान केसरी)।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा की शुरूआत 19 मई रविवार से होने जा रही है। 19 मई को बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रथम दिन 3500 परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मलित होंगे। इसके अलावा विविध अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा 21 और 26 मई को आयोजित की जाएगी।

प्रवेश परीक्षाओं को सकुशल संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रवेश परीक्षा समिति के साथ समीक्षा बैठक की और जरूरी निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा का आयोजन वृहद स्तर पर हो रहा है, इसे लेकर प्रवेश समिति सतर्क रहे। बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए परीक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए प्याऊ की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही प्रतीक्षा करने वाले अभिभावकों के लिए विश्राम स्थल पर पानी की व्यस्था सुनिश्चित रहेगी।

बैठक में प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 19 को होने वाली प्रवेश परीक्षा के साथ ही 21 और 26 मई की परीक्षा की भी तैयारी पूरी है। 21 मई को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी.फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होनी है। जबकि 26 मई को एएनएम डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी।

# महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में लोकतंत्र का महापर्व.... चलो वोट करे , सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान का हुआ शुभारंभ'

**लोकतंत्र के रक्षार्थ सभी मतदाताओं को लेना होगा मतदान का संकल्प : कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई**

## समाचार दर्पण

# गोरखनाथ विवि में शुरू हुईं प्रवेश परीक्षाएं

### पहले दिन बीएससी नर्सिंग के लिए हुई परीक्षा, 92 प्रतिशत छात्रों की रही उपस्थिति

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार से प्रवेश परीक्षा की शुरुआत हुई। पहले दिन दो पालियों में बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3211 अभ्यर्थियों ने यह प्रवेश परीक्षा दी। पंजीकृत अभ्यर्थियों के मुकाबले यह उपस्थिति 92 प्रतिशत रही। खास बात यह भी रही कि किन्हीं कारणों से पहली पाली में उपस्थित न हो पाने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित करने के बजाय दूसरी पाली में मौका दिया गया।


महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मे बीएससी नर्सिंग के लिए प्रवेश परीक्षा देकर बाहर निकलते अभ्यर्थी • सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

नर्सिंग कोर्स की प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों, गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज पर हुई। भीषण गर्मी में परीक्षा में शामिल होने आए अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी। हेल्प डेस्क, पार्किंग व्यवस्था के साथ ही आपात स्थिति में चिकित्सा के लिए भी डेस्क गठित की गई थी। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक अमित सिंह व प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, बहराइच, वाराणसी के साथ ही बिहार व अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी शामिल हुए।

अभिभावकों के लिए लिए हेल्थ कैम्प भी लगा : अभ्यर्थियों के अभिभावकों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था की गई। वहां उन्हें गुड़ और शीतल जल उपलब्ध कराया गया। साथ ही हेल्थ कैम्प लगाकर उन्हें चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई।

**अन्य पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 21 व 26 मई को**

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 21 मई को जीएनएम, बीएससी आनर्स, बायोटेक्नोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलाजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलाजी, बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, डीफार्म, बीफार्म एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होगी, जबकि 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, आप्टोमेट्री, आर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन और बीबीए आनर्स लाजिस्टिक्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

# सकुशल संपन्न हुई बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों के लिए किए खास इंतजाम
- पहली पाली में वंचित अभ्यर्थियों को दूसरी पाली में दिया गया मौका
- दो पालियों में कुल 3211 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

**गोरखपुर ( विधान केसरी )।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार को दो पालियों में बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा आतिथ्य भाव के बीच सकुशल संपन्न हो गई। दोनों पालियों को मिलाकर 3211 अभ्यर्थियों 92 प्रतिशत ने परीक्षा दी। खास बात यह भी रही कि किन्हीं कारणों से पहली पाली में उपस्थित न हो पाने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित करने की बजाय दूसरी पाली में मौका दिया गया। परीक्षा की व्यवस्थाओं को लेकर अभ्यर्थी और उनके अभिभावकों ने काफी सराहना की। नर्सिंग कोर्स की प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेज पर हुई। भीषण गर्मी में परीक्षा में शामिल होने आए अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए



विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी। हेल्प डेस्क, पार्किंग व्यवस्था के साथ ही आपात स्थिति में चिकित्सा के लिए भी डेस्क गठित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक अमित सिंह व प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, बहराइच, वाराणसी के साथ ही बिहार व अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी शामिल हुए। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 21 मई को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होगी। जबकि 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबी, ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

# आतिथ्य भाव के बीच सकुशल संपन्न हुई बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा

### महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों के लिए किए खास इंतजाम

### पहली पाली में वंचित अभ्यर्थियों को दूसरी पाली में दिया गया मौका

### दो पालियों में कुल 3211 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

ग्राम स्वराज्य



गोरखपुर । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार को दो पालियों में बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा आतिथ्य भाव के बीच सकुशल संपन्न हो गई। दोनों पालियों को मिलाकर 3211 अभ्यर्थियों (92 प्रतिशत) ने परीक्षा दी। खास बात यह भी रही कि किन्हीं कारणों से पहली पाली में उपस्थित न हो पाने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित करने की बजाय दूसरी पाली में मौका दिया गया। परीक्षा की व्यवस्थाओं को लेकर अभ्यर्थी और उनके अभिभावकों ने काफी सराहना की। नर्सिंग कोर्स की प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पर हुई। भीषण गर्मी में परीक्षा में शामिल होने आए अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी। हेल्प डेस्क, पार्किंग व्यवस्था के साथ ही आपात स्थिति में चिकित्सा के लिए भी डेस्क गठित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक अमित सिंह व प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, बहराइच, वाराणसी के साथ ही बिहार व अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी शामिल हुए।

**अभिभावकों के लिए लिए हेल्थ कैम्प भी लगा**

अभ्यर्थियों के अभिभावकों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था की गई। वहां उन्हें गुड़ और शीतल जल उपलब्ध कराया गया। साथ ही हेल्थ कैम्प लगाकर उन्हें चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई। गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने बताया कि बड़ी संख्या में अभिभावकों की रक्तचाप, शुगर व अन्य बीमारियों की मुफ्त जांच की गई और जरूरी परामर्श दिया गया।

**अन्य पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 21 और 26 मई को**

महायोगीगोरखनाथ.विश्वविद्यालय में 21 मई को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी,बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्री,मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होगी। जबकि 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नी शियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

# आतिथ्य भाव के बीच सकुशल संपन्न हुई बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा

### महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों के लिए किए खास इंतजाम

- पहली पाली में वंचित अभ्यर्थियो को दूसरी पाली में दिया गया मौका
- दो पालियों में कुल 3211 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

सत्य संगम संवाददाता

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार को दो पालियों में बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा आतिथ्य भाव के बीच सकुशल संपन्न हो गई। दोनों पालियों को मिलाकर 3211 अभ्यर्थियों (92 प्रतिशत) ने परीक्षा दी। खास बात यह भी रही कि किन्हीं कारणों से पहली पाली में उपस्थित न हो पाने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित करने की बजाय दूसरी पाली में मौका दिया गया। परीक्षा की व्यवस्थाओं को लेकर अभ्यर्थी और उनके अभिभावकों ने काफी सराहना की। नर्सिंग कोर्स की प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों,



गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पर हुई। भीषण गर्मी में परीक्षा में शामिल होने आए अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी। हेल्प डेस्क, पार्किंग व्यवस्था के साथ ही आपात स्थिति में चिकित्सा के लिए भी डेस्क गठित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक अमित सिंह व प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, बहराइच, वाराणसी के साथ ही बिहार व अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी शामिल हुए।

**अभिभावकों के लिए लिए हेल्थ कैम्प भी लगा**

अभ्यर्थियों के अभिभावकों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था की गई। वहां उन्हें गुड़ और शीतल जल उपलब्ध कराया गया। साथ ही हेल्थ कैम्प लगाकर उन्हें चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई। गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने बताया कि बड़ी संख्या में अभिभावकों की रक्तचाप, शुगर व अन्य बीमारियों की मुफ्त जांच की गई और जरूरी परामर्श दिया गया।

**अन्य पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 21 और 26 मई को**

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 21 मई को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होगी। जबकि 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

# आतिथ्य भाव के बीच संपन्न हुई बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा

### महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों के लिए किए खास इंतजाम

विश्ववार्ता संवाददाता

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार को दो पालियों में बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा आतिथ्य भाव के बीच सकुशल संपन्न हो गई। दोनों पालियों को मिलाकर 3211 अभ्यर्थियों (92 प्रतिशत) ने परीक्षा दी। खास बात यह भी रही कि किन्हीं कारणों

- » पहली पाली में वंचित अभ्यर्थियों को दूसरी पाली में दिया गया मौका
- » दो पालियों में कुल 3211 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

से पहली पाली में उपस्थित न हो पाने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित करने की बजाय दूसरी पाली में मौका दिया गया। परीक्षा की व्यवस्थाओं को लेकर अभ्यर्थी और उनके अभिभावकों ने काफी सराहना की।

नर्सिंग कोर्स की प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पर हुई। भीषण गर्मी में परीक्षा में शामिल होने आए अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी। हेल्प डेस्क, पार्किंग व्यवस्था के साथ ही आपात स्थिति में चिकित्सा के लिए भी डेस्क गठित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक अमित सिंह व प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, बहराइच, वाराणसी के साथ ही बिहार व अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी शामिल हुए।

**अन्य पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 21 और 26 मई को**

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 21 मई को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा होगी। जबकि 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।



**अभिभावकों के लिए लिए हेल्थ कैम्प भी लगा**

अभ्यर्थियों के अभिभावकों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था की गई। वहां उन्हें गुड़ और शीतल जल उपलब्ध कराया गया। साथ ही हेल्थ कैम्प लगाकर उन्हें चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई। गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने बताया कि बड़ी संख्या में अभिभावकों की रक्तचाप, शुगर व अन्य बीमारियों की मुफ्त जांच की गई और जरूरी परामर्श दिया गया।

# कार्य परिषद सदस्य के पिता के निधन पर शोकसभा

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद सदस्य प्रो. शोभा गौड़ के पिताजी के निधन पर विश्वविद्यालय परिवार ने शोक जताया है। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में आहुत शोकसभा में दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।

शोकसभा में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.शशिकांत सिंह, डॉ.विनम्र शर्मा, अमित कुमार सिंह, रोहित कुमार श्रीवास्तव, डॉ. राजेश बहल, गिरिजेश कुमार मिश्र, डॉ. शत्रुघ्न कुशवाहा, डॉ. नवीन के., श्रीराम यादव, अविनाश कमल मिश्र, रामेंद्र प्रताप सिंह, आशीष सिंह, योगेन्द्र कुमार, मृणाल राज भारती, धर्मेन्द्र कुमार चंद, नीतेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

## समाचार दर्पण

# दो पालियों में 2580 छात्रों ने दी प्रवेश परीक्षा

**स्वतंत्र भारत संवाददाता**

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मंगलवार को दो पालियों में जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, , माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी फार्मा, बी फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न हुई।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को दोनों पालियों को मिलाकर 2580 (90प्रतिशत) अभ्यर्थियों शामिल हुए। प्रश्न पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को सम्मलित कर नवाचार का प्रयोग किया गया। प्रवेश परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, त्रिपुरा, नागालैंड, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। अभिभावकों के लिए महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था की गई। साथ ही हेल्थ कैम्प लगाकर उन्हें मुफ्त चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में लोकतंत्र के महापर्व 'चलो वोट करें' सेल्फी पॉइंट पर अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने सेल्फी लेकर मतदान का संकल्प लिया।

**26 को होगी अन्य पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा:** 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

# दो पालियों में 2580 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मंगलवार को दो पालियों में जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न हुई।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को दोनों पालियों को मिलाकर 2580 (90प्रतिशत) अभ्यर्थियों शामिल हुए। प्रश्न पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को सम्मलित कर नवाचार का प्रयोग किया गया। प्रवेश परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, त्रिपुरा, नागालैंड, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा की ही तरह आज भी अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी।

# दो पालियों में 2580 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

महायोगी गोरखनाथ विवि में मंगलवार को जीएनएम व बीएससी ऑनर्स व फार्मा के कोर्सेज में प्रवेश के लिए लिए हुई परीक्षा

**पूर्वा टाइम्स समाचार**

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मंगलवार को दो पालियों में जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी. फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को दोनों पालियों को मिलाकर 2580 (90प्रतिशत) अभ्यर्थियों शामिल हुए। प्रश्न पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को सम्मलित कर नवाचार का प्रयोग किया गया। प्रवेश परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, त्रिपुरा, नागालैंड, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा की ही तरह आज भी अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी।

अभिभावकों के लिए महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था की गई। साथ ही हेल्थ कैम्प लगाकर उन्हें मुफ्त चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में लोकतंत्र के महापर्व 'चलो वोट करें' सेल्फी पॉइंट पर अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने सेल्फी लेकर मतदान का संकल्प लिया। 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

# दो पालियों में 2580 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

महायोगी गोरखनाथ विवि में मंगलवार को जीएनएम व बीएससी ऑनर्स व फार्मा के कोर्सेज में प्रवेश के लिए लिए हुई परीक्षा

**गोरखपुर (विधान केसरी)।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मंगलवार को दो पालियों में जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बी.फार्मा एलोपैथी की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को दोनों पालियों को मिलाकर 2580 (90 प्रतिशत) अभ्यर्थियों शामिल हुए। प्रश्न पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को सम्मलित कर नवाचार का प्रयोग किया गया। प्रवेश परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, त्रिपुरा, नागालैंड, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा की ही तरह आज भी अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय की तरफसे परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी।

अभिभावकों के लिए महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में बैठने की व्यवस्था की गई। साथ ही हेल्थ कैम्प लगाकर उन्हें मुफ्त चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में लोकतंत्र के महापर्व चलो वोट करें। सेल्फी पॉइंट पर अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने सेल्फी लेकर मतदान का संकल्प लिया।

# पैरामेडिकल कोर्स के लिए 2580 ने दी परीक्षा

- महायोगी गोरखनाथ विवि में दो पालियों में हुआ परीक्षा का आयोजन
- जीएनएम, बीएससी ऑनर्स व फार्मा में प्रवेश के लिए हुई परीक्षा

महायोगी गोरखनाथ विवि में पैरा मेडिकल के कोर्स में प्रवेश को परीक्षा देते अभ्यर्थी।

गोरखपुर। वरिष्ठ संवाददाता

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो पालियों में पैरा मेडिकल के कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा हुई। प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी हानर्स एग्रीकल्चर, डी. फार्मा, बीफार्मा एलोपैथी की दो पालियों में हुई परीक्षा में 2580 अभ्यर्थियों शामिल हुए।

प्रश्न पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को सम्मलित कर नवाचार का प्रयोग किया गया। परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा देश के कई राज्यों के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से परिसर के कई स्थलों पर गुड़ और शीतल जल की व्यवस्था की गई थी। हेल्थ कैम्प लगाकर अभिभावकों को मुफ्त चिकित्सकीय जांच की सुविधा दी गई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में 'चलो वोट करें' सेल्फी पॉइंट पर अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने सेल्फी लेकर मतदान का संकल्प लिया।

**26 को होगी अन्य पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा:** 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा होगी।

# समाचार दर्पण

## अनुसंधान व उद्यमिता प्रोत्साहन को गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बढ़ाए हाथ

अनुबंध पत्र दिखाते गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और डा. दीपक मैंदिस्ता, साथ में कुलसचिव डा. प्रदीप राव व अन्य● सौ. जोवि

- जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ विश्वविद्यालय ने किया अनुबंध
- विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने अनुबंध पत्र पर किए हस्ताक्षर

**जासं, गोरखपुर :** कृषि अनुसंधान एवं कृषि आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय ने इसके लिए जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, मुरादाबाद के साथ अनुबंध किया है। इस अनुसंधान के जरिये दोनों संस्थान मिलकर शैक्षणिक एवं कृषि अनुसंधान क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे।

विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और जुबिलेंट की ओर से डा. दीपक मैंदिस्ता ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए। अनुबंध पत्र का आदान-प्रदान विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और जुबिलेंट के निदेशक डा. दीपक के बीच हुआ। अनुबंध के बाद कुलपति ने कहा कि इस समझौते से कृषि के क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नई दिशा मिलेगी। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर छात्रों के व्यक्तित्व विकास, उच्च शिक्षा में अनुसंधान दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। डा. दीपक मैंदिस्ता ने कहा कि वर्ष 2005 में कृषि क्षेत्र में नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जुबिलेंट की स्थापना की गई है। संस्थान द्वारा प्रशिक्षित कृषि स्नातकों में 5000 से अधिक सफल उद्यमी आज समृद्ध किसान के रूप मे स्थापित हुए हैं। डा. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, रंजीत यादव, डा. प्रवीण कुमार सिंह, डा. संदीप श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

## कृषि अनुसंधान व उद्यमिता प्रोत्साहन को महायोगी गोरखनाथ वि.वि. ने की पहल

गोरखपुर, 23 मई। कृषि अनुसंधान एवं कृषि आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने महत्वपूर्ण पहल की है। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने जुबिलेंट एग्रीकलचर रूरल डेवलपमेन्ट सोसायटी (जारडस) मुरादाबाद के साथ समझौता करार (एमओयू) किया है। इस एमओयू के जरिये दोनों संस्थान मिलकर शैक्षणिक एवं कृषि अनुसंधान क्रियाकलापो को बढ़ावा देंगे।

गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और जारडस के निदेशक डॉ. दीपक मैंदिस्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए जबकि एमओयू का आदान प्रदान कुलपति और जारडस निदेशक के मध्य हुआ। एमओयू के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य, कृषि के के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने एवं कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय आदि विषयों पर साझा प्रयास करने का करार हुआ। दोनों संस्थानों का लक्ष्य इस साझेदारी के माध्यम से कार्यशाला, सामाजिक उत्थान और विकास परियोजना को विकसित और कार्यान्वित करना है।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि इस समझौते से कृषि के क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नई दिशा मिलेगी। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर छात्रों के व्यक्तित्व विकास, उच्च शिक्षा में अनुसंधान दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि परंपरागत कृषि के साथ आज उत्पादन में नवाचारों से छोटी भूमि पर कम लगात से भी किसान अच्छी आमदनी कर सकते है। संस्थान को कृषि प्रबंधन के लिए 2010 में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान हैदराबाद द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की योजना एग्रीक्लिनिक एग्रीबिजनेस सेन्टर के लिए मान्यता दी गई। 2013 में संस्थान के द्वारा आगरा केन्द्र, 2014 मे गोरखपुर में कृषि उद्यमिता का प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया। संस्थान द्वारा प्रशिक्षित कृषि स्नातकों में 5000 से अधिक सफल उद्यमी आज समृद्ध किसान के रूप मे स्थापित हुए हैं। एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, जारडस गोरखपुर केंद्र के नोडल अधिकारी रंजीत यादव, कृषि विभाग के सहायक आचार्य डॉ.प्रवीण कुमार सिंह, डॉ.संदीप श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

❖ जुबिलेंट एग्रीकलचर रूरल डेवलपमेन्ट सोसायटी के साथ हुआ एमओयू

## कृषि अनुसंधान व उद्यमिता प्रोत्साहन को गोरखनाथ विवि ने की पहल

**स्वतंत्र भारत संवाददाता**

**गोरखपुर।** कृषि अनुसंधान एवं कृषि आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने महत्वपूर्ण पहल की है। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने जुबिलेंट एग्रीकलचर रूरल डेवलपमेन्ट सोसायटी (जारडस) मुरादाबाद के साथ समझौता करार (एमओयू) किया है। इस एमओयू के जरिये दोनों संस्थान मिलकर शैक्षणिक एवं कृषि अनुसंधान क्रियाकलापो को बढ़ावा देंगे।

गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और जारडस के निदेशक डॉ. दीपक मैंदिस्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए जबकि एमओयू का आदान प्रदान कुलपति और जारडस निदेशक के मध्य हुआ। एमओयू के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य, कृषि के के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने एवं कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय आदि विषयों पर साझा प्रयास करने का करार हुआ। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि इस समझौते से कृषि के क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नई दिशा मिलेगी। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर छात्रों के व्यक्तित्व विकास, उच्च शिक्षा में अनुसंधान दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता में नित नए नवाचार हो रहे हैं। जारडस, मुरादाबाद के निदेशक दीपक मैंदिस्ता ने कहा कि वर्ष 2005 में कृषि क्षेत्र में नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जारडस की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि परंपरागत कृषि के साथ आज उत्पादन में नवाचारों से छोटी भूमि पर कम लगात से भी किसान अच्छी आमदनी कर सकते है।

उन्होंने कहा कि जारडस एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर मिलकर कृषि अनु?संधान एवं उद्यमिता के क्षेत्र में काम करेंगे। कुशल प्रशिक्षण लेकर किसान समृद्ध होंगे। साथ ही विश्वविद्यालय के कृषि छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रसर करने के लिए भी यह संस्थान काम करेगा और विश्वविद्यालय में कृषि उद्यमों के माडल स्थापित करने में भी संस्थान की अहम भूमिका होगी। एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर डॉ. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव श्रीकांत, रंजीत यादव, डॉ.प्रवीण कुमार सिंह, डॉ.संदीप श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

चंदगी सिंह जो भाजपा के सक्रिय उसी दौरान विन्ध्यनाथ यादव केस दर्ज कर लिया है। आलोक कुमार सिंह, सुधाकर यादव जखान मौजूद रहे। राजनीति से जोड़कर देख रहे हैं।

## कृषि अनुसंधान व उद्यमिता प्रोत्साहन को महायोगी गोरखनाथ विवि ने की पहल

**गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)।** कृषि अनुसंधान एवं कृषि आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने महत्वपूर्ण पहल की है। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने जुबिलेंट एग्रीकलचर रूरल डेवलपमेन्ट सोसायटी (जारडस) मुरादाबाद के साथ समझौता करार (एमओयू) किया है। इस एमओयू के जरिये दोनों संस्थान मिलकर शैक्षणिक एवं कृषि अनुसंधान क्रियाकलापो को बढ़ावा देंगे।

**आयोजन**

- जुबिलेंट एग्रीकलचर रूरल डेवलपमेन्ट सोसायटी के साथ हुआ एमओयू

गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और जारडस के निदेशक डॉ. दीपक मैंदिस्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए जबकि एमओयू का आदान प्रदान कुलपति और जारडस निदेशक के मध्य हुआ। एमओयू के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच शोध आधारित उत्पाद, संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य, कृषि के के वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने एवं कौशल बढ़ाने के लिए क्षमता विकास, छात्र-संकाय और तकनीकी विनिमय आदि विषयों पर साझा प्रयास करने का करार हुआ। दोनों संस्थानों का लक्ष्य इस साझेदारी के माध्यम से कार्यशाला, सामाजिक उत्थान और विकास परियोजना को विकसित और कार्यान्वित करना है।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि इस समझौते से कृषि के क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नई दिशा मिलेगी। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर छात्रों के व्यक्तित्व विकास, उच्च शिक्षा में अनुसंधान दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता में नित नए नवाचार हो रहे हैं। उत्कृष्ट तकनीक से भारत के किसान भी नई चुनौतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर कृषि क्षेत्र को समृद्ध कर रहे हैं। जारडस, मुरादाबाद के निदेशक दीपक मैंदिस्ता ने कहा कि वर्ष 2005 में कृषि क्षेत्र में नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जारडस की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि परंपरागत कृषि के साथ आज उत्पादन में नवाचारों से छोटी भूमि पर कम लगात से भी किसान अच्छी आमदनी कर सकते है। संस्थान को कृषि प्रबंधन के लिए 2010 में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान हैदराबाद द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की योजना एग्रीक्लिनिक एग्रीबिजनेस सेन्टर के लिए मान्यता दी गई। 2013 में संस्थान के द्वारा आगरा केन्द्र, 2014 मे गोरखपुर में कृषि उद्यमिता का प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया। संस्थान द्वारा प्रशिक्षित कृषि स्नातकों में 5000 से अधिक सफल उद्यमी आज समृद्ध किसान के रूप मे स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि जारडस एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर मिलकर कृषि अनु?संधान एवं उद्यमिता के क्षेत्र में काम करेंगे। कुशल प्रशिक्षण लेकर किसान समृद्ध होंगे। साथ ही विश्वविद्यालय के कृषि छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रसर करने के लिए भी यह संस्थान काम करेगा और विश्वविद्यालय में कृषि उद्यमों के माडल स्थापित करने में भी संस्थान की अहम भूमिका होगी।

एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, जारडस गोरखपुर केंद्र के नोडल अधिकारी रंजीत यादव, कृषि विभाग के सहायक आचार्य डॉ.प्रवीण कुमार सिंह, डॉ.संदीप श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

## समाचार दर्पण

### महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के लिए 2709 प्रवेशार्थियों ने दी परीक्षा

**गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन की परीक्षा सकुशल संपन्न हुई । प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को 2709 प्रवेश परीक्षार्थियों ने बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, सहित 7 अन्य विषयों की परीक्षा भव्य स्तर पर हुआ। बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स विषय में अभ्यार्थियों का उत्साह देखने को मिला है , महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शिक्षा ग्रहण करने के विद्यार्थियों में उत्साह और उमंग की एक नई उत्सुकता देखने को मिल रहा है। प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए अभ्यर्थियों के साथ अभिभावक भी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक संगठन की मुक्त कंठ से सराहना कर रहे हैं। ट्रैफिक नियंत्रण , प्रतीक्षारत अभिभावकों के लिए छाव, गुड़, शीतल जल और निशुल्क चिकित्सा शिविर की व्यवस्था , परीक्षार्थियों के समान रखने के लिए क्लार्क रूम , मुख्य चौराहे से परीक्षा स्थल तक निशुल्क ई रिक्शा और विकलांग जनों के लिए विशेष सेवा व्यवस्था किया गया है। प्रश्न पत्रों को रोचक बनाने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को सम्मलित कर नवाचार का प्रयोग किया गया। परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा देश के कई राज्यों के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।

### 2709 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

**महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय**

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर से परीक्षा देकर निकलते अभ्यर्थी ● सौ . गोवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित हुई। इस प्रवेश परीक्षा को देने के लिए 2709 अभ्यर्थी विश्वविद्यालय पहुंचे।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स विषय में अभ्यार्थियों का विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय में ट्रैफिक नियंत्रण, प्रतीक्षारत अभिभावकों के लिए छांव, गुड़, शीतल जल और निशुल्क चिकित्सा शिविर, परीक्षार्थियों के समान रखने के लिए क्लारक रूम, मुख्य चौराहे से परीक्षा स्थल तक निशुल्क ई-रिक्शा और विकलांग जनों के लिए विशेष सेवा व्यवस्था की गई थी।

परीक्षा में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा देश के कई राज्यों के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।

प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में हुई।

### बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स व अन्य में 2709 ने दी परीक्षा

**प्रवेश परीक्षा**

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में कई विषयों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा
- प्रोफेशनल और जॉब ओरिएंटेड कोर्स के लिए 8500 आवेदन आए थे
- परीक्षा में सम्मलित परीक्षार्थियों ने इंतजामों की सराहना की

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा देकर बाहर निकलते अभ्यर्थी।

**गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार को बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन की परीक्षा संपन्न हुई। प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को 2709 प्रवेश परीक्षार्थियों ने बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, सहित 7 अन्य विषयों की परीक्षा का आयोजन हुआ। प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए अभ्यर्थियों के साथ ही अभिभावकों ने भी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक संगठन की सराहना की।

परीक्षा में यूपी के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा देश के कई राज्यों के भी अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने परीक्षा केंद्रों समेत सभी जरूरी स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में संचालित सभी विषयों में प्रोफेशनल और जॉब ओरिएंटेब्ट कोर्स में शत-प्रतिशत जॉब की अनंत संभावनाएं है।

विश्वविद्यालय में संचालित आयुर्वेद, नर्सिंग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, कृषि, पैरामेडिकल, फार्मेसी विषयों में प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश के लिए देश के विभिन्न राज्यों से कुल 8500 छात्रों ने आवेदन किया था।

बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स विषय के बारे में प्रो.सुनील कुमार सिंह ने कहा कि फैकल्टी ऑफ कॉमर्स को लॉजिस्टिक्स स्किल काउंसिल से संबद्ध कर अप्रेंटिस शिप बेस्ड बीबीए डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए छात्र उत्सुक रहे। तीन दिनों तक चली प्रवेश परीक्षा पूर्ण अनुशासन, शांति व्यवस्था के साथ हुई है।

### बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम सहित विविध विषयों में 2709 प्रवेशार्थियों ने दी परीक्षा

- प्रोफेशनल और जॉब ओरिएंटेब्ट कोर्स के प्रति कृत संकल्पित है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
- प्रवेश परीक्षा में सम्मलित परीक्षार्थियों ने मुक्त कंठ से विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना किया

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन की परीक्षा सकुशल संपन्न हुई । प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को 2709 प्रवेश परीक्षार्थियों ने बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स, एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, सहित 7 अन्य विषयों की परीक्षा भव्य स्तर पर हुआ।

बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स विषय में अभ्यार्थियों का उत्साह देखने को मिला है , महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शिक्षा ग्रहण करने के विद्यार्थियों में उत्साह और उमंग की एक नई उत्सुकता देखने को मिल रहा है। प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए अभ्यर्थियों के साथ अभिभावक भी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक संगठन की मुक्त कंठ से सराहना कर रहे हैं। ट्रैफिक नियंत्रण , प्रतीक्षारत अभिभावकों के लिए छाव, गुड़, शीतल जल और निशुल्क चिकित्सा शिविर की व्यवस्था , परीक्षार्थियों के समान रखने के लिए क्लार्क रूम , मुख्य चौराहे से परीक्षा स्थल तक निशुल्क ई रिक्शा और विकलांग जनों के लिए विशेष सेवा व्यवस्था किया गया है। प्रवेश परीक्षा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो सुनील कुमार सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, आरोग्य धाम बालापार रोड सोनबरसा में संचालित सभी विषयों में प्रोफेशनल और जॉब ओरिएंटेब्ट कोर्स में शत प्रतिशत जॉब की अनंत संभावनाएं है । विश्वविद्यालय में संचालित आयुर्वेद , नर्सिंग , संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, कृषि, पैरामेडिकल, फार्मेसी विषयों में प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश के लिए देश के विभिन्न राज्यों से कुल 8500 ( आठ हजार पांच सौ) विद्यार्थियों ने आवेदन किया था।बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स विषय के बारे में प्रो.सुनील कुमार सिंह ने कहा कि फैकल्टी ऑफ कॉमर्स को लॉजिस्टिक्स स्किल काउंसिल से संबद्ध कर अप्रेंटिस शिप बेस्ड बीबीए डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए छात्रों में उत्सुकता देखने को मिला है। इस कोर्स से विद्यार्थी शैक्षणिक सत्र के साथ ही व्यवसायिक प्रशिक्षण ग्रहण कर शत प्रतिशत नौकरी से सृजन की ओर उन्मुख होंगे । विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए प्रवेश परीक्षा के लिए कई चुनौतिया आयी पर छात्र हित में परीक्षार्थियों को परीक्षा में सम्मलित होने का अवसर दिया गया है। परीक्षार्थियों की भारी संख्या को देखते हुए प्रवेश समिति की समीक्षा बैठक में कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई जी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव जी ने सकुशल प्रवेश परीक्षा कराने के लिए प्रवेश समिति को निर्देशन दिया की परीक्षार्थियों , अभिभावकों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो। तीन दिनों तक चले प्रवेश परीक्षा पूर्ण अनुशासन , शांति व्यवस्था के साथ सकुशल संपन्न हुई है विश्वविद्यालय में %चलो वोट करें% सेल्फी पॉइंट पर अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने सेल्फी लेकर मतदान का संकल्प लिया।

## समाचार दर्पण

## नए मेडिकल कॉलेज के 1800 बेड के अस्पताल के लिए हुआ भूमि पूजन एवं शिलान्यास

गोरखपुर (विधान केसरी)। गोरखपुर की उपलब्धियों में एक और मेडिकल कॉलेज का नाम जुड़ गया है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे इस मेडिकल कॉलेज श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल

**महायोगी गोरखनाथ विवि में 100 सीटों से शुरू होगा एमबीबीएस कोर्स**

एंड रिसर्च सेंटर का भूमि पूजन सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, एवं केके कंस्ट्रक्शन के निदेशक जगदीश आनंद की उपस्थिति में किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन के बाद योगी कमलनाथ ने हॉस्पिटल का शिलान्यास किया। भूमि पूजन एवं शिलान्यास के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ वाजपेयी एवं कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह मेडिकल कॉलेज तीन चरणों में बनकर तैयार होगा। पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600-600 यानी कुल मिलाकर 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सीएम योगी इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सौ सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इसे दूसरे चरण में 150 और तीसरे चरण में 250 सीटों तक विस्तार किया जाएगा। इस मेडिकल कॉलेज के शुरू हो जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापरक



चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर.बस्ती.आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को 1800 बेड का अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला एक नया अस्पताल भी मिल जाएगा। कुलपति डॉ. वाजपेयी ने बताया कि यह वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कॉलेज होगा। साथ ही एम्स गोरखपुर और बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाद शहर का यह तीसरा बड़ा चिकित्सा संस्थान होगा।

## गोरखपुर में बनेगा एक और मेडिकल कॉलेज, हुआ भूमि पूजन, कमेटी गठित

### 1800 बेड का सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं से लैस अस्पताल का भी होगा निर्माण

संवाददाता गोरखपुर



मेडिकल कालेज के लिए भूमि पूजन करते योगी कमलनाथ। अमृत विचार

**अमृत** विचारः जिले में निजी क्षेत्र के एक मेडिकल कालेज की स्थापना के लिए सोमवार को भूमि पूजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन के बाद योगी कमलनाथ ने हॉस्पिटल का शिलान्यास किया। इस अवसर पर औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, एवं केके कंस्ट्रक्शन के निदेशक जगदीश आनंद मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह मेडिकल कॉलेज तीन चरणों में बनकर तैयार होगा। पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600-600 यानी कुल मिलाकर 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।

कुलसचिव के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सौ सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इसे दूसरे चरण में 150 और तीसरे चरण में 250 सीटों तक विस्तार किया जाएगा। इस मेडिकल कॉलेज के शुरू हो जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर-बस्ती-आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को 1800 बेड का अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला एक नया अस्पताल भी मिल जाएगा। कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने बताया कि यह वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कॉलेज होगा।

**यह रहे मौजूद**

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रामजन्म सिंह, राजेन्द्र भारती, प्रमथनाथ मिश्र, डॉ. अरुण कुमार सिंह, मनीष कुमार दूबे, पंकज कुमार, विश्वविद्यालय के मुख्य अभियंता नीरज कुमार गौतम, आर्किटेक्ट जसदीप लाम्बा, मुख्य अभियंता विद्युत अभिषेक मिश्रा, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. डीसी ठाकुर, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश कुमार अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल कुमार सिंह, गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद संकाय के प्रिंसिपल डॉ. मंजूनाथ एनएस, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दूबे, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ शशिकांत सिंह, महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, सहायक अभियंता आशीष कुमार सिंह, अरुण कुमार अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

**दो कमेटियां करेंगी सहयोग**

कुलसचिव ने बताया कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ संजय महेश्वरी की अध्यक्षता मे बनाई गई है। इसमें एम्स नई दिल्ली के डॉ संजीव सिनहा, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ जीएन सिंह, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के डॉ राघवेंद्र राव, डॉ असिथ मैली पिट्सबर्ग और डॉ केशव दास सदस्य के रूप मे शामिल हैं। यह कमेटी मुख्य रूप से देश के भीतर और बाहर स्थित समकक्ष संस्थाओं के साथ अकादमिक सहयोग स्थापित करने के लिए काम करेगी। इस समिति में कुलसचिव सदस्य सचिव के रूप मे रहेंगे।

## गोरखपुर की उपलब्धियों में जुड़ा एक और मेडिकल कॉलेज का नाम

### महायोगी गोरखनाथ विवि में 100 सीटों से शुरू होगा एमबीबीएस कोर्स



जिला संवाददाता (vol)

गोरखपुर। गोरखपुर की उपलब्धियों में एक और मेडिकल कॉलेज का नाम जुड़ गया है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे इस मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) का भूमि पूजन सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, एवं केके कंस्ट्रक्शन के निदेशक जगदीश आनंद की उपस्थिति में किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन के बाद योगी कमलनाथ ने हॉस्पिटल का शिलान्यास किया। भूमि पूजन एवं शिलान्यास के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ वाजपेयी एवं कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह मेडिकल कॉलेज तीन चरणों में बनकर तैयार होगा।

पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600-600 यानी कुल मिलाकर 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सीएम योगी इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सौ सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा।

इसे दूसरे चरण में 150 और तीसरे चरण में 250 सीटों तक विस्तार किया जाएगा। इस मेडिकल कॉलेज के शुरू हो जाने से न? सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर-बस्ती-आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को 1800 बेड का अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला एक नया अस्पताल भी मिल जाएगा। कुलपति डॉ. वाजपेयी ने बताया कि यह वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कॉलेज होगा। साथ ही एम्स गोरखपुर और बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाद शहर का यह तीसरा बड़ा चिकित्सा संस्थान होगा।

भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रामजन्म सिंह, राजेन्द्र भारती, प्रमथनाथ मिश्र, डॉ. अरुण कुमार सिंह, मनीष कुमार दूबे, पंकज कुमार, नीरज कुमार गौतम, जसदीप लाम्बा, अभिषेक मिश्रा, डॉ. डीसी ठाकुर, डॉ. अवधेश कुमार अग्रवाल, अनिल कुमार सिंह, डीएस अजीथा, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ विमल कुमार दूबे, डॉ शशिकांत सिंह, रोहित कुमार श्रीवास्तव, श्रीकांत, आशीष कुमार सिंह व अरुण कुमार अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

**डॉ संजय माहेश्वरी की अध्यक्षता में गठित हुई अंतरराष्ट्रीय स्तर की कमेटी**

कुलसचिव डॉ राव ने उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना और रोल मॉडल के रूप में इसके विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की दो कमेटियां सहयोग दे रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की कमेटी प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ संजय महेश्वरी की अध्यक्षता में बनाई गई है। इसमें एम्स नई दिल्ली के डॉ संजीव सिनहा, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ जीएन सिंह, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के डॉ राघवेंद्र राव, डॉ असिथ मैली पिट्सबर्ग और डॉ केशव दास सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह कमेटी मुख्य रूप से देश के भीतर और बाहर स्थित समक्ष संस्थाओं के साथ अकादमिक सहयोग स्थापित करने के लिए काम करेगी।

**तत्कालीन राष्ट्रपति ने किया था विश्वविद्यालय का उद्घाटन**

उल्लेखनीय है कि महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय का उद्घाटन 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। अब मेडिकल कॉलेज और 1800 बेड के अत्याधुनिक अस्पताल का सपना भी साकार होने जा रहा है। पहले सत्र में 100 सीटों के साथ शुरू हो रहे मेडिकल कॉलेज के पास 450 बेड का गोरखनाथ चिकित्सालय पहले से है। जल्द ही इसमें 1800 बेड का नया अस्पताल भी जुड़ जाएगा जिसके आधार पर मेडिकल कॉलेज में सीटों का विस्तार होगा।

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में पहले एमबीबीएस की 100 सीट पर होगा प्रवेश

## श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन

**गोरखनाथ विवि**

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज इसी सत्र से शुरू होगा। इसका नाम श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर होगा। इसका भूमि पूजन सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास एवं केके कंस्ट्रक्शन के निदेशक जगदीश आनंद की उपस्थिति में किया। भूमि पूजन के बाद योगी कमलनाथ ने हॉस्पिटल का शिलान्यास किया।

कुलपति डॉ वाजपेयी एवं कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह मेडिकल कॉलेज तीन चरणों में बनकर तैयार होगा। पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600-600 यानी कुल मिलाकर 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सीएम योगी इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।

कुलपति ने बताया कि वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कॉलेज होगा। एम्स और बीआरडी मेडिकल कॉलेज के बाद शहर का यह तीसरा बड़ा चिकित्सा संस्थान होगा। कुलसचिव ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में पहले वर्ष एमबीबीएस की सौ सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इसे दूसरे चरण में 150 और तीसरे चरण में 250 सीटों तक विस्तार किया जाएगा। गोरखपुर, बस्ती, आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को 1800 बेड का नया अस्पताल मिलेगा।

मेडिकल कॉलेज के भूमि पूजन समारोह में रामजन्म सिंह, राजेन्द्र भारती, प्रमथनाथ मिश्र, डॉ. अरुण कुमार सिंह, मनीष कुमार दुबे, पंकज कुमार, नीरज कुमार गौतम, जसदीप लाम्बा, अभिषेक मिश्रा, डॉ. डीसी ठाकुर, डॉ. अवधेश कुमार अग्रवाल, अनिल कुमार सिंह, डॉ. डीएस अजीथा, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ विमल कुमार दूबे, डॉ शशिकांत सिंह, रोहित कुमार श्रीवास्तव, श्रीकांत, आशीष कुमार सिंह, अरुण कुमार अग्रवाल सहित विश्वविद्यालय से जुड़े काफी लोग मौजूद रहे।



गोरखनाथ विवि में नए मेडिकल कालेज का सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने भूमि पूजन किया।

**पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था विश्वविद्यालय का उद्घाटन**

उल्लेखनीय है कि महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय का उद्घाटन 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। अब मेडिकल कॉलेज और 1800 बेड के अत्याधुनिक अस्पताल का सपना भी साकार होने जा रहा है। पहले सत्र में 100 सीटों के साथ शुरू हो रहे मेडिकल कॉलेज के पास 450 बेड का गोरखनाथ चिकित्सालय पहले से है। जल्द ही इसमें 1800 बेड का नया अस्पताल भी जुड़ जाएगा जिसके आधार पर मेडिकल कॉलेज में सीटों का विस्तार होगा।

**डॉ. संजय माहेश्वरी की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय स्तर की कमेटी गठित**

कुलसचिव ने बताया कि मेडिकल कॉलेज को रोल मॉडल के रूप स्थापित करने के लिए इसके विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की दो कमेटियां सहयोग दे रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की कमेटी प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के मेडिकल डायरेक्टर डॉ संजय महेश्वरी की अध्यक्षता में बनाई गई है। इसमें एम्स नई दिल्ली के डॉ संजीव सिन्हा, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ जीएन सिंह, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के डॉ राघवेंद्र राव, डॉ असिथ मैली पिट्सबर्ग और डॉ केशव दास सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह कमेटी मुख्य रूप से देश के भीतर और बाहर स्थित समस्त संस्थाओं के साथ अकादमिक सहयोग स्थापित करने के लिए काम करेगी। इस समिति में कुलसचिव सदस्य सचिव के रूप में रहेंगे।

## शुरू होगा एमबीबीएस, 100 सीटों पर होगा प्रवेश

### गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मेडिकल कालेज के 1800 बेड के अस्पताल का हुआ शिलान्यास

- गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी कमलनाथ के हाथों हुआ अस्पताल का भूमि पूजन
- वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कालेज होगा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरक्ष नगरी में बहुत जल्द एक और मेडिकल कालेज का संचालन शुरू हो जाएगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे इस मेडिकल कालेज के 1800 बेड के अस्पताल का सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ के हाथों भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस कालेज में एमबीबीएस की 100 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा।

भूमि पूजन के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि मेडिकल कालेज तीन चरण में बनकर तैयार होगा। पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600-600 यानी कुल मिलाकर 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। कुलसचिव ने बताया कि पहले वर्ष इस मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की सौ सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। दूसरे चरण में 150 और तीसरे चरण में 250 सीटों तक विस्तार किया जाएगा। इस मेडिकल कालेज की स्थापना से गोरखपुर-बस्ती-आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को 1800 बेड का अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीस घंटे सेवा देने वाला एक नया अस्पताल भी मिल जाएगा।

कुलपति डा. वाजपेयी ने बताया कि यह वाराणसी और लखनऊ के बाद गोरखपुर में निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कालेज होगा। साथ ही एम्स और बीआरडी मेडिकल कालेज के बाद शहर का यह तीसरा बड़ा चिकित्सा संस्थान भी होगा। भूमि पूजन के दौरान कुलपति व कुलसचिव के अलावा भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रवींद्रदास, जगदीश आनंद आदि मौजूद रहे।

डा. संजय महेश्वरी की अध्यक्षता में गठित हुई अंतरराष्ट्रीय स्तर की कमेटी: कुलसचिव डा. प्रदीप राव ने बताया कि मेडिकल कालेज की स्थापना और इसे रोल माडल के रूप में स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की दो कमेटियां सहयोग दे रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की कमेटी प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. संजय महेश्वरी की अध्यक्षता में बनाई गई है। इसमें एम्स नई दिल्ली के डा. संजीव सिनहा, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, अमेरिका के डा. राघवेंद्र राव, डा. असिथ मैली पिट्सबर्ग और डा. केशव दास सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह कमेटी मुख्य रूप से देश के भीतर और बाहर स्थित समक्ष संस्थाओं के साथ अकादमिक सहयोग स्थापित करने के लिए काम करेगी।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मेडिकल कालेज का भूमि पूजन करते गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ व कुलसचिव डा. प्रदीप राव। इस दौरान उपस्थित कुलपति व अन्य • सौजन्य

**तत्कालीन राष्ट्रपति ने किया था विवि का उद्घाटन**

कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय का उद्घाटन 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। अब मेडिकल कालेज और 1800 बेड के अत्याधुनिक अस्पताल का सपना भी साकार होने जा रहा है। पहले सत्र में 100 सीटों के साथ शुरू हो रहे मेडिकल कालेज के पास 450 बेड का गोरखनाथ चिकित्सालय पहले से है। जल्द ही इसमें 1800 बेड का नया अस्पताल भी जुड़ जाएगा, जिसके आधार पर मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की सीटों का विस्तार भी किया जाएगा।

## गोरखपुर की उपलब्धियों में जुड़ा एक और मेडिकल कॉलेज का नाम

### नए मेडिकल कॉलेज के 1800 बेड के अस्पताल के लिए हुआ भूमि पूजन एवं शिलान्यास

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर की उपलब्धियों में एक और मेडिकल कॉलेज का नाम जुड़ गया है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे इस मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) का भूमि पूजन सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, एवं केके कंस्ट्रक्शन के निदेशक जगदीश आनंद की उपस्थिति में किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन के बाद योगी कमलनाथ ने हॉस्पिटल का शिलान्यास किया।



भूमि पूजन एवं शिलान्यास के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ वाजपेयी एवं कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह मेडिकल कॉलेज तीन चरणों में बनकर तैयार होगा। पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 600-600 यानी कुल मिलाकर 1800 बेड का अस्पताल बनेगा। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सीएम योगी इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सौ सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इसे दूसरे चरण में 150 और तीसरे चरण में 250 सीटों तक विस्तार किया जाएगा। कुलसचिव डॉ राव ने उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना और रोल मॉडल के रूप में इसके विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की दो कमेटियां सहयोग दे रही हैं। इसमें एम्स नई दिल्ली के डॉ संजीव सिनहा, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ जीएन सिंह, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के डॉ राघवेंद्र राव, डॉ असिथ मैली पिट्सबर्ग और डॉ केशव दास सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह कमेटी मुख्य रूप से देश के भीतर और बाहर स्थित समक्ष संस्थाओं के साथ अकादमिक सहयोग स्थापित करने के लिए काम करेगी। कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी अध्यक्ष, कर्नल (डॉ) राजेंद्र चतुर्वेदी संयोजक, डॉ. आर चंद्रशेखर प्रिंसिपल आर्किटेक्ट, जीएन सिंह, डॉ संजय माहेश्वरी, ब्रिगेडियर दीप ठाकुर, आर्किटेक्ट आशीष श्रीवास्तव, आरडी पटेल, वरुण भार्गव, राजेश सिंह, एसके सिंह, एके श्रीवास्तव शामिल हैं।

## समाचार दर्पण

# गोवि ने दक्षिण बिहार विवि से मिलाया हाथ

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन, शोध-असुंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ अनुबंध किया है। गुरुवार को अनुबंध पत्र का आदान-प्रदान दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह और महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी के बीच हुआ।

अनुबंध पत्र दिखाते कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजेपयी व प्रो. केएन सिंह। साथ में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव • सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

दोनों विश्वविद्यालयों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान और भावी आवश्यकताओं के दृष्टिगत संयुक्त शोध परियोजनाओं, छात्रों के कौशल विकास व क्षमता संवर्धन की गतिविधियां बढ़ाने के लिए अनुबंध किया है। अनुबंध के बाद दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि उनके विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने मिलकर उच्च शिक्षा के संवर्धन के लिए एक नई शुरूआत की है। गोरखनाथ विविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. वाजपेयी ने कहा कि इस अनुबंध से शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण की गतिविधियों को एक नई दिशा मिलेगी। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि गोरखनाथ विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास व उच्च शिक्षा में अनुसंधान की दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। डा. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव श्रीकांत, डा. डीएस अजीथा, डा. मंजूनाथ, डा. शशिकांत सिंह, डा. रोहित श्रीवास्तव, डा. संदीप श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

# महायोगी गोरखनाथ और दक्षिण बिहार केंद्रीय विवि करेंगे शोध

### दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक उन्नयन, शोध, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर सहमति

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, उन्नयन और शोध पर साथ मिलकर काम करने के लिए समझौता (एमओयू) हुआ है। बृहस्पतिवार को इस एमओयू का आदान-प्रदान दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के बीच हुआ।




एमओयू का आदान-प्रदान करते प्रो. केएन सिंह और डॉ. अतुल वाजपेयी। संवाद

एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि सीयूएसबी और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अकादमिक गुणवत्ता के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर कार्य करेंगे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि सीयूएसबी के साथ हुए एमओयू से शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण की गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि इस एमओयू से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों के नए आयाम खुलेंगे।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उप कुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्त, डॉ. संदीप श्रीवास्तव आदि भी मौजूद रहे।

### महायोगी गोरखनाथ विवि का प्रवेश परीक्षा परिणाम जारी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन अलग-अलग तिथियों में हुई प्रवेश परीक्षा का परिणाम बृहस्पतिवार को जारी कर दिया गया। प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिणाम देख सकते हैं। यह जानकारी प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 19 मई को बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा हुई थी। जबकि 21 मई को जीएनएम, बीएससी ऑनर्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी ऑनर्स, एग्रीकल्चर, डी फार्मा, बी फार्मा एलोपैथी की परीक्षा, 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा इन लैब तकनीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर तकनीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर तकनीशियन, डायलिसिस तकनीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर तकनीशियन और बीबीए ऑनर्स लॉजिस्टिक्स की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में हुई थी। प्रवेश परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी काउंसलिंग समय सारिणी के अनुसार प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थिति होकर आगे की प्रक्रिया को पूरी करा सकते हैं। संवाद

### *25 जून को होगी पीजी और पीएचडी की प्रवेश परीक्षा*

*प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पीजी और पीएचडी के अभ्यार्थियों के लिए पंजीकरण की तिथि 15 जून तक बढ़ा दी गई है। इसकी प्रवेश परीक्षा 25 जून को होगी।*

# महायोगी गोरखनाथ विवि ने किया सीयूएसबी के साथ एमओयू

- शैक्षिक उन्नयन, शोध, नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करेंगे दोनों विश्वविद्यालय
- अकादमिक गुणवत्ता व नवाचार के क्षेत्र में नया अध्याय लिखेंगे दोनों विश्वविद्यालय : प्रो. केएन सिंह



स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन, शोध-असुंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के साथ समझौता करार (एमओयू) किया है। गुरुवार को इस एमओयू का आदान-प्रदान दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह आर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के मध्य हुआ। दोनों विश्वविद्यालयों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान एवं भावी आश्वयकताओं के दृष्टिगत संयुक्त शोध परियोजनाओं, छात्रों के कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन के लिए साझा शैक्षिक क्रियाकलापों के साथ संकाय विनिमय व अन्य कई गतिविधियों को आगे बढ़ाने के कारण किया है। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि सीयूएसबी और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने मिलकर उच्च शिक्षा के संवर्धन के लिए एक नई शुरूआत की है। दोनों विश्वविद्यालय अकादमिक गुणवत्ता के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नए नवाचारों से नया अध्याय लिखेंगे।

एमओयू का स्वागत करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुपलति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ की तपोस्थली पर स्थापित इस विश्वविद्यालय ने कम समय में ही विशिष्ट पहचान बना ली है। विश्वविद्यालय का सतत ध्यान शोध-अनुसंधान, नवाचार व उद्यमिता विकास पर है। उन्होंने कहा कि सीयूएसबी के साथ हुए एमओयू से शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण की गतिविधियों को एक नई दिशा मिलेगी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास व उच्च शिक्षा में अनुसंधान की दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। आज के एमओयू से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों के नए आयाम खुलेंगे।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, फामेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवावस्त, आदि भी मौजूद रहे।

# गोरखनाथ विवि का प्रवेश परीक्षा परिणाम जारी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन अलग-अलग तिथियों पर हुई प्रवेश परीक्षा का परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया गया। परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिणाम देख सकते हैं।

प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी काउंसिलिंग की समय सारिणी के अनुसार प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थिति होकर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 19 मई को बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा हुई थी, जबकि 21 मई को जीएनएम, बीएससी आनर्स, बायोटेक्नोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलाजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलाजी, बीएससी आनर्स, एग्रीकल्चर, डीफार्म, बीफार्म एलोपैथी की परीक्षा तथा 26 मई को एएनएम, डिप्लोमा इन लैब तकनीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर तकनीशियन, आप्टोमेट्री, आर्थोपेडिक एंड प्लास्टर तकनीशियन, डायलिसिस तकनीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर तकनीशियन, और बीबीए आनर्स लाजिस्टिक्स की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हुई थी। रिकार्ड समय में प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा.. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने प्रवेश समिति को बधाई दी है।

### परास्नातक के कई विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कालेजों के परास्नातक द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर की कई परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक घोषित परीक्षाफल वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय में एमए समाजशास्त्र के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, राजनीति शास्त्र के चतुर्थ सेमेस्टर, संस्कृत के चतुर्थ सेमेस्टर, एमएससी जंतु विज्ञान के चतुर्थ सेमेस्टर, एमएससी प्लांटबायोटेक्नोलाजी के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, एमए हिंदी के द्वितीय सेमेस्टर, एमकाम चतुर्थ सेमेस्टर, एमएससी कृषि (एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर, एमएससी कृषि (एग्रीकल्चरल जेनेटिक प्लांट ब्रीडिंग) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर, एमएससी कृषि (एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स) के तृतीय सेमेस्टर, एमएससी कृषि (एग्रीकल्चरल जूलोजी एंटोमोलोजी) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर, एमएससी कृषि (एग्रीकल्चरल एग्रोनोमी) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर, एमएससी कृषि (एग्रीकल्चरल हार्टीकल्चर) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर, एमएससी कृषि (एग्रीकल्चरल प्लांट पैथोलोजी) के प्रथम सेमेस्टर, एमएससी कृषि (एग्रीकल्चरल सोईल साइंस) के प्रथम सेमेस्टर, बीएड के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर, एमएड प्रथम सेमेस्टर, बीएचएमसीटी प्रथम सेमेस्टर सत्र 2023-24 का परीक्षाफल घोषित किया गया है।

15 तक करें पीजी-पीएचडी में प्रवेश को आवेदन, 25 को होगी परीक्षा : प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पीजी और पीएचडी के अभ्यार्थियों के लिए पंजीकरण की तिथि 15 जून तक बढ़ा दी गई है। इसकी प्रवेश परीक्षा 25 जून को होगी।

# महायोगी गोरखनाथ विवि ने किया सीयूएसबी के साथ एमओयू

**गोरखपुर (एसएनबी)।** उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन, शोध-असुंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ समझौता करार किया। गुरुवार को इस एमओयू का आदान-प्रदान दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी के मध्य हुआ।

- शैक्षिक उन्नयन, शोध, नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करेंगे दोनों विश्वविद्यालय

दोनों विश्वविद्यालयों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान एवं भावी आश्वयकताओं के दृष्टगत संयुक्त शोध परियोजनाओं, छात्रों के कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन के लिए साझा शैक्षिक क्रियाकलापों के साथ संकाय विनिमय व अन्य कई गतिविधियों को आगे बढ़ाने के कारण किया है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास व उच्च शिक्षा में अनुसंधान की दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डा. शशिकांत सिंह, पैरामेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. रोहित श्रीवावस्त एवं ड़ संदीप श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

### सीयूएसबी व गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ करार

# शोध व नवाचार को बढ़ावा देगा गोरखनाथ विवि

**पहल**

- दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति में हुआ फाइल का आदान-प्रदान
- दोनों विश्वविद्यालय मिलकर इस क्षेत्र में लिखेंगे नया अध्याय

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन, शोध-अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने अहम पहल की है। विवि प्रशासन ने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के साथ समझौता (एमओयू) किया है। गुरुवार को इस एमओयू का आदान-प्रदान सीयूएसबी के कुलपति प्रो. केएन सिंह और गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया।

दोनों विश्वविद्यालयों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान एवं भावी आश्वयकताओं के दृष्टिगत संयुक्त शोध परियोजनाओं, छात्रों के कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन के लिए साझा शैक्षिक क्रियाकलापों के साथ संकाय विनिमय व अन्य कई गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समझौता करार किया है।




महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और दक्षिणी बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच गुरुवार को एमओयू पर करार हुआ।

सीयूएसबी के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों ने मिलकर उच्च शिक्षा के संवर्धन के लिए एक नई शुरूआत की है। दोनों विश्वविद्यालय अकादमिक गुणवत्ता के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों से नया अध्याय लिखेंगे।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का सतत ध्यान शोध-अनुसंधान, नवाचार व उद्यमिता विकास पर है। इस एमओयू से शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण की गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास व उच्च शिक्षा में अनुसंधान की दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवावस्त, डॉ. संदीप श्रीवास्तव मौजूद रहे।

# महायोगी गोरखनाथ विवि ने किया सीयूएसबी के साथ एमओयू

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन, शोध-असुंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के साथ समझौता करार (एमओयू) किया है। गुरुवार को इस एमओयू का आदान-प्रदान दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के मध्य हुआ।

दोनों विश्वविद्यालयों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान एवं भावी आश्वयकताओं के दृष्टिगत संयुक्त शोध परियोजनाओं, छात्रों के कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन के लिए साझा शैक्षिक क्रियाकलापों के साथ संकाय विनिमय व अन्य कई गतिविधियों को आगे बढ़ाने के कारण किया है। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि सीयूएसबी और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने मिलकर उच्च शिक्षा के संवर्धन के लिए एक नई शुरूआत की है। दोनों विश्वविद्यालय अकादमिक गुणवत्ता के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नए नवाचारों से नया अध्याय लिखेंगे। एमओयू का स्वागत करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुपलति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ की तपोस्थली पर स्थापित इस विश्वविद्यालय ने कम समय में ही विशिष्ट पहचान बना ली है। विश्वविद्यालय का सतत ध्यान शोध-अनुसंधान, नवाचार व उद्यमिता विकास पर है। उन्होंने कहा कि सीयूएसबी के साथ हुए एमओयू से शिक्षा, अनुसंधान व प्रशिक्षण की गतिविधियों को एक नई दिशा मिलेगी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास व उच्च शिक्षा में अनुसंधान की दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है। आज के एमओयू से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों के नए आयाम खुलेंगे। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवावस्त, डॉ. संदीप श्रीवास्तव आदि भी मौजूद रहे।

# निर्माणाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन क्रीड़ांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

# महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

01 डॉ. कपिल गुप्ता

02 मतदाता हस्ताक्षर अभियान में माननीय कुलपति जी व अन्य

03 डॉ. राजीव कुमार सिंह

04 प्रो. जी.एस. तोमर जी

05 प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थी

06 ड्रोन प्रशिक्षण

07 माननीय कुलपति जी एवं श्री आशीष सिन्हा जी

08 मेदांता एवं एमजीयूजी के अधिकारीगण

09 मेडिकल कॉलेज हेतु भूमि पूजन

10 समझौता में माननीय कुलपति, कुलसचिव एवं जाइर्स के निदेशक डॉ. दीपक मेंदीरत्ता

**प्रधान सम्पादक**
डॉ. विमल कुमार दूबे

**सम्पादक**
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

**संपादक मण्डल**
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

**ग्राफिक्स डिजाइनर:** श्री शारदानन्द पाण्डेय

+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur
mguniversitygkp@mgug.ac.in https://www.mgug.ac.in/